राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार, 11 दिसंबर 2024 ● मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~1~~ ● वर्ष : 2, अंक : 240 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

आप विधायक रहमान ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक अब्दुल रहमान ने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. सीलमपुर से आम आदमी पार्टी विधायक अब्दुल रहमान ने आम आदमी पार्टी को छोड़कर कांग्रेस ज्वाइन कर ली है. सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'आज मैं आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं. पार्टी ने सत्ता की राजनीति में उलझकर मुसलमानों के अधिकारों को नजरअंदाज किया, अरविंद केजरीवाल ने हमेशा जनता के मुद्दों से भागकर अपनी राजनीति की.

कर्नाटक के पूर्व सीएम एसएम कृष्णा का निधन

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के पूर्व विदेश मंत्री एस एम कृष्णा अब हमारे बीच नहीं रहे. पूर्व केंद्रीय मंत्री एसएम कृष्णा का आज सुबह करीब 2.30 बजे सदाशिवनगर स्थित उनके आवास पर निधन हो गया. वह 93 वर्ष के थे. वह पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे. अस्पताल में उनका इलाज हुआ और वे घर लौट आये. आज सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली. जनता के अंतिम दर्शन के लिए आज उनके पार्थिव शरीर को सदाशिवनगर स्थित आवास पर रखा जाएगा.

हेमंत और कल्पना से मिले सांसद नलिन

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन से मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सांसद नलिन सोरेन तथा उनके परिजनों ने मुलाकात की. साथ ही उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

सदन में जयराम महतो ने सीजीएल का मुद्दा उठाया

रांची। विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन जेएलकेएम विधायक जयराम कुमार महतो ने बड़ी बेबाकी से अपनी बात रखी. उन्होंने सीजीएल का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मैं यहां छात्र आंदोलन से पहचान बनाकर आया हूं. स्पीकर से आग्रह किया कि जिस दृष्टि से सत्ता पक्ष और विपक्ष को देखें, उसी दृष्टि से मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर दिया. अपनी बात रखते हुए जयराम ने कहा कि राज्य के लाखों अभ्यर्थी सड़क पर हैं. सीएम से आग्रह किया कि वे उन अभ्यर्थियों से मिलें वो आपके ही बच्चे हैं. उनसे मिलकर समस्या का समाधान करें. जयराम महतो ने कैमरून में फंसे 45 मजदूरों की सकुशल वापसी की भी मांग की.

स्टडी : नेचर कम्युनिकेशंस में पब्लिश एक स्टडी में पाया गया कि दिल अपनी मर्जी का मालिक

दिल का अपना दिमाग होता है, जो ब्रेन से नहीं लेता इजाजत

नई दिल्ली। दिल में कई राज छिपे हैं. हमारा दिल पेशीय टिश्यू से बना है, जो छाती के बीच थोड़ी लेफ्ट साइड होता है. यह 13 cm लंबा और 9 cm चौड़ा तिकोने आकार का होता है. दिल शरीर में ब्लड को धकेलकर पंप करता है. दिल में 4-5 हजार न्यूरॉन्स होते हैं, जो उसे धड़कने, ब्लड का सर्कुलेशन बनाए रखने में मदद करते हैं. पहले माना जाता था कि ब्रेन ही शरीर को कंट्रोल करता है और हर अंग को आदेश देता है. दिल को भी सिग्नल देकर कंट्रोल करता है, लेकिन नेचर कम्युनिकेशंस में पब्लिश एक स्टडी में पाया गया कि दिल अपनी मर्जी का मालिक होता है. वह दिमाग से आदेश लेता नहीं बल्कि उसे देता है.

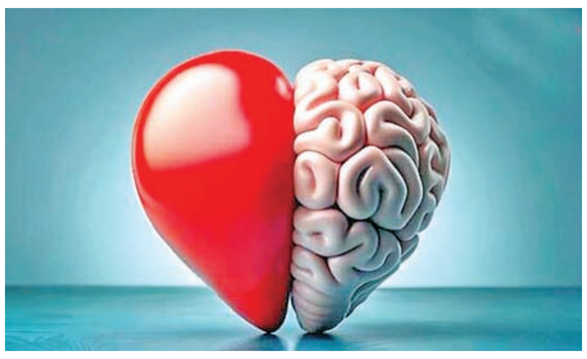

कई कार्डियक फंक्शन करता है कंट्रोल

इससे यह बात समझ में आती है कि दिल सिर्फ दिमाग के कंट्रोल में नहीं रहता, बल्कि इसमें मौजूद न्यूरॉन्स दिल के कई फंक्शन्स को नियंत्रित करते हैं. पेसमेकर प्रॉपर्टीज होने की वजह से ये न्यूरॉन्स कार्डियक रिदम को कंट्रोल कर सकते हैं. हार्ट एरिथमिया और अन्य कार्डियक डिजीज को समझने में यह स्टडी अहम भूमिका निभा सकती है.

दिल के लिए कितना जरूरी उसका ब्रेन

यह सिस्टम शरीर की जरूरत को पूरा करने के लिए दिल की मदद करता है. दिल सही तरह धड़कता रहे, इसके लिए हार्ट ब्रेन होना बेहद जरूरी है. हालांकि, दिल के दिमाग के पास सोचने की क्षमता नहीं है. इंट्रिंसिक कार्डिएक नर्वस सिस्टम न्यूरॉन्स से बना एक इतना कठिन सिस्टम है, जो कंप्यूटर चिप जैसा ही काम करता है. एक रिसर्च में पता चला है कि इंट्रिंसिक कार्डिएक नर्वस सिस्टम में शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म मेमोरी दोनों की तरह फंक्शन होते रहते हैं.

न्यूरॉन पेसमेकर की करता है नकल

शोधकर्ताओं ने जेब्राफिश की जांच की, जिसके दिल की बनावट और काम करने का तरीका इंसान के दिल की तरह की है. हार्ट की एक खास जगह सिनोट्रियल प्लेक्सस (एसएपी) पर फोकस किया गया, जो हार्ट के पेसमेकर के रूप में काम करता है. वैज्ञानिकों ने अलग-अलग तरह के न्यूरॉन्स का पता लगाया. ये न्यूरॉन्स कई अलग-अलग न्यूरोट्रांसमीटर, जैसे एसिटाइलकोलाइन, ग्लूटामेट और सेरोटोनिन का इस्तेमाल करके कम्युनिकेशन करते हैं, जो दिल की धड़कन पर कंट्रोल करने का संकेत देते हैं.

हार्ट का नर्वस सिस्टम

स्वीडन में कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट और न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी के रिसर्चर ने बताया कि हार्ट के अंदर नर्वस सिस्टम होता है, जिसे इंट्रिंसिक कार्डिएक नर्वस सिस्टम कहा जाता है, जो दिल के दिमाग के तौर पर काम करता है. जिससे वह न सिर्फ दिमाग को लगातार मैसेज भेजता रहता है, बल्कि दिमाग उन्हें मानता भी है.

अधिक दर पर शराब की बिक्री पर सीएम सख्त

रांची. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अपने विभाग की समीक्षा व अनियमितता पर सख्ती का निर्देश दे दिया है. विभागीय मंत्री का पदभार ग्रहण के मौके पर उन्होंने अधिकारियों को अधिक दर पर शराब की बिक्री रोकने व राजस्व बढ़ाने की ठोस रणनीति पर काम करने को कहा है. जल्द ही वे विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करेंगे. इनमें अवैध शराब की बिक्री पर रोक भी उनकी प्राथमिकता में शामिल है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में ही सभी मंत्रियों को यह टास्क सौंपा है कि दो महीने के भीतर वे अपने अपने विभागों की समीक्षा कर उन्हें रिपोर्ट देंगे. मंत्रियों को अपने विभाग से संबंधित जिला स्तर के कार्यालयों में भी जाना है.

इंडिया अलायंस में बढ़ी रार

ममता बनर्जी हो इंडिया अलायंस का चेहरा : लालू

खास बातें

- लालू ने कहा, ममता को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने दिया जाना चाहिये
- सियासी हलकों में उठ रहा सवाल कि गठबंधन का अगला नेता कौन

मुंबई. महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड, जम्मू और कश्मीर एवं अलग-अलग राज्यों में हुए उपचुनाव के परिणामों के बाद सियासी हलकों में यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि इंडिया अलायंस का नेता कौन?

पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने उपचुनाव के नतीजों के तत्काल बाद कहा था कि टीएमसी चीफ और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को इंडिया अलायंस का चेहरा होना चाहिए. इसके बाद पार्टी सांसद कीर्ति आजाद ने भी कुछ ऐसा ही कहा. फिर राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने भी ममता बनर्जी के नाम का समर्थन कर दिया.

अब समाजवादी पार्टी की प्रतिक्रिया सामने आई है. सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर बयान जारी किया है. उन्होंने कहा कि मुझसे जब भी पूछा जायेगा कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व किसको करना चाहिये मैं एक ही नाम लूँगा अखिलेश यादव !! अखिलेश यादव ने विपरीत परिस्थियों में भाजपा को लोकसभा चुनाव में हराया ही नहीं है केंद्र की सरकार को गठबंधन की बैसाखी पे ले आए है !!

सपा प्रवक्ता ने कहा कि दूसरे राज्यो में जहाँ भाजपा हारी है उन राज्यो में कभी भाजपा थी ही नहीं , ना ही जातीय समीकरण भाजपा के पक्ष में है ना ही उत्तर भारत का मुद्दा उस राज्य में काम करता है !! समाजवादी पार्टी ने भाजपा को उत्तर प्रदेश में उनकी ही पिच पे क्लीन बोर्ड कर दिया है प्रधानमंत्री भी बहुत कम मतो से जीत पाये है !! इसलिये इंडिया गठबंधन का नेतृत्व पीडीए नायक अखिलेश यादव को करना चाहिये !!

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस बयान पर कि वह 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद ने तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो का समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा कि उन्हें भाजपा विरोधी इस गठबंधन का नेतृत्व करने दिया जाना चाहिए. लालू ने यहां पत्रकारों से कहा, ''ममता बनर्जी को 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करने दिया जाना चाहिए.' जब पत्रकारों ने ममता के दावों पर कांग्रेस की आपत्ति के बारे में पूछा, तो लालू ने कहा, ''कांग्रेस के विरोध से कोई फर्क नहीं पड़ेगा...उन्हें 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व करने दिया जाना चाहिए.'

सीबीआई जांच में खुलासा, कोयला ब्लॉक हासिल करने को

हजारीबाग में निजी भूमि की खरीद का फर्जी दस्तावेज किया गया पेश

कोल स्कैम

संवाददाता। रांची

कोल स्कैम मामले में सीबीआई की जांच में महत्वपूर्ण खुलासा हुआ था.सीबीआई की जांच में पता चला की अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने अधिकारियों के साथ मिलकर कोयला ब्लॉक हासिल करने के लिए हजारीबाग में निजी भूमि की खरीद का फर्जी दस्तावेज पेश किया. इसके अलावा संयंत्र के लिए मशीनरी की खरीद और बैंकों के साथ वित्तीय गठजोड़ से संबंधित जाली दस्तावेजों की फोटोकॉपी प्रस्तुत की गई थी. सीबीआई ने कहा, इन जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कोयला ब्लॉकों के आवंटन के लिए भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय की सिफारिश हासिल करने के लिए किया गया था. इस सिफारिश के आधार पर कोयला मंत्रालय ने 25 जून 2005 को अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (अब अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड) को बृंदा, सिसई और मेराल कोयला ब्लॉक आवंटित किए.

कोर्ट ने ठहराया दोषी

सीबीआई की एक विशेष अदालत ने सोमवार को झारखंड में बृंदा, सिसई और मेराल कोयला ब्लॉकों के आवंटन से संबंधित कोयला घोटाला मामले में अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार जायसवाल और इसके पूर्व निदेशक रमेश कुमार जायसवाल को दोषी ठहराया है.

विशेष न्यायाधीश अरुण भारद्वाज ने नागपुर स्थित अभिजीत इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (एआईपीएल), इसके प्रबंध निदेशक मनोज कुमार जायसवाल और पूर्व निदेशक रमेश कुमार जायसवाल को धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और जाली दस्तावेजों को असली के रूप में इस्तेमाल करने का दोषी ठहराया. उनकी सजा बाद में सुनाई जाएगी.

राज्य के सभी जेलों के बंदियों का करायें इलाज : हाईकोर्ट

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए झालसा (झारखंड लीगल सर्विस अथारिटी) एवं डालसा (डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथारिटी)? को राज्य के सभी जेलों में हेल्थ कैंप लगाकर बंदियों का समुचित इलाज कराने का आदेश दिया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद एवं जस्टिस नवनीत कुमार के कोर्ट ने यह आदेश दिया है. अदालत ने कहा है कि मेडिकल जांच में मोतियाबिंद, डाइबीटीज, ब्लड प्रेशर तथा अन्य बीमारियों की चिकित्सीय जांच कराकर समुचित इलाज की व्यवस्था की जाये. बेंच ने यह भी आदेश दिया है कि जेल अदालत के दिन झालसा यह सुनिश्चित करेगा कि मेडिकल जांच कैंप लगे तथा कोई भी जागरूकता कार्यक्रम जो कारागृह में झालसा एवं डालसा के द्वारा आयोजित किया जायेगा, तो उसमें सभी वृद्ध एवं बीमारियों से ग्रसित बंदियों के लिए निश्चित रूप से मेडिकल जांच कैंप भी आयोजित किया जायेगा.

निजी अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों पर कसेगा शिकंजा: इरफान

रांची : राज्य के प्राइवेट नर्सिंग होम, हॉस्पिटल और डायग्नोस्टिक सेंटरों की मनमानी पर रोक लगाने की कवायद शुरू कर दी गई है. इस संस्थाओं को कंट्रोल करने के लिए स्टेट लेवल पर नियामक संस्था का गठन किया जाएगा. इसका ऐलान राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने की है. उन्होंने कहा कि नियामक संस्था आम नागरिकों के हितों की सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी भी करेगी. उन्होंने जोर देकर कहा है कि आम लोगों के हितों के साथ किसी तरह का अन्याय बर्दास्त नहीं किया जाएगा. अब गरीब मरीजों को ईलाज के अभाव में जान नहीं गंवानी पड़ेगी.

रबींद्रनाथ महतो एक बार फिर बने विधानसभा अध्यक्ष

- दूसरी बार स्पीकर बन रचा इतिहास

संवाददाता। रांची

रबिंद्रनाथ महतो सर्व सम्मति से झारखंड षष्टम विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए. बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अध्यक्ष पद के लिए रबिंद्रनाथ महतो के नाम का पहला प्रस्ताव रखा. इसके अलावा सरयू राय, जनार्दन पासवान, अरुप चटर्जी, रामेश्वर उरांव, जयराम महतो ने समर्थन किया है. गौरतलब है कि रबिन्द्रनाथ महतो ने स्पीकर बनते ही इतिहास रच दिया है. रबिन्द्रनाथ महतो पहले विधायक हैं जो लगातार दो बार झारखंड विधानसभा के स्पीकर चुने गये हैं.

अध्यक्ष चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बाबूलाल मरांडी ने रबिंद्रनाथ महतो को आसन तक पहुंचाया. वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सबसे पहले नए स्पीकर को बधाई दी. इस अवसर पर हेमंत सोरेन ने कहा कि सदन किसी भेदभाव के साथ काम करता है. सीएम ने कहा कि पंचम झारखंड विधानसभा में रबिंद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में सदन सफलतापूर्वक चला. हेमंत सोरेन ने कहा राज्य के विकास में सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिका रहती है. मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के दौरान जनता ने जो फैसला किया है उसका सम्मान करना चाहिए.

पेज 2 भी देखें

कोल लिंकेज घोटाला में 4 आरोपियों ने किया समर्पण जमानत पर मुक्त

धनबाद। कोल लिकेज घोटाला में चार कंपनियों के अधिकारियों ने सीबीआई की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण किया है. यह आत्मसमर्पण सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर हुआ है, जिसमें आरोपियों को 6 सप्ताह के अंदर निचली अदालत में आत्म समर्पण करने का निर्देश दिया गया था. आरोपियों में अमन कोल प्लांट प्राइवेट लिमिटेड के प्रोपराइटर एवं डायरेक्टर परमेश्वर प्रसाद, पी के फ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर राम सहाय सिंह, शिव डोमेस्टिक कोक प्राइवेट लिमिटेड के रिप्रेजेंटेटिव जितेंद्र कुमार और कानन स्पेशल स्मोकलेस फ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड के भूपेंद्र सिंह शामिल हैं.

संवेदनशीलता | **सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा को लेकर जारी किए निर्देश**

'फांसी में देरी उसे उम्रकैद में बदलने का आधार'

संवाददाता। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फांसी की सजा पाने वाले के कानूनी विकल्प खत्म हो जाने के बाद या उसकी तरफ से विकल्पों का इस्तेमाल न करने की स्थिति में सरकार और सेशंस अदालतों को देरी नहीं करनी चाहिए. सरकार या कोर्ट की तरफ से की गई देरी फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने का आधार बन सकती है. प्रशासनिक कमी के चलते सजायाफ्ता कैदी फांसी के डर के साथ जीता रहे, इसे सही नहीं कहा जा सकता.

2007 पुणे बीपीओ कर्मी रेप और मर्डर केस के 2 दोषियों की फांसी को उम्रकैद में बदलने वाला फैसला बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी किए हैं. 2019 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह कहते हुए पुरुषोत्तम बोराटे और प्रदीप कोकड़े नाम के दोषियों की फांसी माफ कर दी थी कि उनकी दया याचिका के निपटारे में 2 साल का समय लगा. फांसी की सजा को हाई कोर्ट ने 35 साल कैद में रहने की सजा में बदल दिया. बीपीओ के कॉन्ट्रेक्ट पर काम कर रहे कैब ड्राइवर बोराटे और उसके दोस्त कोकड़े ने 2007 में ऑफिस जाने के लिए कैब में बैठी 22 साल की महिला कर्मचारी के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी थी. इस मामले में सेशंस कोर्ट और हाई कोर्ट के बाद 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने भी दोनों को फांसी की सजा दी थी, लेकिन उनकी दया याचिका राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास 2 साल लंबित रही. इसे आधार बना कर हाई कोर्ट ने उनकी फांसी रोक दी थी.

सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा पर निर्देश दिए

अब महाराष्ट्र सरकार की अपील खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय ओका, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने भविष्य के लिए कई दिशानिर्देश जारी किए हैं. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि फांसी की पुष्टि होने के बाद उसमें देरी गलत है.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है

- कैदी को मौत के डर के साथ ज़िंदा रखना जीवन के मौलिक अधिकार का हनन है. अगर ऐसा होता है तो दोषी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है.
- ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट यह देखेगा कि क्या वाकई देर हुई है? अगर हां तो किन परिस्थितियों में ऐसा हुआ?
- राज्यपाल या राष्ट्रपति के पास दया याचिका का काफी समय तक लंबित रहना सही नहीं है
- हर राज्य का गृह विभाग या जेल विभाग कैदियों की दया याचिका का तेजी से निपटारा सुनिश्चित करने के लिए अलग प्रकोष्ठ (सेल) बनाए
- हाई कोर्ट से फांसी की पुष्टि होने के बाद सेशंस कोर्ट मामले को आगे की कार्यवाही के लिए लिस्ट करे. वह सरकार से पता करे कि क्या दोषी ने आगे अपील की है. अगर नहीं तो फांसी की तारीख तय करे
- इसी तरह सुप्रीम कोर्ट से सज़ा बरकरार रहने या दया याचिका खारिज होने के बाद ही सेशंस कोर्ट को जल्द से जल्द आगे की कार्यवाही करनी चाहिए
- डेथ वारंट जारी करने से पहले कैदी को नोटिस दिया जाए
- कैदी को डेथ वारंट मिलने और फांसी की तारीख में कम से कम 15 दिन का अंतर हो
- अगर कैदी मांग करे तो उसे मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध करवाई जाए

राज्यसभा सभापति धनखड़ को राहत

शीत सत्र में अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकेगा विपक्ष

नई दिल्ली। राज्यसभा में जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर बहुत बड़ी खबर सामने आई है. इस मामले में विपक्ष को झटका लगा है क्योंकि धनखड़ के खिलाफ मौजूदा शीत सत्र में अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता. अविश्वास प्रस्ताव के लिए 14 दिन का नोटिस जरूरी है और शीत सत्र में अब सिर्फ 10 दिन बचे हैं. कहा जा रहा है कि मौजूदा सत्र में अविश्वास प्रस्ताव सिर्फ राजनीतिक स्टंट है. इंडिया गठबंधन का आरोप है कि धनखड़ का रवैया पक्षपातपूर्ण है और वह BJP का पक्ष लेते हैं. आरोप है कि धनखड़ विपक्षी सदस्यों को बोलने नहीं देते हैं. विपक्षी सांसदों का माइक ऑफ किया जाता है और विपक्षी सदस्यों पर बार बार टिप्पणी की जाती है. राज्यसभा सभापति को हटाने के लिए 50 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ नोटिस देना होगा. इसके लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना जरूरी होता है. राज्यसभा में साधारण बहुमत से प्रस्ताव पास होना चाहिए और राज्यसभा के बाद लोकसभा से भी प्रस्ताव को मंजूरी मिलनी चाहिए.

ब्रीफ खबरें

सुखदेवनगर में युवक ने लगाई फांसी

रांची। जिले के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में दो घटनाएं हुई है. पहली घटना सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के करम चौक के पास की है. यहां एक युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. घटना की सूचना मिलने बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं दूसरी घटना सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के हरमू रोड स्थित गाड़ीखाना चौक के पास हुई है. जहां एक क्रेन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में बाइक सवार युवक बुरी तरह से घायल हो गया. इसके बाद मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस के जवान ने युवक को अस्पताल भेजवाया.

तैयार हो रहा झारखंड के विकास का रोड मैप, जल्द होगी समीक्षा

रांची। हेमंत सरकार झारखंड के चहुंमुखी विकास का रोड मैप तैयार कर रही है. जल्द ही इसकी समीक्षा की जायेगी. इसको लेकर मुख्य सचिव कार्यालय ने सभी विभागों से पूरा ब्यौरा मांगा है. मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से कहा गया है कि सभी विभागों के योजना बजट के विरूद्ध निर्गत की गयी स्वीकृत्यादेश, आवंटन आदेश व खर्च की स्थिति का ब्यौरा उपलब्ध कराया जाये. साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष के लिए विभागों द्वारा तैयार किये जा रहे योजनाओं की भी रिर्पोट मांगी गयी है. कोशिश की जा रही है कि 31 मार्च के पहले बजट उपबंध की राशि खर्च की जाये. मुख्य सचिव जल्द ही इसकी समीक्षा भी करेंगी.

21 दिसंबर तक चलेगा पुरुष नसबंदी अभियान

रांची। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत पुरुष नसबंदी अभियान 2-21 दिसंबर 2024 तक चलाया जा रहा है. इसके अंतर्गत मंगलवार को सिविल सर्जन कार्यालय सभागार से जागरूकता रथ अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरविंद कुमार के द्वारा रवाना किया गया. ताकि पुरुष नसबंदी की संख्या में बढ़ोतरी हो सके. इस वर्ष पुरुष नसबंदी के तहत कुल 2500 एनएसवी का लक्ष्य रांची जिला को दिया गया है. कार्यक्रम में रांची जिला के डीपीएम प्रवीण कुमार डीपीसी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए.

संसदीय व्यवस्था में दिखेगी शुचिता : राधाकृष्ण

रांची। संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने रवींद्रनाथ महतो को स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि आपकी अध्यक्षता में मिलकर काम करेंगे. संसदीय व्यवस्था की शुचिता दिखेगी. कहा कि आपके जैसे व्यक्तित्व को आसन पर बैठता देख सदन के सभी सदस्य गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं. राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि पिछले कार्यकाल में मैं सदन का सदस्य नहीं था, पर मैं अपकी भूमिका से प्रभावित था. विकास की जिन ऊंचाईयों को छूने की परिकल्पना हेमंत सोरेन ने की है, उसे आपकी अध्यक्षता में मिलकर पूरा करेंगे.

आज सदन में पेश होगा अनुपूरक बजट

रांची। विधानसभा के विशेष सत्र के तीसरे दिन यानि आज 11-30 बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा. इसके बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा. 12 दिसंबर राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, वाद-विवाद सरकार का उत्तर और विश्वास मत हासिल करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

रवींद्रनाथ महतो के स्पीकर चुने जाने के बाद सीएम ने सदन को संबोधित किया, कहा

राज्य के विकास में सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिका अहम

संवाददाता।रांची

झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन रवींद्रनाथ महतो के स्पीकर चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन को संबोधित किया. हेमंत सोरेन ने सबसे पहले रविंद्र नाथ महतो को फिर से स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि पंचम झारखंड विधानसभा में रवींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में सदन सफलतापूर्वक चला. आगे कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भूमिका अहम है. विपक्ष से आग्रह किया कि इस चुनाव के दौरान राज्य की जनता ने जो निर्णय सुनाया है, उस निर्णय का सम्मान करें. उन्होंने कहा कि महान विभूतियों के सपने को सकार करने में भूमिका निभानी चाहिए.

ये लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर : रवींद्रनाथ महतो के स्पीकर चुने जाने के बाद सीएम ने उन्हें बधाई दी. कहा कि मैं अपनी पार्टी और सत्ता पक्ष की ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनाएं देता हूं. आगे कहा कि ये लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है. यह देश के महान विभूतियों के समर्पण और त्याग का परिणाम है. कहीं न कहीं हमारे इस लोकतंत्र का लोहा पूरी दुनिया मानता है. अलग-अलग रंग, बोली, सभ्यता-संस्कृति एक साथ मिलकर एक समूह में रहकर अपनी हर समस्या का समाधान करते हैं. आज उन महान विभूतियों के विचारों को देश आजाद होने से अब तक सम्मान करते आये हैं. उनके विचारों को अपने कंधों पर लेकर निरंतर इस लोकतंत्र को और मजबूत करने में लगे हैं.

राज्य के बेहतरी के लिए मिलकर आगे बढ़ने का करेंगे प्रयास : सीएम ने रवींद्र नाथ महतो को बधाई देते हुए कहा कि आपकी अध्यक्षता में पंचम विधानसभा सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. आपने बहुत ही सहनशीलता और संवेदनशीलता के साथ सदन को चलाया. सदन में पक्ष-विपक्ष होते हैं. दोनों की बीच आपने संतुलन और गरिमा को बनाये रखा. निश्चित रूप से आपने सदन की गरिमा को और मजबूत रखने में अहम भूमिका अदा की है. इसके लिए उन्होंने स्पीकर के प्रति अभार प्रकट किया. आगे कहा कि इसी प्रकार सबने सर्वसम्मति से आपको षष्टम विधानसभा के अध्यक्ष के रूप में चुना है. उम्मीद और भरोसा है कि षष्टम विधानसभा भी पूर्व सत्रों की तरह हम सब मिलकर इस राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए इस मंदिर में एकत्रित होंगे और हम सब मिलकर इस राज्य के बेहतरी के लिए मिलकर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे.

जेएसएससी सीजीएल रिजल्ट के खिलाफ छात्रों का आक्रोश

- एनएच-33 को किया जाम

संवाददाता।रांची

सीजीएल रिजल्ट के खिलाफ छात्रों में काफी आक्रोश है. मंगलवार को रिजल्ट के खिलाफ हजारीबाग में बंद बुलाया था. हजारीबाग में इसका असर भी दिखा. छात्रों ने एनएच-33 को जाम भी कर दिया. छात्रों का कहना है कि 21 सितंबर को ली गई परीक्षा में सिर्फ 82 अभ्यर्थी ही सफल रहे. जबकि 22 सितंबर को ली गई परीक्षा में 2178 पास हुए. इसमें काफी अनियमितता बरती गई है. बताते चलें कि सीजीएल की परीक्षा दो दिन ली गई थी.

परीक्षा रद्द करने की मांग पर अड़े हैं अभ्यर्थी : सीजीएल परीक्षा के अभ्यर्थी परीक्षा रद्द करने की मांग पर अड़े हैं. अभ्यर्थियों का कहना है कि

परीक्षा पूरी तरह से विवादास्पद रही है. इसके पेपर भी लीक हुए. परिणाम में भी गड़बड़झाला है. बताते चलें सीजीएल परीक्षा के जरीए 2025 सीटों को भरा जाना है. इसके लिए झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने 16 से 20 दिसंबर तक दस्तावेज सत्यापन की तिथि निर्धारित की है.

विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने कहा

सहमति और असहमति हमारे लोकतंत्र की ताकत

- विपक्ष होता है सरकार का आईना

संवाददाता।रांची

झारखंड विधानसभा के छठे सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष के रूप में दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित होने पर रवींद्रनाथ महतो ने मुख्यमंत्री, मंत्रियों, सत्तापक्ष और विपक्ष के सभी सदस्यों के प्रति आभार जताया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा सुप्रीमो शिबू सोरेन ने जिन सपनों को लेकर आंदोलन की लंबी लड़ाई लड़ी, उसे पूरा करने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है. विस अध्यक्ष ने कहा कि मैं सदन के सदस्यों से आग्रह करना चाहूंगा कि लोक कल्याण के लिए ऐसी नीतियां बनाएं, ऐसे कानून बनाएं, ऐसे अधिनियम बनाएं, जिससे समाज के शोषित, पीड़ित और वंचित वर्गों का उत्थान हो सके. उन्होंने कहा कि गांधी के जरिये देखे गए सपनों के अनुरूप अंतिम व्यक्ति के जीवन में सामाजिक, आर्थिक उत्थान हो सके. उन्होंने कहा कि मेरी कोशिश होगी कि मैं सभी सदस्यों को पर्याप्त समय

दूं, पर्याप्त अवसर दूं. यह सदन सभी पक्षों के विचारों वाली सदन हो. सभी पक्षों के विचार यहां आने चाहिए. सहमति और असहमति हमारे लोकतंत्र की ताकत है. हम अलग-अलग विचारधाराओं से चुनकर आते हैं हालांकि अलग-अलग विचारधाराओं के बाद भी राज्य का हित सर्वोपरि हैं. महतो ने कहा कि सदन पक्ष और विपक्ष दोंनों से मिलकर चलता है. विपक्ष सरकार का आईना होता है. लोकतंत्र की यही ताकत है कि सबकी बातें सुनी जाए. सहमति से सदन चले और मेरी अपेक्षा है कि मैं सबकी सहमति से सदन चलाऊं. मैं प्रयास करूंगा कि उन्ही भावनाओं से आप सबका विचार सदन में आए और मैं निष्पक्ष रूप से सदन का संचालन कर सकूं लेकिन आप सबों से मेरी यह अपेक्षा रहेगी कि सदन निर्बाध रूप से चले. उन्होंने कहा कि मैं यहां अपने अन्तर्मन से यह कहना चाहता हूं कि हमलोग यहां पर चुनकर आते हैं और जनता की बहुत सारी अपेक्षाओं के साथ चुनकर आते हैं. साढ़े तीन करोड़ जनता की इस सदन से आशाएं बंधी है कि उनके हित में और उनके लिए इस महापंचायत से समुचित कार्य हो. इसके साथ विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को बुधवार पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी. उल्लेखनीय है कि विधानसभा सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सदन की कार्यवाही राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अभिभाषण के साथ शुरू होगी. इसके बाद राज्य सरकार के जरिये सदन के पटल पर चालू वित्तीय वर्ष के द्वितीय अनुपूरक बजट को लाया जाएगा. अनुपूरक बजट पर चर्चा के बाद इसे पारित करने की कार्यवाही होगी. इसके अलावा हेमंत सरकार सदन में बहुमत साबित करने का काम करेगी. चार दिनों का यह सत्र राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के बाद 12 दिसंबर को समाप्त होगा.

रांची के पूर्व उपायुक्त सहित नौ आरोपितों की हिरासत अवधि बढ़ी

रांची। सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की फर्जी तरीके से खरीद-बिक्री करने से जुड़े मामले में जेल में बंद रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन सहित नौ आरोपितों की हिरासत अवधि धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) कोर्ट ने बढ़ा दी है. इससे पूर्व मामले में जेल में बंद नौ आरोपितों को कोर्ट में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया गया. अगली पेशी की तारीख दो जनवरी निर्धारित की गई है. अदालत ने छवि रंजन, कोलकाता कारोबारी अमित अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन दलाल बरियातू के मिल्लत कालोनी निवासी रिम्स का कर्मी अफसर अली उर्फ अफ्सू खान, डोरंडा के मनी टोला का निवासी इम्तियाज अहमद, बड़ागाईं निवासी मो. सद्दाम हुसैन, तल्हा खान एवं फैयाज अहमद की हिरासत अवधि बढ़ा दी है. एक अन्य आरोपित दिलीप घोष जमानत पर है.

अनगड़ा और नामकुम में अवैध बालू लदा वाहन जब्त

संवाददाता।रांची

रांची डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने अवैध बालू उठाव की लगातार मिल रही शिकायतों को काफी गंभीरता से लिया है. डीसी ने इस तरह की शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए इसपर कार्रवाई करने का निर्देश सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को पूर्व में ही दे दिए हैं. इसी क्रम में डीसी के निर्देश पर सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोमवार की रात जिला खनन पदाधिकारी रांची एवं माइनिंग इंस्पेक्टर को जल्द से जल्द कार्रवाई करने का निर्देश दिया. जिसपर जिला खनन पदाधिकारी रांची एवं माइनिंग इंस्पेक्टर द्वारा नामकुम थाना क्षेत्र एवं अनगड़ा थाना क्षेत्र में औचक निरीक्षण के क्रम में अवैध बालू गश्ती के दौरान अवैध बालू के ट्रकों को पकड़ा गया. **रामपुर चौक पर तीन वाहनों को किया जब्त :** अवैध बालू लदे वाहन की सूचना मिली कि बुंडू से नामकुम की तरफ कुछ अवैध बालू लदा टर्बो आ रहा है. निरीक्षण के क्रम में नामकुम थाना प्रभारी को इसकी सूचना दी गई. इस पर रामपुर चौक के पास खड़ी पुलिस गश्ती दल ने रामपुर चौक से बुण्डू की तरफ जाने के क्रम में 5 बजे सुबह शर्मा होटल के पास बालू लदे तीन टर्बो गाड़ियों को रुकने का इशारा किया. तो ड्राइवर वाहनों को छोड़कर

भाग गया. टीम ने वाहनों की जांच की तो किसी भी वाहनों में बालू से संबंधित कोई वैध कागजात नहीं मिला. बिना वैध कागजात के अवैध बालू परिवहन करने पर टीम ने टर्बो वाहन JHOLDF 7079, JHOL BP-1629 एंव JH12C- 5139 को जब्त कर लिया. इसकी निगरानी के लिए आरक्षी की तैनाती की गयी. दूसरी तरफ हाइवे पेट्रोलिंग दल ने रिंग रोड पर सरवल के पास बालू लदे टर्बो रोड किनारे खड़ी की जांच की. इसमें भी बालू से सम्बंधित वैध कागजात नहीं मिलने पर टर्बो स० JHOL BH-5688 जब्त किया गया. उधर अनगड़ा थाना क्षेत्र में रात्रि गश्ती के दौरान सूचना मिली कि अनगड़ा से रांची की ओर कुछ अवैध बालू लदे टर्बो आइचर, हाइवा आ रहा है. सुबह 4:50 बजे में ठरपखना अनगड़ा में वाहनों को निरीक्षण के लिए लिए रोका गया. तो ड्राइवर वाहनों को छोड़कर भाग गया. वाहनों की जांच करने पर किसी भी वाहन में वैध परिवहन कागजात नहीं मिला. पुलिस ने बिना वैध चालान का बालु परिवहन करने पर हाईवा- 03, आइचर -03 व टर्बो- 01 को जब्त कर लिया. वहीं पुलिस टीम आइचर हाईवा- JH-01-DL-4859, JH -01-FP-0502, OD-15 U-7009, आइचर वाहन संख्या- JH-01FV -6883, JH-01-FE-1854, JH-01-FM-6883, टर्बो- JH- 05-DT-6063 के वाहन मालिकों, ड्राइवरों एवं इसमें संलिप्त अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कारवाई में जुट गई.

झारखंड ने जीता ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज फुटबॉल टूर्नामेंट का पहला मैच

- झारखंड प्रशासनिक सेवा पदाधिकारियों ने पुडुचेरी को 3-1 से हराया

संवाददाता।रांची

झारखंड प्रशासनिक सेवा पदाधिकारियों की फुटबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुडुचेरी को 3-1 से हराकर ऑल इंडिया सिविल सर्विसेस फुटबॉल टूर्नामेंट का पहला मुकाबला जीत लिया है. इस जीत के साथ ही झारखंड की टीम ने टूर्नामेंट में लीड ले ली है. टीम की कप्तानी देवघर जिला में सीओ के पद पर तैनात राज्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी अमित भगत कर रहे हैं. इस जीत से टीम का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है. इस फुटबॉल टूर्नामेंट में देशभर से टीमें हिस्सा ले रही हैं. झारखंड की ओर से सचिन तिग्गा और उत्तम लकड़ा ने गोल दागे.

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने किया कांके प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण

अनुपस्थित पाये गये सीओ को शो-कॉज, वेतन रोकने का निर्देश

संवाददाता।रांची

डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने मंगलवार को कांके प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया. शाम करीब 04: 30 प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय पहुंचते ही डीसी ने बायोमेट्रिक अटेंडेंस मंगवाकर सभी की उपस्थिति की जांच की. प्रखण्ड कार्यालय में बारी-बारी से सभी कर्मियों की उपस्थिति जांचते हुए उन्होंने बीडीओ को अनाधिकृत रुप से उपस्थित रहनेवाले कर्मियों पर नियमसंगत कार्रवाई करने के निर्देश दिये. अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी जय कुमार अनुपस्थित पाये गये. डीसी ने अंचल अधिकारी को शो-कॉज करने और वेतन रोकने का निर्देश दिया गया. कांके अंचल के अमीन रामलाल

महतो के 9 एवं 10 दिसंबर को हेहल अंचल में कार्य किये जाने को सत्यापित करवाने का भी निर्देश डीसी ने दिया. डीसी ने कहा कि सभी पदाधिकारी व कर्मी ससमय कार्यालय आयें और पूरी कार्यावधि के दौरान तन्मयता से कार्य करते हुए आमजनों की समस्याओं का निष्पादन करें. डीसी मंजूनाथ भजन्त्री ने प्रखण्ड तथा अंचल के लॉग बुक, आगत-निर्गत पंजी, रोकड़ पंजी, संचिका, जनशिकायत, पेंशन तथा अन्य की जांच की. मौजूदा एवं पिछले वित्तीय वर्ष में अबुआ आवास का लक्ष्य और कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्होंने त्वरित गति से आवास पूर्ण करवाने के निर्देश दिये. उपायुक्त द्वारा किस्त के भुगतान में तेजी लाने का भी निर्देश दिया गया. अंचल अन्तर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में म्यूटेशन के लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने यथाशीघ्र मामलों का निष्पादन करने को कहा.

काउंसिल ने जिला एसोसिएशन से मांगे 50 रुपए प्रति वकालतनामा

जेएसबीसी सदस्य मनोज सिंह ने किया विरोध

संवाददाता।रांची

झारखंड स्टेट बार काउंसिल द्वारा जिला बार एसोसिएशन को प्रति वकालतनामा में 50 रुपए काउंसिल के लिए इकट्ठा करने के आदेश को लेकर किचकिच शुरू हो गयी है. स्टेट बार काउंसिल के सदस्य मनोज सिंह ने काउंसिल की ओर से वकालतनामा में 50 रुपए का इजाफा करने के आदेश पर अपना विरोध जाहिर करते हुए जेएसबीसी को पत्र लिखा है. काउंसिल अध्यक्ष को लिखे गये अपने पत्र में उन्होंने कहा है कि जिला बार एसोसिएशन से प्रत्येक वकालतनामा में काउंसिल के लिए 50 रुपए इकट्ठा करने का आदेश नियमसंगत नहीं है. इससे वित्तीय अनियमितता होने की आशंका है. साथ ही इससे जिला बार एसोसिएशन के साथ-साथ आम लोगों पर भी बोझ पड़ेगा. दरअसल झारखंड स्टेट बार काउंसिल की ओर

से 22 नवंबर को एक पत्र जारी किया गया था. झारखंड के सभी जिला बार एसोसिएशन को जारी किये गये पत्र में काउंसिल की ओर से यह निर्देश दिया गया था कि प्रत्येक वकालतनामा में लिये जाने वाले शुल्क में काउंसिल के लिए भी 50 रुपए लिए जायें. यह आदेश 2 जनवरी से प्रभावी होना है. लेकिन उससे पहले ही इस आदेश का विरोध शुरू हो गया है.

राज्य में बढ़ेगी ठंड, अगले 5 दिनों तक नहीं होगी बारिश

संवाददाता।रांची

झारखंड में हुई बारिश के बाद ठंड काफी बढ़ गयी है. रांची सहित अन्य जिलों में मंगलवार सुबह घना कोहरा देखा गया. मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में फिलहाल बारिश नहीं होगी. अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं. मौसम विभाग ने राज्य के पलामू और गढ़वा सहित 14 जिलों में घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है. इनमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम शामिल हैं. इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को बताया कि अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री की गिरावट आएगी. इस वजह से लोगों को ठंड का सामना करना पड़ेगा. तापमान में गिरावट के बाद दो दिन तक न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा. उन्होंने बताया कि झारखंड में अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं. उन्होंने कोहरे में सुबह में लोगों से सावधानी के साथ घर से बाहर निकलने को कहा है.

प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कल तक जिला खेल कार्यालय में कराना होगा रजिस्ट्रेशन

पंच प्रण थीम पर राष्ट्रीय युवा महोत्सव 14 से

- विजेताओं को मिलेगा नगद इनाम

संवाददाता।रांची

झारखंड खेल एवं युवा कार्य विभाग की ओर से आगामी 14 दिसंबर से "पंच प्रण" थीम पर राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. महोत्सव की तैयारियों पूरी कर ली गयी है. रांची के ऑड्रे हाउस में 14 दिसंबर को जिला स्तरीय और 16 दिसंबर को प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा. इस महोत्सव में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा, जिनमें सामूहिक लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, एकल लोकनृत्य, एकल लोकगीत, चित्रकला, भाषण, विज्ञान मेला (एकल), कहानी लेखन, कविता लेखन, विज्ञान मेला

(सामूहिक), फोटोग्राफी शामिल हैं. राष्ट्रीय युवा महोत्सव में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को 12 दिसंबर तक विकास भवन स्थित जिला खेल कार्यालय में रजिस्ट्रेशन कराना होगा. इसके अलावा प्रतिभागियों को https://mybharat.gov.in My Bharat Portal पर भी पंजीकृत कराना होगा. प्रतिभागी की उम्र कम से कम 15 और अधिकत्तम 29 वर्ष होनी चाहिए. जिला स्तर पर चयनित विजेता प्रमंडल स्तर पर भाग ले सकते हैं.

युवाओं में कला, संस्कृति व राष्ट्रीय भावना जागृत करना महोत्सव का उद्देश्य : बता दें कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव रांची में एक नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया है. यह महोत्सव युवाओं को एक मंच प्रदान करता है. जहां वे अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता को दिखा सकते हैं. यह महोत्सव न केवल युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय भावना से भी जोड़ता है. इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं में कला, संस्कृति और राष्ट्रीय भावना को जागृत करना है. बता दें कि प्रतियोगिता में विजेताओं को आकर्षक नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा. साथ ही सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किये जायेंगे. महोत्सव की थीम "पंच प्रण" पर आधारित होगी. यह थीम युवाओं को देश के प्रति समर्पित होने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है. बड़ा संकल्प लेकर चलना होगा. हमारे मन के भीतर गुलामी का एक भी अंश है तो उसे बचने नहीं देना है. हमें हमारी विरासत पर गर्व होना चाहिए. एकता और एकजुटता. नागरिकों का कर्त्तव्य.

सामूहिक लोकगीत और लोकनृत्य :
प्रथम : 7,000 रुपये
द्वितीय : 5,000 रुपये
तृतीय : 3,000 रुपये

अन्य प्रतियोगिताएं :
प्रथम : 2,500 रुपये
द्वितीय : 1,500 रुपये
तृतीय : 1,000 रुपये

हाईकोर्ट ने कहा : संविदा कर्मियों को नहीं हटा सकते

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पेयजल स्वच्छता विभाग में अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों को हटा कर आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति करने के आदेश पर रोक लगा दी है. इसके साथ ही अदालत ने सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. दरअसल स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन में ब्लॉक वॉश कॉर्डिनेटर के पद पर कार्य कर रहे लोगों को हटाकर पूरे राज्य में आउटसोर्स के जरिए नए लोगों को रखने का आदेश इसी वर्ष 16 सितंबर को हुआ था. जिसके खिलाफ राम किशून एवं अन्य ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एस एन पाठक की कोर्ट में हुई. सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि संविदा कर्मियों को नहीं हटा सकते. अधिवक्ता नवीन कुमार ने प्रार्थियों की ओर से बहस की.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in
रांची, बुधवार, 11 दिसंबर 2024 ● मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 240
आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चंडीगढ़ में जन्मीं हरमीत ढिल्लों को ट्रंप की टीम में मिली बड़ी जिम्मेदारी

ब्रीफ खबरें

सीएम हेमंत ने कर्नाटक के पूर्व सीएम के निधन पर जताया शोक

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कर्नाटक के पूर्व सीएम, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और पूर्व विदेश मंत्री एसएम कृष्णा के निधन पर शोक जताया है. उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि एसएम कृष्णा जी के निधन की दुखद सूचना मिली. परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुख की यह विषम घड़ी सहन करने की शक्ति दे.

सदन में सभी को अवसर दें : बाबूलाल

रांची। भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी ने रवींद्रनाथ महतो को स्पीकर चुने जाने पर शुभकामनाएं दी. उन्होंने स्पीकर से अपील करते हुए कहा कि विपक्षी सदस्यों को थोड़ा अधिक अवसर दें. नवनिर्वाचित सदस्यों को भी सदन में भरपूर अवसर दें. इससे राज्य की ज्वलंत समस्याओं की पहचान और समाधान में सरकार को भी मदद मिलेगी. कोई भी विधायक सदन में मामला उठाये तो उसका समाधान हो. सदन के कस्टोडियन के नाते सभी को अवसर दें. इससे नये विधायकों में आत्मविश्वास पैदा होगा.

मुख्यमंत्री से वृंदा करात ने की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में माकपा पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात ने मुलाकात की. मुख्यमंत्री से उनकी यह शिष्टाचार मुलाकात थी.

ओडिशा के राज्यपाल से मिला प्रतिनिधिमंडल

रांची। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास से उनके धुर्वा स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया. साथ ही उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की. वैश्य मोर्चा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए दास ने कहा कि पूरे प्रदेश में दौरा करें और समाज हित में काम करते रहें. मेरी शुभकामनाएं हमेशा साथ रहेंगी.

रंजय हत्याकांड में गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद। विधायक संजीव के करीबी रंजय सिंह ऊर्फ रवि रंजन सिंह की हत्या के मुकदमे में मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश डी सी अवस्थी की अदालत में सुनवाई हुई. अदालत ने अपर लोक अभियोजक को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. सुनवाई के दौरान, जेल में बंद आरा बेरथ निवासी नंद कुमार सिंह उर्फ बबलू उर्फ रूना सिंह उर्फ मामा को रांची के होटवार जेल से वीसीएस के द्वारा पेश किया गया.

योजना की राशि 1000 से बढ़ाकर 2500 किये जाने के बाद से अंचल कार्यालय में उमड़ रही भीड़

आज आपके खाते में नहीं आएगी मंईयां सम्मान योजना की रकम

खास बातें

- विभाग को नहीं मिला राशि का आवंटन
- तिथि को लेकर अब तक कोई अपडेट नहीं

संवाददाता। धनबाद

आज महिलाओं के खाते में मंईंयां सम्मान योजना की राशि नहीं आएगी. झामुमो के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा था कि 11 दिसम्बर को मंईंयां सम्मान योजना की राशि महिलाओं के खाते में चली जायेगी. लेकिन इसे लेकर संबंधित विभाग के पास कोई सूचना नहीं आई है. योजना की राशि कबतक मिलेगी, इसे लेकर भी कोई तिथि निर्धारित नहीं कि गई है. इधर योजना की राशि 1000 से बढ़ाकर 2500 किये जाने के बाद से अंचल कार्यालय में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ रही है. सामाजिक सुरक्षा विभाग के सहायक निदेशक सह प्रभारी कल्याण विभाग नियाज अहमद ने बताया कि मंईंयां सम्मान योजना को लेकर अभी तक कोई दिशानिर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं. साथ ही कहा कि अभी तक योजना के लिए राशि का आवंटन भी नहीं किया गया है.

सरकार ने मंईयां योजना को लेकर दूसरे विभागों से जुटाए पैसे

मईया सम्मान योजना के लिए सरकार दूसरे विभागों से काटकर पैसे जुटाने में लगी है. मंईया सम्मान, बिजली बिल माफी सहित अन्य योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार बुधवार को विधानसभा में करीब 13,000 करोड़ का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश करेगी. समाज कल्याण व ऊर्जा मंत्रालय की कई योजनाओं की राशि सरेंडर कर पैसे का जुगाड़ किया गया है. चालू वित वर्ष में लोस व विस चुनाव के कारण 4 माह तक आचार संहिता लगी थी. इससे कई योजनाओं के पैसे खर्च नहीं हुए. अब इनका उपयोग नई योजनाओं में किया जाएगा.

बजट में मंईयां सम्मान योजना के लिए कोई प्रावधान नहीं था. समाज कल्याण विभाग ने दूसरे मद का पैसा सरेंडर कर 1000 करोड़ जुटा लिए हैं. मार्च तक इस मद में 5000 करोड़ की जरूरत है. 31 मार्च 2025 तक मंईयां योजना के लिए 7300 करोड़, बिजली बिल माफी के लिए 1800 करोड़, बिरसा फसल बीमा योजना के लिए 250 करोड़ और बिजली टैरिफ सब्सिडी के लिए 767 करोड़ चाहिए. खजाने में फिलहाल 5000 करोड़ हैं. सरकार ने पेयजल, ग्रामीण विकास और खाद्य आपूर्ति समेत करीब एक दर्जन विभागों से 4000 करोड़ सरेंडर कराए हैं. पेयजल से 1400 करोड़, ग्रामीण विकास से 900 करोड़ और खाद्य आपूर्ति से 600 करोड़ सरेंडर कराएं गए हैं. योजना, कृषि, आईटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और जल संसाधन ने भी पैसे सरेंडर किए हैं. इसके अलावा माइनिंग सेस से 1000 करोड़ और दो व से अधिक समय से पड़े 2000 करोड़ की वापसी से अनुपूरक बजट का खाका तैयार हुआ है.

प्रमंडलीय आयुक्त ने अंचलाधिकारियों को दिया निर्देश

सीओ तय समय सीमा में म्यूटेशन का करें निष्पादन

उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त ने की धनबाद जिले की समीक्षा

- ऑनलाइन कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम, भू-अर्जन, भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती पर प्रमंडलीय आयुक्त ने की समीक्षा

संवाददाता। धनबाद

प्रमंडलीय आयुक्त ने जिले के सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि तय सीमा के अंदर ही म्यूटेशन का निष्पादन करें. उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त, हजारीबाग पवन कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को धनबाद जिले की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय सभागार कक्ष धनबाद में आयोजित की गई. बैठक के दौरान ही आयुक्त ने सभी सीओ को निर्देश दिया. बैठक के लिए समाहरणालय पहुँचने पर प्रमंडलीय आयुक्त को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. बैठक के दौरान आयुक्त द्वारा ऑनलाइन कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम मामलों, भू-अर्जन, भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती मामले समेत विभिन्न मामलों के निष्पादन वं लंबित मामलों की समीक्षा की गई. बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा समेत धनबाद के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और जिला प्रशासन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. आयुक्त के द्वारा ऑनलाइन कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के द्वारा न्यायालय वादों के निष्पादन एवं लंबित मामलों की समीक्षा की. समीक्षा के दौरान अंचल अधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, अवर निबंधक से न्यायालय वादों के निष्पादन के प्रक्रिया और लंबित मामलों की जानकारी ली गई. जानकारी के उपरांत लंबे समय से लंबित मामलों को जल्द से जल्द निष्पादन करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया. साथ हीं सभी अंचल के म्यूटेशन के लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने संबंधित अंचलाधिकारियों को तय समय सीमा के अंतर्गत निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए. राजस्व संग्रहण से संबंधित विभागों के प्रतिनिधि तथा सभी संबंधित पदाधिकारियों की उपस्थिति में जिला के सभी भू-अर्जन,भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती संबंधित लंबित मामलों की प्रमंडलीय आयुक्त ने समीक्षा की. इस दौरान धनबाद में संचालित कोल खनन परियोजना, रेलवे के प्रोजेक्ट, गोमो फ्लाईओवर समेत अन्य परियोजना के भू-अर्जन एवं अधिग्रहित की गई भूमि की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निदेश दिए. आयुक्त ने भूमि हस्तांतरण और लीज संबंधी मामलों में पारदर्शिता, समयबद्धता और प्रक्रिया के सुचारु संचालन पर बल दिया. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रासंगिक दस्तावेजों और प्रक्रियाओं की उचित जांच की जाए ताकि भूमि विवादों और शिकायतों से बचा जा सके. मौके पर उपायुक्त धनबाद, अपर समाहर्ता धनबाद, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, निबंधन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, भू-अर्जन से संबंधित सभी संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.

कोयले के अवैध कारोबार पर लगाएं अंकुश : आयुक्त

धनबाद. खनन विभाग की समीक्षा के क्रम में प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार ने खनिज संपदा के अवैध कारोबार पर त्वरित कार्रवाई करने तथा विभिन्न कोलियरी में कोयले के भंडारण का औचक वॉल्यूमैट्रिक जांच करने के निर्देश दिए. आयुक्त ने विभाग को कोयले के अवैध कारोबार पर पूरी तरह से अंकुश लगाने का निर्देश दिया. आयुक्त ने मंगलवार को समाहरणालय के सभागार में जिला आंतरिक संसाधन समिति तथा जिला टास्क फोर्स की समीक्षा की. उन्होंने खनन, कमर्शियल टैक्सेस, निबंधन, परिवहन, वन विभाग, मत्स्य विभाग तथा नगर निगम सहित अन्य विभागों की समीक्षा की. समीक्षा के क्रम में आयुक्त ने सभी विभागों को शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति करने तथा राजस्व बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने के निर्देश दिए. एक्साइज विभाग की समीक्षा के क्रम में उन्होंने अवैध शराब निर्माता पर कड़ी कार्रवाई करने तथा

> राजस्व बढ़ाने के लिए प्रमंडलीय आयुक्त ने दिए अतिरिक्त प्रयास करने के निर्देश

लाइसेंसी बार में औचक जांच करने के निर्देश दिए. कमर्शियल टैक्सेस की समीक्षा के दौरान आयुक्त ने डिफॉल्टरों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा मोबाइल चेकिंग कर राजस्व बढ़ाने का निर्देश दिया. बैठक में उत्तरी छोटानागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा सहित सभी अंचल अधिकारी व अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे. समीक्षा बैठक के बाद आयुक्त ने जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की बैठक कर विभिन्न कार्यों की समीक्षा की. उन्होंने उप विकास आयुक्त से विभिन्न परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली. उन्होंने सभी परियोजनाओं का कार्य समय पर पूरा करने का निर्देश दिया. बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

अनैतिक देह व्यापार चलाने के आरोपी सलमा को 5 वर्ष की कैद

धनबाद। अनैतिक देह व्यापार करने के आरोपी बाघमारा जयरामडीह निवासी 40 वर्षीय सलमा खातून को अदालत ने दोषी करार देते हुए 5 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है. जिला एवं सत्र न्यायाधीश सप्तम कुलदीप की अदालत ने आरोपी सलमा को इम्मोरल ट्रेफिक एक्ट के तीन अलग-अलग धाराओं में अलग-अलग सजा सुनाई है. अदालत ने अभियुक्त को नौ हजार रुपए आर्थिक जुर्माना की भी सजा दी है. इस मामले में पीड़िता ने बयान दिया था कि वह अपने चचेरे भाई के साथ धनबाद अपने भाई के शादी के लिए कपड़ा खरीदने आई थी. वहां एक महिला ने उसे ठंडा स्थान पर चलकर बैठने को कहा, जिसे वह मानने के लिए मजबूर हो गई. इसके बाद, उसे जबरन एक बोलेरो गाड़ी में बिठाया गया और बाघमारा ले जाया गया, जहां उसके साथ दुराचार किया गया. अदालत में अभियुक्त के खिलाफ 9 जून 2022 को आप का गठन कर अभियोजन साक्ष्य चलाया गया. अभियोजन पक्ष द्वारा कुल 13 गवाहों की गवाही कराई गई. अनुसंधान के बाद पुलिस महिला सलमा खातून के खिलाफ अदालत में 30 सितंबर 2021 को आरोप पत्र दाखिल किया तथा उसके पति सोईम अंसारी, खुर्शीद एवं अन्य दो पर अनुसंधान जारी रखा.

बैंक शाखा खुलवाने को लेकर सांसद ने की वित्त मंत्री से की मुलाकात

संवाददाता। धनबाद

भाजपा सांसद ढुलू महतो ने मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात किया. उन्होंने वित्त मंत्री को एक पत्र सौंपते हुए टुण्डू क्षेत्र में बंद की गई स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर की शाखा को पुनः खोलने का आग्रह किया. सांसद ने बताया कि टुण्डू क्षेत्र में एसबीबीजे शाखा बंद होने से स्थानीय निवासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. क्षेत्र में स्थित कोलियरियों के हजारों कर्मचारियों, पेंशनधारकों, विधवा पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं और छात्रों को बैंकिंग सेवाओं के लिए चार किलोमीटर दूर एसबीआई बिलबेरा शाखा जाना पड़ता है. उन्होंने यह भी बताया कि बुजुर्ग और महिलाओं को विशेष रूप से आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है. ढुलू महतो ने वित्त मंत्री से आग्रह किया कि टुण्डू में पुनः एसबीबीजे शाखा और एटीएम की सुविधा बहाल की जाए.

वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन एक जनवरी से होगा शुरू

- 1.8 करोड़ छात्रों को होगा फायदा

नई दिल्ली। सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार ए.के. सूदने मंगलवार को घोषणा की कि देश में 1 जनवरी से वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन योजना शुरू होगी. इस योजना के तहत विश्वविद्यालयों और आईआईटी सहित राज्य-वित्तपोषित उच्च शिक्षा संस्थानों के लगभग 1.8 करोड़ छात्रों को फायदा होगा . 'वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन' पहल के तहत 1 जनवरी से दुनिया भर की शीर्ष पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों तक पहुंच प्राप्त होगी. नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ए.के. सूद ने कहा कि ओएनओएस पहल के पहले चरण के तहत शोधकर्ताओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, गणित, प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान को कवर करने वाली 13,400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. इस पहल के तहत, 451 राज्य स्तर के सार्वजनिक विश्वविद्यालय, 4,864 कॉलेज, राष्ट्रीय महत्व के 172 संस्थान, 6,380 उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थानों में शामिल होंगे, जिन्हें एल्सेवियर, स्प्रिंगर नेचर और विले सहित 30 प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित शीर्ष पत्रिकाओं तक पहुंच प्राप्त होगी. सूद ने कहा कि इस पहल से सभी विषयों के छात्रों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के विशाल समूह तक विद्वानों की पत्रिकाओं तक पहुंच का विस्तार होगा, जिसमें टियर 2 और टियर 3 शहरों के छात्र भी शामिल हैं, जिससे देश में कोर के साथ-साथ अंतःविषय अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा."

कोलकाता एयरपोर्ट पर नारी शक्ति पुरस्कार विजेता डॉक्टर से दुर्व्यवहार

कोलकाता। 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित डॉ. भारती कश्यप ने कोलकाता एयरपोर्ट पर एक एयरलाइन के कर्मचारियों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है. डॉ. कश्यप के अनुसार, खराब मौसम के कारण उनकी बागडोगरा जाने वाली फ्लाइट रद्द हो गई थी, जिसके बाद एयरलाइन कर्मचारियों ने उन्हें और अन्य यात्रियों को घंटों इंतजार कराया. डॉ. कश्यप, जो रांची की एक नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं, झारखंड की राजधानी रांची से कोलकाता होते हुए बागडोगरा की यात्रा कर रही थीं. उन्होंने बताया कि कोलकाता एयरपोर्ट पर सुबह 10:45 बजे पहुंचे, जहां हमारी फ्लाइट एक घंटे की देरी से आई. इसके बाद पता चला कि बागडोगरा की फ्लाइट रद्द कर दी गई है.

आईजी ने परेड और एसपी कार्यालय का किया निरीक्षण

संवाददाता। दुमका

पुलिस लाईन मैदान में मंगलवार को पुलिस विभाग के कार्यो का वार्षिक समीक्षा हुई. समीक्षा दुमका प्रक्षेत्र के आईजी क्रांति कुमार गड़ीदेश ने किया. इस अवसर पर आईजी ने पुलिस पदाधिकारियों और जवानों का परेड का निरीक्षण किया. परेड निरीक्षण में सलामी और गार्ड ऑफ ऑनर सार्जेंट मेजर रमेश कुमार मंडल के नेतृत्व में जवानों ने दी. परेड निरीक्षण के बाद कार्यालय पहुंच आईजी सभी शाखाओं का बारीकी से निरीक्षण किये. इस दौरान त्रुटिपूर्ण कार्यो में सुधार और बेहतर कार्य के तरीके बताये, जिससे रिकॉर्ड संरक्षित रह सके. इस अवसर पर आईजी ने कहा कि दुमका जिला का पुलिस लाईन और एसपी कार्यालय का वार्षिक समीक्षा कार्य है. पुलिस लाईन में जवानों का परेड निरीक्षण किया गया है. उसके बाद कार्यालयों के रिकार्ड खंगाला गया. जहां-जहां कमियां रही है, उसे दूर करने का निर्देश दिया गया है. बेहतर पुलिसिंग के लिए जवानों एवं पुलिस पदाधिकारियो को अवार्ड से सम्मानित किया गया है. इससे पुलिस अधीक्षक कार्यालय के रिकॉर्डस अपडेट होते है और कार्य सुचारू रूप से संपादित होते है. इस अवसर पर एसपी पितांबर सिंह खेरवार, डीएसपी विजय कुमार महतो एवं इक्कुड़ डुंगडुंग, प्रशिक्षु डीएसपी अमित कुमार रविदास, प्रशिक्षु आईपीएस डॉ सैयद मुस्तफा हासमी शामिल थे.

सूचना

4 लेन फ्लाईओवर कार्य के लिए ट्रैफिक-कम-पावर किया गया ब्लॉक

रांची मंडल में ट्रेनों के परिचालन में होगा बदलाव

संवाददाता। धनबाद

दक्षिण पूर्वी रेलवे में रांची मंडल के सिरमटोली चौक पर 4 लेन फ्लाईओवर/ एलिवेटेड रोड-कम-आरओबी कार्य के लिए ट्रैफिक-कम-पावर ब्लॉक लिया गया है, जिसके कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है, कुछ ट्रेनें निरस्त की गई है.

पुनर्निर्धारित वाली ट्रेन

1. दिनांक 16.12.24, 20.12.24 और 22.12.24 को रांची से खुलने वाली ट्रेन संख्या 20887 रांची- वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस को रांची से 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलायी जाएगी .

मार्ग परिवर्तन वाली ट्रेनें (राउरकेला- सीनी- चाण्डिल- मूरी के रास्ते)

1. दिनांक 18.12.24 को हैदराबाद से खुलने वाली ट्रेन संख्या 07255 हैदराबाद - पटना एक्सप्रेस।
2. दिनांक 21.12.24 को मालदा से खुलने वाली ट्रेन संख्या 13425 मालदा- सूरत एक्सप्रेस।
3. दिनांक 17.12.24 को रक्सौल से खुलने वाली ट्रेन संख्या 07052 रक्सौल- सिकंदराबाद एक्सप्रेस .

निरस्त होने वाली ट्रेनें

1. दिनांक 15.12.24, 21.12.24 और 22.12.24 को वाराणसी से खुलने वाली गाड़ी संख्या 18612 बनारस- रांची एक्सप्रेस।
2. दिनांक 16.12.24, 20.12.24 और 21.12.24 को रांची से खुलने वाली गाड़ी संख्या 18611 रांची- बनारस एक्सप्रेस।
3. दिनांक 23.12.24 को वाराणसी से खुलने वाली गाड़ी संख्या 18312 बनारस- विशाखापत्तनम एक्सप्रेस।
4. दिनांक 22.12.24 को विशाखापत्तनम से खुलने वाली गाड़ी संख्या 18311 विशाखापत्तनम- बनारस एक्सप्रेस।
5. दिनांक 16.12.24 और 22.12.24 को रांची से खुलने वाली गाड़ी संख्या 18628 रांची- हावड़ा एक्सप्रेस।

विजयवाड़ा मंडल में ब्लॉक के कारण धनबाद- अलेप्पी एक्सप्रेस के मार्ग में परिवर्तन

धनबाद . विजयवाड़ा मंडल के विजयवाड़ा- दुव्वाडा रेलखंड में टीआरटी कार्य एवं ब्लॉक के कारण गाड़ी संख्या 13351, धनबाद- अलेप्पी एक्सप्रेस के मार्ग में परिवर्तन किया गया है | यह गाड़ी दिनांक 10 .12 .24, 16 .12 .24, 17 .12 .24, 20 .12 .24, 21 .12 .24, 23 .12 .24 और 24 .12 .24 को निदादावोलु- भीमावरम टाउन – गुड़ीवादा – विजयवाड़ा होकर जाएगी . उपरोक्त तिथि पर इस गाड़ी का ठहराव को टाडेपल्लीगुडम और इलुरू स्टेशनों पर से अस्थाई रूप से हटा दिया गया है .

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ विरोध मार्च

जलाया गया बांग्लादेश अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस खान का पुतला

संवाददाता। निरसा बाज़ार

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में मंगलवार को सनातन धर्म जागरण समिति के बैनर तले विरोध मार्च निकाला गया. विरोध मार्च सिनेमा हॉल मोड़ से निकलकर जीटी रोड होते हुए टेलीफोन एक्सचेंज होकर निरसा चौक तक पहुंचा. यहां पारंपरिक बांग्लादेशी जामदानी साड़ियों के साथ-साथ बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस खान का पुतला जलाया गया. इस दौरान बांग्ला देश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गयी. मौके पर उपस्थित पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि बांग्लादेश की 17 करोड़ आबादी में करीब 8% फीसदी हिंदू हैं. 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश के 50 से ज्यादा जिलों में हिंदुओं पर 200 से ज्यादा हिंसक हमले हो चुके हैं. अब समय आ गया है इसका मुंहतोड़ जवाब देने की. रैली में समाजसेवी गुरमीत सिंह डॉंग, मनोज सिंह, मंडल अध्यक्ष बृहस्पति पासवान, मुखिया रीता देवी, मुखिया संजय महतो, आरएसएस के स्वयंसेवक सदस्य अमरेंद्र मिश्रा, झुलन मिश्रा समेत काफी संख्या में लोग शामिल थे.

आउटसोर्सिंग के विस्तारीकरण से जलापूर्ति पाइप क्षतिग्रस्त, कालोनियों में जलसंकट

संवाददाता। झरिया

बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र की भिन्न भिन्न कोलियरियों के कालोनियों में व्याप्त जलसंकट को प्राथमिकता के तौर पर दूर करने को मंगलवार को संयुक्त मोर्चा के नेताओं के साथ क्षेत्रीय प्रबंधन की समझौता वार्ता हुई. लोदना क्षेत्रीय कार्यालय में हुई वार्ता में मोर्चा के नेताओं ने जीएम से कहा कि पूरे लोदना क्षेत्र में आउटसोर्सिंग परियोजना के संचालन के विस्तारीकरण में कालोनियों को पिटवाटर आपूर्ति की जानेवाली अधिकांश पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है. पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त हो जाने से जयरामपुर,जीनागोरा, नॉर्थ तीसरा साउथ तीसरा, लोदना, कुजामा ,बरारी, जियलगोरा, बागडिगी आदि कोलियरियों के कालोनियों में जलापूर्ति ठप हो गई है. उक्त क्षेत्रों में पिछले दस वर्षों से झमाड़ा की जलापूर्ति भी ठप है. इसके बाद भी प्रबंधन द्वारा विभाग को जलापूर्ति की बिल का भुगतान हो रहा है .नेताओं ने कहा कि कर्मियों की हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता के तौर पर अधिकारियों और यूनियन नेताओं की टीम गठित कर प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण कराकर अविलंब क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को बदलने की जीएम से मांग किया . जीएम निर्झर चक्रवर्ती ने मोर्चा के नेताओं को आश्वस्त किया कि वे जल्द ही जलापूर्ति सुनिश्चित कराने को असैनिक विभाग के अधिकारियों से क्षतिग्रस्त पाइपलाइन का सर्वेक्षण कराकर तत्काल प्राक्कलन तैयार कर जलापूर्ति सुनिश्चित कराएंगे.

ब्रीफ खबरें

नियोजन को लेकर धरना देगा विकलांग

पुटकी। सौ प्रतिशत विकलांग सह अरलगड़िया बस्ती के विस्थापित मनोज कुमार सिंह (40) अपने पत्नी एवं भाई को इगलदीप आउटसोर्सिंग कंपनी में नियोजन की मांग को ले पीबी प्रोजेक्ट गेट के पास 11 दिसंबर से अनिश्चित कालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे. इस संबंध में सिंह ने कई दिन पूर्व इगलदीप पीबी आउटसोर्सिंग कम्पनी के जीएम समेत धनबाद सांसद,उपायुक्त व अन्य को ज्ञापन सौंपा था. पत्र में सिंह ने पत्र में लिखा है कि वे 100 प्रतिशत विकलांग हैं, उन्होंने 20 सितम्बर एवं 13 नवम्बर 2024 को इगलदीप आउटसोर्सिंग कम्पनी के जीएम को आवेदन देकर अपनी पत्नी आरती देवी एवं भाई सरोज सिंह को ईगल दीप आउटसोर्सिंग कम्पनी में नौकरी देने का आग्रह किया था, परंतु प्रबंधन की ओर से पहल नहीं की गई. जबकि हमारे गाँव अरलगड़िया के बहुत सारे व्यक्ति को नौकरी दी गई.

दो बाइक में टक्कर एक जख्मी

तेतुलमारी। पाण्डेडीह बैंक आफ इंडिया के समीप मंगलवार की शाम अपाची संख्या जेएच10बीएच - 8765 व होण्डा एसपी जेएच10सीके- 5225 के बीच टक्कर हो जाने से अपाची पर सवार तेतुलमारी शनिदेव मंदिर के समीप निवासी अजय कुमार घायल हो गए. दोनों बाइक क्षतिग्रस्त हो गई. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जख्मी को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया और दोनों बाइक को जप्त कर थाने ले गई. लोगों ने बताया कि जख्मी पाण्डेडीह से बाजार कर तेतुलमारी वापस जा रहा था. तभी विपरीत दिशा से आ रही होंडा साइन बाइक से टक्कर हो गई.

विश्व मानवाधिकार दिवस धूमधाम से संपन्न

निरसा बाजार। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संघ के निरसा कार्यालय में मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस धूमधाम के साथ बनाया गया. कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी के साथ हुई. मौके पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए. लोगों को उसके अधिकारों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई. मौके पर रवि कुमार शर्मा, अजय, राजकुमार, राहुल पांडे, लाल किशोर, उदल बत्स्य, प्रणव सेनगुप्ता, संतोष राय, सुनीता बरनवाल, मनोज, संजू भाई, विकास प्रसाद, रामसागर ठाकुर, तपेश्वर चौहान, सुजीत भादुड़ी, गीता, सरिता, रावड़ी, लाल मुनी देवी, गोपाल प्रसाद गोराई, गोविंद राय, दुलाल, अरविंद, बजरंगी समेत अनेक सदस्य उपस्थित थे.

अवैध शराब कांड के प्राथमिक अभियुक्त के घर इस्तेहार चस्पा

पुटकी। मुनीडीह ओपी अवैध शराब फैक्ट्री कांड संख्या 91/24 के प्राथमिक व फरार अभियुक्त मनोज सिंह के बरडुभी स्थित घर पर मंगलवार को मुनीडीह ओपी प्रभारी संतोष कुमार महतो के नेतृत्व में गाजे-बाजे के साथ न्यायालय से निर्गत इस्तेहार चिपकाया गया. अभियुक्त के परिजन को मनोज सिंह को जल्द से जल्द न्यायलय में आत्मसमर्पण कराने का निर्देश दिया गया. बता दें कि अवैध शराब फैक्ट्री के भंडाफोड़ के मामले में मुनीडीह पुलिस ने कांड अंकित करते हुए धारा 274/275/292/336/338 /318(4)/3(5) बीएनएस एवं 47(a) अबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था.

पशु व कोयला तस्करी को संरक्षण देने वालों को प्रशासन करे बेनकाब

भाजपा चुनाव हारी है मैदान नहीं : अपर्णा सेनगुप्ता

- अपर्णा ने अरूप पर साधा निशाना

संवाददाता। निरसा बाजार

विधानसभा चुनाव समाप्त हुए अभी कुछ ही दिन हुए हैं और निरसा के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि निरसा में भय एवं आतंक का माहौल बनाना शुरू कर चुके हैं. उनकी इस औछी मानसिकता को कभी भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

उक्त बातें पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता ने निरसा कांटा स्थित मनोज सिंह के आवासीय कार्यालय में प्रेस उन्होंने कहा कि कभी निरसा उद्योग की नगरी थी. उसे लाल झंडा वालों ने पलायन नगरी के रूप में तब्दील कर दिया. लाल झंडा वाले नए उद्योग खुलने नहीं देते और जो उद्योग खुल रहे हैं या चल रहे हैं उस पर दबाव बनाकर अपना रंगदारी सेट करने के लिए बंद करवाने पर उतारू है. इसे भाजपा बर्दाश्त नहीं करेगी तथा इसका जोरदार विरोध करेगी. इसका जीता जागता उदाहरण गोपीनाथपुर कोलफील्ड्स प्राइवेट लिमिटेड है जहां सिर्फ अपनी रंगदारी सेट करने के लिए प्रबंधन पर दबाव बनाने की राजनीति शुरू की गई है.

पशु एवं कोयला तस्करों को प्राप्त है संरक्षण

अपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि कौन लोग हैं जो नवनिर्वाचित जन प्रतिनिधि को गुलदस्ता भेंट कर रहे हैं तथा उनके दाएं बाएं खड़े होकर मंच साझा कर रहे हैं. प्रशासन इसकी जांच करें तथा पशु एवं कोयला तस्करों को संरक्षण देने वालों पर कठोर कार्रवाई करें. चुनाव के बाद में इस संबंध में एसडीपीओ से बात की थी. उसके बाद पशु तस्करी में शामिल एक कंटेनर पकड़ा गया है. परंतु सैंकडों वाहनों से प्रतिदिन पशु तस्करी एवं कोयला तस्करी हो रही है. पुलिस पशु एवं कोयला तस्करी करने वालों को संरक्षण देने वालों को बेनकाब करें. नहीं तो भाजपा वैसे सफेदपोश लोगों को बेनकाब करने का काम करेगी.

जनता ने विकास के लिए वोट दिया है, विनाश ना करें

अपर्णा सेनगुप्ता ने कहा कि जनता ने जिस भरोसा एवं विश्वास के साथ अपना जनप्रतिनिधि चुना है, वे उनके विश्वास पर खरे उतरे. विकास का काम करें ना कि विनाश का. मेरे द्वारा आंदोलन के बाद निरसा गोविंदपुर मेघा जलापूर्ति योजना का काम पुन: शुरू हुआ है. बराकर नदी पर बरबेंदिया निर्माण के लिए साथ से सदन तक लड़ी. दोनों ही कम एक से दो साल के अंदर पूरा हो जाएगा. वर्तमान विधायक मेरे द्वारा किए गए काम से आगे बढ़कर कुछ अपने से निरसा के विकास के लिए काम करके बताएं. लोगों को रोजगार नहीं दे सकते तो रोजगार छीनने का भी काम नहीं करें. जनता ने भाजपा को भी जमकर अपना आशीर्वाद दिया है. मात्र कुछ मतों से हम लोग चुनाव हारे हैं. इसकी समीक्षा हो रही है तथा उसे पर सुधार हो रहा है. भाजपा चुनाव हारी है मैदान नहीं. मर्यादित पद पर रहने वाले लोग मर्यादित भाषा का प्रयोग करें. भाजपा के कार्यकर्ताओं को यदि कोई जानबूझकर छेड़ने का काम करेगा तो हम लोग उसे छोड़ेंगे नहीं. प्रेसवार्ता में भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, जिला मंत्री आशीष मुखर्जी, संजय महतो, मुन्ना सिंह, निरसा मंडल अध्यक्ष बृहस्पति पासवान मौजूद थे.

सड़क दुर्घटना में घायल युवक ने इलाज के क्रम में तोड़ा दम

पुटकी। पुटकी-मुनीडीह सड़क पर रविवार की रात हुए सड़क हादसे में घायल युवक की मौत इलाज के क्रम में सोमवार की देर रात धनबाद के एक निजी अस्पताल में हो गई. मृत युवक का नाम विक्की बहादुर (30) है. जो पूर्व में मुनीडीह के डीएम कॉलोनी में रहता था. वर्तमान में वो सपरिवार लोयाबाद पावर हाउस इमाम बाड़ा के पास रह रहा था. घटना के दिन विक्की मुनीडीह से रात करीब दस बजे पावर हाउस लोयाबाद अपने घर स्कूटी से अकेले जा रहा था. तभी धोबनी मंगलम के पास पीछे से आ रही एक एक्सयूवी कार से चकमा खाकर सड़क किनारे मुनीडीह ओपी पुलिस के बैरियर (स्टॉप बोर्ड) से जा टकरा गया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोर्ड भी पटल कर लुढ़क गया, घटना में विक्की गम्भीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया था. स्थानीय लोगों की मदद से उसे बेहोशी की हालत में बीसीसीएल के मुनीडीह अस्पताल पहुंचाया गया. जहां प्रारंभिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने उसे धनबाद रेफर कर दिया. वहीं इलाज के क्रम में सोमवार को विक्की की मौत हो गई. विक्की के पिता दुर्गा बहादुर मुनीडीह बीसीसीएल से सेवानिवृत्त कर्मी है. विक्की कुंवारा था. उसे एक बहन है. जानकारी के अनुसार विक्की मुनीडीह में आउटसोर्सिंग कंपनी में काम करने को लेकर ट्रैनिंग (वीटीसी) कर रहा था. घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

हिलटॉप से प्रभावित ग्रामीणों ने की सांसद से न्याय दिलाने की फरियाद

मधुबन। गोबिन्दपुर क्षेत्र संख्या तीन के खरखरी कोलयरी में प्रस्तावित आउटसोर्सिंग कंपनी हिलटॉप से प्रभावित होने वाला गावों के ग्रामीणों ने मंगलवार को गिरिडीह लोकसभा के सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया. ग्रामीणों ने सांसद को अवगत करते हुए कहा कि स्थानीय ग्रामीण एवं रैयतों से बिना वार्ता किये ही बीसीसीएल प्रबंधन जबरन कंपनी का बाउंड्रीवाल कार्य करना चाहता है. जो कत्ई न्याय संगत नहीं है. प्रभावित गाँव ब्राह्मणडीहा, देवघरा, ऊपर देवघरा, सूड़िया डीह, बाबूडीह, खरखरी, माथाटांड़, तारगा इत्यादी गांवों के रैयतों द्वारा आग्रह पर सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने सभी ग्रामीणों को न्याय दिलाने को आश्वस्त किया. सांसद ने तत्काल गोविन्दपुर महाप्रबंधक से दूरभाष पर वार्ता कर रैयतों के साथ अन्याय नहीं करने की हिदायत दी. अपनी उपस्थिति में ग्रामीणों के साथ वार्ता करने की तिथि निर्धारित करने को कहा गया. इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि रामा शंकर तिवारी, मुखिया प्रतिनिधि विकास रवानी, मनीष सिंह, सुभाष सिंह, दिलीप मिश्रा, संजय महतो, कैलाश रवानी, सोनू कुमार, राकेश गयाली, राजू सिंह, उमेश रवानी, शेख अमन, शेख सद्दाम, प्रेम कुमार तिवारी इत्यादी शामिल थे.

रैयत भूमि पर सड़क निर्माण की निविदा पर आपत्ति

गोमो। ग्रामीण विकास विभाग विशेष प्रमंडल धनबाद के द्वारा तोपचांची प्रखंड के गेंदनवाडीह भाया मझली गोड़ा, टोला चीनपुर होते हुए कतरास रोड तक सड़क निर्माण कार्य को लेकर 28 नवंबर को तहत जारी किए गए विज्ञापन निविदा पर स्थानीय ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए उपायुक्त धनबाद एवं कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विभाग विशेष प्रमंडल धनबाद को आवेदन देकर न्याय की मांग की है . बताया गया है कि जिस सड़क मार्ग के लिए निविदा निकाली गई है. उस मार्ग पर स्थानीय भूमि रैयतों की खतियानी जमीन है. मौजा गेंदनावाडीह में कई प्लॉट स्थानीय भूमि रैयतों की इजमाली जमीन है. निविदा से पूर्व भूमि रैयतों से सहमति प्राप्त किए बिना ही अनुशंसा कर निविदा को जारी किया गया है. जो आपत्तिजनक है . भूमि रैयत अर्जुन महतो ने बताया है कि किसी गहरी साजिश के तहत सड़क निर्माण की अनुशंसा की गई है और निविदा निकाली गई है.

अति पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री हरीश सहानी पहुंचे तेतुलमारी

तेतुलमारी। बिहार राज्य के पिछड़ा व अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री हरीश सहानी मंगलवार को तेतुलमारी स्थित सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे. वहां महाप्रबंधक सुधाकर प्रसाद से मिलकर हाल-चाल की जानकारी लिया एवं कहा कि कार्यालय परिसर में कम से कम एक महापुरुष की तस्वीर जरूर लगानी चाहिए. प्रत्येक गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के दिन बच्चों को उक्त महापुरूष की जीवनी पर प्रकाश डालकर उनके बताये गये मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाना चाहिए. ऐसा करने से बच्चों में निखार और सुधार आएगा. देश के प्रति अच्छी भावना जगेगी. बताया कि एक शादी समारोह में रिश्तेदार के यहां आए हुए थे, इस दौरान एक परिचित से मिलने यहां आये थे. उन्होंने कहा कि सिजुआ क्षेत्र के कार्यालय व पदाधिकारी महान है. यहां के कोल कर्मी भी महान है. इन्हीं के मेहनत से पूरा देश जगमगा रहा है. मौके पर एपीएम चंदन श्रीवास्तव, कुंदन कुमार, मुकेश कुमार, लक्ष्मण पासवान, लखन यादव आदि शामिल थे.

एनएसयूआई ने कतरास कॉलेज के प्राचार्य को सौंपा 5 सूत्री मांग पत्र

संवाददाता। कतरास

एनएसयूआई कतरास इकाई ने शाहबाज खान के नेतृत्व में मंगलवार को कतरास कॉलेज के प्रचार्य से मुलाकात कर 5 सूत्री मांग का ज्ञापन सौंपा . शाहबाज खान ने छात्रों की समस्याओं से प्राचार्य को अवगत कराया. मांगों में छात्र छात्राओं के लिए बराबर कॉमन रूम उपलब्ध कराने,कॉलेज कैंपस में लाइब्रेरी को सुचारू रूप से खोलने, कॉलेज के शौचालय एवं कैंपस को साफ-सफाई करने, छात्र-छात्राओं के साथ कॉलेज के प्राचार्य, स्टाफ के द्वारा दुर्व्यवहार करना बंद करने,परीक्षा खत्म होने के पश्चात क्लास नियमित रूप सभी विषयों का चलाने की मांग शामिल हैं. वहीं एनएसयूआई के प्रदेश सचिव आकाश कुमार प्रमाणिक ने प्राचार्य को बताया कि उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं की भी आवश्यकता होती है. जिसमें कहीं ना कहीं कतरास कॉलेज चूक रही है नियमित क्लास के साथ-साथ सुविधा देने का भी कार्य किया जाना चाहिए. छात्रों के इन मांगों पर जल्द से जल्द कॉलेज प्रशासन अमल करें अन्यथा छात्राओं द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा.

मौके पर एनएसयूआई के प्रदेश सचिव आकाश प्रमाणिक,शाहबाज खान ,अमन अंसारी ,अहान खान, आशीष महतो,अनीस अंसारी ,करण पाण्डेय ,रोहित कुमार,अजय दास,अरुण महतो, अक्षय कर्मकार,सैफ अंसारी, आसिफ अंसारी मोहम्मद ,साबी इमरान खान रहे.

अबुआ आवास में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : बीडीओ

संवाददाता। टुंडी

टुंडी प्रखंड के 17 पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के अहर्ता पूरा करने वाले योग्य लोगों के नाम जोड़ने पर कोई कोताही नहीं बरतें, टीम गांव गांव टोले टोले डोर टू डोर जाकर सर्वे कर लोगों का नाम जोड़ने का काम में जुट जाएं. यह बातें टुंडी प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय ने प्रखंड सभागार में आयोजित समीक्षात्मक बैठक के दौरान मौजूद कर्मियों को निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि टुंडी जिले के जनजातीय क्षेत्र में आता है, आज भी सुदूर गांवों के ग्रामीण गरीब व आवास विहीन हैं. ऐसे लोगों को चिन्हित कर उसका नाम आवास डाटा में अंकित करें. इसमें किसी प्रकार की कोताही हरगिज बर्दाश्त नहीं की जाएगी. इसके अलावे उन्होंने वर्ष 2023तथा 2024 कुल1772 अबुआ आवास निर्माण कार्य की समीक्षा की. जिसमें सभी पंचायत सचिवों को सख्त हिदायत दी कि जिस भी लाभुकों का अबुआ आवास निर्माण कार्य प्रगति पर है व भुगतान किसी कारण वश नहीं हो पाया है उन्हें तुरंत भुगतान किया जाए. वहीं कार्य लंबित रखनेवाले को लाभुकों से मिलकर उत्साह भरते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाना है. इसके अलावे पुराने लंबित डा भीमराव अम्बेडकर आवास निर्माण तथा प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य को भी लाभुकों से मिलकर पूरा करने का सख्त हिदायत दी.

बैठक में झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मईया सम्मान योजना में जो भी पंचायत सचिव के आईडी पर लाभुकों का आवेदन लंबित है, उसे तुरंत अग्रसारित करने को कहा ताकि लाभुकों को इसका लाभ समय पर मिल सके. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस कार्य में कोई भी शिथिलता हरगिज बर्दाश्त नहीं की जायेगी. बैठक में प्रधानमंत्री आवास प्रखंड सम्नवयक गोरी शंकर चौधरी के अलावे पंचायत सचिव रामबालक राय, मानिक चंद मंडल,बबलू बनर्जी, सफीउल्लाह अंसारी, दिनेश हजाम,करमचंद तुरी शिवचरण हेम्ब्रम, श्रीपति मंराण्डी, सहित प्रखंड के सभी पंचायत के पंचायत स्वयं सेवक मौजूद थे.

बाघमारा अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार : ग्राम स्वराज का अनिश्चितकालीन धरना पुनः शुरू

बाघमारा सीओ कार्यालय में अबुआ नहीं बबुआ राज है कायम : जगत महतो

खास बातें

- सभी रैयतों ने सीओ कार्यालय में लगाया आरटीआई आवेदन
- रैयतों के साथ पत्रकार भी बैठे धरने पर

संवाददाता। बाघमारा

ग्राम स्वराज अभियान के बैनर तले अंचल कार्यालय बाघमारा में दर्जनों भू स्वामी ने अपने जमीन के म्यूटेशन, ऑनलाइन प्रविष्टि, रसीद कटवाने, जमीन विवाद की नापी कर सीमांकन आदि की मांग को लेकर मंगलवार से अनिश्चितकालीन सत्याग्रह धरना प्रदर्शन शुरू किया. सभी रैयतों ने बाघमारा सीओ को आरटीआई आवेदन देकर अपने अपने शिकायत पर हुई कार्यवाई की रिपोर्ट मांगी है. आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जोगीडीह निवासी रैयत कमल महतो ने बताया कि विगत एक दो वर्षो से अपने पुश्तैनी जमीन का ऑनलाइन प्रविष्टि करने और अद्यतन रसीद कटवाने के लिए सीओ कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं. रैयत बाणेश्वर महतो ने बताया की 29 जून 2024 से अब तक अर्थात 5 महीना से उसका म्यूटेशन का आवेदन कर्मचारी के आईडी में लंबित है. अबुआ आवास में जमीन विवाद के कारण धर्माबांध के विशाल महतो अपनी मां के साथ धरना में बैठे हैं और सीओ से जमीन नापी का फरियाद कर रहे हैं.

धरना को ग्राम स्वराज अभियान के प्रमुख जगत महतो ने संबोधित करते हुए कहा कि अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिसके कारण आम रैयत के जमीन संबंधी शिकायत का निवारण अधिकारी नहीं करते हैं. यह विडंबना है कि पत्रकार की जमीन को भी भूमाफिया अंचल के मिलीभगत से लूट रहा है और इंसाफ के लिए पत्रकार को भी धरना पर बैठना पड़ रहा है. सीओ कार्यालय में अबुआ नहीं बबुआ राज कायम है.

धरना में मुख्य रूप से विभिन्न गांव के रैयत मुसीब अख्तर खान, सुमित्रा देवी, पत्रकार अरबिन्द सिन्हा, विशाल कुमार महतो, तीता कुमारी उर्फ लक्ष्मी देवी, कैलाश रजवार, कमल महतो, दिलीप कु महतो, सलिक मिस्त्री, रूपेश रवानी, राजा राम महतो आदि अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं.

अंचल कार्यालय के उदासीनता से परेशान पत्रकार भी इंसाफ के लिए बैठे धरना पर

ग्राम स्वराज अभियान के बैनर तले पीड़ित रैयत पत्रकार अरबिन्द सिन्हा भी धरने पर बैठे हैं. पत्रकार अरबिन्द सिन्हा ने बताया कि कतरास मौजा अंतर्गत आकाश किनारी कांटा के समीप उसका पुश्तैनी जमीन है जिसका खतियान उसके दादा भोला प्रसाद लाला के नाम पर है. उक्त जमीन पर किसी अशोक नामक भूमाफिया अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य कर रहा है. सरकारी अमीन से 2 बार मापी कर सीमांकन करवाने का कोशिश किया लेकिन अशोक के द्वारा बाधा उत्पन्न किया जा रहा है. मामले की शिकायत उपायुक्त धनबाद, वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद, डीएसपी बाघमारा, अंचल अधिकारी बाघमारा, थाना प्रभारी कतरास से भी की गई है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नही की गई है. अरबिन्द सिन्हा ने आरोप लगाते हुए कहा कि अंचल कार्यालय बाघमारा के द्वारा भूमाफिया को अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किया जा रहा है तभी सरकारी अमीन अगले पक्ष का बिना कागजात देखे बिना मापी किये लौट जा रहा है. उन्होंने पूछा कि अंचल कार्यालय सीमांकन मामले में पुलिस प्रशासन का सहयोग क्यों नही ले रहा है.

छठे दिन भी जारी रहा चिरकुंडा नगर परिषद के सफाई कर्मियों का हड़ताल

विभाग ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत शुरू कराई सफाई

संवाददाता। चिरकुंडा

चिरकुंडा नगर परिषद के सफाई कर्मी मानदेय भुगतान की मांग को लेकर मंगलवार को छठे दिन भी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहे लेकिन विभाग द्वारा नागरिको को हो रही परेशानी को देखते हुए आज से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अलग से सफाई कर्मी मंगवा कर क्षेत्र में साफ सफाई व नाली की सफाई कार्य शुरू कर दिया गया है.

जानकारी हो कि क्षेत्र में 56 सफाई कर्मियों द्वारा नवम्बर माह का बकाया मानदेय भुगतान की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने के कारन 21 वार्डों सहित चिरकुंडा मुख्य सड़क जीटी रोड, नेहरू रोड व चिरकुंडा-पंचेत रोड में साफ सफाई के कार्य के अलावे नाली की भी साफ सफाई नहीं होने के कारण नागरिक परेशान थे. नागरिकों को हो रही परेशानी को देखते हुए मंगलवार से विभाग द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सफाई कर्मी मंगवा कर क्षेत्र में साफ सफाई व नाली की सफाई प्रारंभ कर दी गई है.

वहीं दूसरी तरफ सफाई कर्मियों का कहना है कि उन लोगों का नवम्बर माह का मानदेय अभी तक विभाग द्वारा नहीं दिया गया है, जिस कारण उनलोगों के समक्ष परेशानी झेलनी पड़ रही है. जबतक उनका मानदेय भुगतान नहीं किया जाएगा, तबतक वे लोग हड़ताल पर रहेंगे.

इस संबंध में विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा ने कहा कि सफाई कर्मी को जो भी परेशानी है उनसे आकर वार्ता करें. जहां तक नवंबर माह का बकाया मानदेय भुगतान देने की बात है तो वित्तिय सुधार होते ही जल्द ही सफाई कर्मियों का नवंबर माह का मानदेय भुगतान कर दिया जायेगा.

ब्रीफ खबरें

खनन विभाग ने 02 ट्रैक्टर एक हाइवा किया जब्त

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न स्थानों पर खनिज लदे वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया गया. जिसमें कई वाहनों की जांच की गई. चंद्रपुरा थाना अंतर्गत झरनाडीह के समीप अवैध रूप से बालू खनिज का परिवहन करते हुए 02 ट्रैक्टर एवं स्टेट बैंक, शांति चौक के समीप 01 हाईवा को पकड़ा गया. जिसे विधिवत जप्त कर चंद्रपुरा थाना को सुपुर्द किया गया. उक्त अभियान में खान निरीक्षक जितेंद्र कुमार एवं सीताराम टुडू, पुलिस बल आदि मौजूद थे.

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, 2 घायल

गावां (गिरिडीह)। गावां थाना क्षेत्र के पसनौर पुल के पास मंगलवार की सुबह गिट्टी लोड ट्रक ने एक बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी. घटना में फाइनेंस कंपनी के 2 कर्मी जख्मी हो गए. घटना के दौरान 50 मीटर से अधिक दूर तक ट्रक ने बाइक को घसीटते हुए ले गया, जिससे बाइक में आग लग गई और काफी हद तक जल गया. बाद में दोनों घायलों को आनन-फानन में गावां अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया. बताया जाता है कि तिसरी प्रखंड के भंडारी निवासी रंजन पंडित, पिता सुरेंद्र पंडित, (24) वर्ष, बिहार के नवादा निवासी बिपिन कुमार, पिता नरेश प्रसाद, (26) वर्ष अपनी बाइक से सतगावां के चेतना इंडिया फाइनेंस कार्यालय से पैसा कलेक्शन के लिए क्षेत्र जा रहा था. इसी दौरान पसनौर के पास विपरीत दिशा से आ रही ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. ट्रक के टक्कर से दोनों युवक दूर जा गिरा, रंजन का पैर टूट गया है, जबकि विपिन को भी गंभीर चोट लगी है. घटना के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर अग्रेतर की कार्रवाई में जुट गई है. घटना के बाद घायल युवक के पिता ने गावां थाना में आवेदन देकर वाहन चालक और मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है.

चास नगर निगम में सभी कार्य के लिए टीम गठित

बोकारो। चास नगर निगम सभागार में सहायक नगर आयुक्त जयपाल सिंह, प्रियंका कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई. मौके पर नगर प्रबंधक, सिटी मिशन मैनेजर, सहायक अभियंता एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे. इस बैठक में चास नगर निगम क्षेत्रन्तर्गत 35 वार्डो में साफ-सफाई, डोर-टू-डोर कचड़ा का उठाव से संबंधित चर्चा की गई. सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के बीच वार्डो का बंटवारा किया गया एवं सभी को निर्देश दिया गया कि प्रतिदिन कम से कम 50 घरों में डोर-टू-डोर कचड़ा का उठाव से संबंधित सर्वेक्षण/फीडबैक फार्म भरकर कार्यालय में जमा करेंगे, जिसमें शहरी सुविधाओं से लेकर सभी कर्मी के द्वारा सफाई, जलापूर्ति, अवैध निर्माण, होल्डिंग टैक्स, ट्रेड लाइसेंस, यूजर चार्ज, संपूर्ण वार्डो में साफ-सफाई की व्यवस्था की जानकारी लिखित रूप में देना है एवं प्रत्येक दिन डोर टू डोर किए गए विजिट का रिपोर्ट नगर निगम में प्रस्तुत करना हैं. सभी के द्वारा दिये गये रिपोर्ट पर अपर नगर आयुक्त प्रत्येक सप्ताह रिव्यू करेंगे, ताकि शहर में साफ सफाई की व्यवस्था सुचारू रूप से हो. साथ ही उन्होंने शहर में अवैध जलापूर्ति कनेक्शन को बंद कराने हेतु गठित धावा टीम को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

मॉडल अस्पताल के रूप में विकसित होगा गोड्डा सदर अस्पताल : डीसी

नए साल में रोगियों को मिलेगा मुफ्त डायलिसिस की सुविधा, आईसीयू में उपलब्ध होंगे 25 बेड

- उपायुक्त ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता। गोड्डा

सदर अस्पताल में रोगियों की क्षमता में बढ़ोतरी के लिए निर्माण कार्य अंतिम चरण में है. इसी वर्ष के अंत तक या नए साल की शुरुआत से सदर अस्पताल में कई तरह की सुविधाओं में बढ़ोतरी हो जाएंगी. उपायुक्त जिशान कमर ने मंगलवार को सदर अस्पताल पहुंच कर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को जाना.

उन्होंने बताया कि डीएमएफटी फंड से अस्पताल के तीसरे मंजिल पर पच्चीस बेड का आईसीयू भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है. इसी के साथ अस्सी बेड का अतिरिक्त मेल वार्ड की भी व्यवस्था की गई है. सारी तैयारी करीब-करीब पूरी हो चुकी है. सिर्फ मैन पावर को बढ़ाना है, उसके लिए भी व्यवस्था कर ली गई है.

जल्द ही गोड्डावासियों को सारी सुविधाएं सदर अस्पताल में मिलने लगेगी.

उपायुक्त ने बताया कि सदर अस्पताल को मॉडल अस्पताल के रूप में विकसित किया जा रहा है. अब रोगियों को डायलिसिस की भी सुविधा यही उपलब्ध होगी. इसके लिए नई फाइव प्लस वन मशीन पहुंच चुका है. उसके इंस्टालेशन के लिए टेक्नीशियन को बुलाया गया है.

यह सारी व्यवस्था जनवरी तक आरंभ कर दी जाएगी.

महिला चिकित्सक के सदर अस्पताल में नहीं रहने पर उन्होंने बताया कि यह सही है कि पूरे जिला का लोड गोड्डा सदर अस्पताल पर है. प्रत्येक महीने पांच सौ से अधिक महिलाओं का डिलीवरी यहां किया जाता है. ऐसे में महिला चिकित्सक का होना अत्यंत जरूरी है. इसके लिए कई बार विभाग से पत्राचार किया गया.

लोकल स्तर पर भी डीएमएफटी से बहाली के लिए प्रयास किया गया, लेकिन अफसोस कोई आवेदन ही नहीं आया. उपायुक्त ने कहा कि जल्द ही बहाली किया जाएगा. इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ अनंत कुमार झा सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित थे.

डीडीसी ने की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग अन्तर्गत कार्यो की समीक्षा

प्रस्तुत प्रतिवेदन की करेंगे जांच : उप विकास आयुक्त

संवाददाता। बोकारो

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग अन्तर्गत कार्यो की समीक्षा उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में सम्पन्न हुई.

उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद द्वारा सहकारिता विभाग की समीक्षा के दौरान डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कमेटी एवं जॉइंट वर्किंग कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें उन्होंने निदेश दिया कि कम्प्यूट्राईजेशन ऑफ पैक्स अन्तर्गत्त सभी चयनित पैक्सों में सी.एस.सी. आई.डी. प्रदान करने, सभी भवन रहित पैक्सों को नजदिकी पंचायत भवन/सामुदायिक भवन/अन्य खाली सरकारी पड़े भवन में एक कमरा आवंटित करने का प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया. साथ ही सभी पंचायतों में मत्स्यजीवी सहयोग समिति एवं दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति का निबंधन करना अनिवार्य है. उन्होंने आगे सभी अंचलाधिकारी को पैक्सों के भवन निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

वहीं कृषि विभाग की समीक्षा के क्रम में समेकित बिरसा ग्राम योजना -सह-कृषक पाठशाला योजना अन्तर्गत सूचीबद्ध एजेंसी, आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति के कार्यों एवं भुगतान की समीक्षा की गई. इस दौरान निदेश दिया कि सभी संबंधित विभाग इनके द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन की जाँच करेंगे एवं अगली बैठक में तत्संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे. साथ ही कृषक पाठशाला जरीडीह के डीपीआर का अनुमोदन संबंधित समीक्षा भी की गई, जिसमें उन्होंने निर्देश दिया कि अगली बैठक में कमिटी के माध्यम से इनका प्रतिवेदन प्राप्त करते हुए इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी.

उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद ने भूमि संरक्षण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री ट्रैक्टर योजना अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई एवं इसका अनुमोदन भी किया गया.

बैठक के दौरान जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया, जिला मत्स्य पदाधिकारी परीशेट्टी भार्गवी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी त्रिदेव, डीडीएम, नाबार्ड सहायक निबंधक, सहयोग समितियां, बेरमो अंचल, तेनुघाट एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. साथ ही कृषक पाठशाला एवं आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे.

जयराम महतो करेंगे क्षेत्र की समस्याओं का निदान : शिवेश भगत

डुमरी (गिरिडीह)। डुमरी विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक जयराम महतो से जनता को बहुत उम्मीदें हैं. वे डुमरी अनुमंडल को उसके प्रशासनिक महत्ता के आधार पर सजाने-संवारने का काम करेंगे, ऐसी आशा है. क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने के लिए जयराम महतो की सक्रिय भूमिका की उम्मीद है. उन्हें डुमरी की जनता, समाजसेवी, प्रबुद्धजन और शिक्षाविद अपनी आशाओं का केंद्र मान रहे हैं.डुमरी अनुमंडल क्षेत्र की समस्याओं में इसरी बाजार और डुमरी की गंदगी की समस्या, इसरी की ट्रैफिक समस्या, भगवान पार्श्वनाथ की नगरी इसरी के स्टेशन रोड की जर्जर अवस्था, बंद पड़ी पेयजल व्यवस्था और उपनगरी की सौंदर्यीकरण का प्रयास शामिल हैं. इसके अलावा, डुमरी की जनता की मांग में इसरी डुमरी में एक पुस्तकालय, एक सार्वजनिक खेल का मैदान, डुमरी एवं चिरैया मोड़ में एक शौचालय का निर्माण, एक स्थायी ऑटो स्टैंड, इसरी बाजार के समीप एनएच-19 पर बस ठहराव एवं यात्री शेड का निर्माण और विरान हो चुके बस स्टैंड में यात्री वाहनों का ठहराव जैसी छोटी-छोटी चीजें शामिल हैं.

कुत्ते काटने की दवा सदर अस्पताल में उपलब्ध नहीं

मरीज को बाहर से दवा खरीद कर कराना पड़ रहा इलाज

संवाददाता। तलगडिया

चास प्रखण्ड के पंचायत बाधाडीह के बाधाडीह गांव के लालचंद महतो के 5 वर्षीय पुत्र क्रिस कुमार को मंगलवार सुबह को पागल कुत्ता ने पैर, हाथ, माथे में काट कर गम्भीर रूप से जख्मी कर दिया. जख्मी हालत में परिजन ने क्रीस कुमार को बोकारो सदर अस्पताल ईलाज के लिए ले गये. जहां पर कुत्ते काटने का दवा उपलब्ध नहीं रहने के कारण परिजन बाहर से दवा खरीद कर बच्चे का ईलाज कराया. रैबिशिल्ड 100 इंजेक्शन का मूल्य दो हजार तिरासी रुपए जैसे महंगी दवाई सदर अस्पताल में भी उपलब्ध नहीं होने से लाचार विवश लोग बाहर के दवाई दुकान से खरीदने के लिए मजबूर हो रहे हैं. लालचंद महतो दैनिक मजदूर कर जीवन यापन करते हैं. लालचंद महतो व चंदनकियारी विधानसभा पूर्व प्रत्याशी, समाज सेवी जगन्नाथ राजवार ने कहा कि बोकारो सदर अस्पताल में यदि दवा उपलब्ध नहीं रहेगा तो गरीबों का हालत क्या होगी. लालचंद महतो ने कर्ज करके बाहर से जगन्नाथ राजवार, गोतम राजवार, आनन्द गोराई, रामु महतो, सत्येंद्र महतो के सहयोग से 2083 रुपये का दवा खरीद दिया. तब बच्चे का इलाज किया गया. पूर्व प्रत्याशी जगन्नाथ रजवार ने सरकार से कुता काटने वाला इंजेक्शन दवा अस्पताल में उपलब्ध रखने की मांग की है, ताकि गरीब मजदूरों को समस्या से निजात मिले.

संविदा के आधार पर चयनित पांच अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

संवाददाता। बोकारो

उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग अंतर्गत बाल संरक्षण इकाई में संविदा के आधार पर चयनित आंकड़ा विश्लेषक, सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर (डीसीपीयू), सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर (जेजेबी), आउटरेज वर्कर (डीसीपीयू) आदि पद पर 05 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देते हुए उनके बेहतर काम की अपील की ताकि बोकारो जिला अग्रणी जिलों में समकक्ष पहुंच सके. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद ने सभी युवक एवं युवतियां को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. इस दौरान जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, बाल संरक्षण पदाधिकारी अनीता झा सहित अन्य उपस्थित थे.

इनलोगों को मिला नियुक्ति पत्र

आंकड़ा विश्लेषक के पदनाम पर सेक्टर 8 बोकारो स्टील सिटी निवासी वरुण कुमार, सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर सेक्टर 9 डी, बोकारो स्टील सिटी निवासी अनिल रवानी, सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर स्वांग, गोमिया के निवासी बेला कुमारी, आउटरीच वर्कर के पद पर चंदनक्यारी निवासी कालीचरण महतो व आउट रिच वर्कर के पद पर चास, बोकारो निवासी चंदन कुमार दास शामिल हैं.

बहादुरपुर कार्यालय में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में बढ़ती महिला हिंसा पर कार्यशाला

जन जागरुकता से ही रूक सकती है महिलाओं पर हिंसा : मुखिया

संवाददाता। बोकारो

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में बढ़ते महिला हिंसा पर आज सहयोगिनी संस्था द्वारा बहादुरपुर कार्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला का उद्घाटन बाराडीह की मुखिया पुष्पा देवी , बाल कल्याण समिति सदस्य वरीय अधिवक्ता प्रीति प्रसाद, सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर में संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुखिया पुष्पा देवी ने कहा कि तकनीक का दुरुपयोग कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में महिलाओं पर हिंसा की संख्या बढ़ते जा रही है. जिसे जन जागरुकता के माध्यम से रोका जा सकता है. उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफार्म में महिलाओं पर ज्यादा प्रहार हो रहा है. साइबर अपराधी महिला को टारगेट कर परेशान कर रहे हैं. जिस पर अंकुश लगाना जरूरी है.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडब्लूसी सदस्य सह अधिवक्ता प्रीति प्रसाद ने कहा कि मानव तस्करी, फेक विवाह, जालसाजी के माध्यम से महिला हिंसा बढ़ गया है. उन्होंने कहा कि साइबर हिंसा, महिलाओं के ख़िलाफ़ होने वाला एक गंभीर अपराध है. यह कई रूपों में होती है, जैसे कि साइबर उत्पीड़न, बदला लेने वाला पोर्न, बलात्कार की धमकियां, यौन उत्पीड़न, हत्या, साइबर बुलीइंग, साइबर स्टॉकिंग प्रमुख है.

सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि साइबर हिंसा से महिलाओं को मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचता है और उन्हें राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में डिजिटल भागीदारी से रोका जाता है. साइबर हिंसा में अपराधी साथी या पूर्व साथी, सहकर्मी, सहपाठी या अज्ञात व्यक्ति हो सकता है, जिससे हमें सावधान रहना है.

साइबर हिंसा से निपटने के लिए, भारतीय दंड संहिता, 2000 का आईटी क़ानून और 2021 के आईटी रूल्स जैसे कानून हैं.

साइबर क्राइम की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 पर कॉल किया जा सकता है.

कुमारी किरण ने कहा कि जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ महिलाओं को जागरूक होने की जरूरत है. साथ ही महिलाओं के खिलाफ साइबर हिंसा का मुख्य कारण लैंगिक असमानता है. जिन महिलाओं में एक से ज्यादा सामान्य रूप से लक्षित विशेषताएं होती हैं, उन पर ज्यादा हमला किया जा सकता है.

कार्यक्रम को सहयोगिनी के गौतम सागर, अनिल कुमार हेंब्रम, मंजू देवी, सनी कुमार, रवि राय, प्रतिमा सिंह, विनीता देवी, सूरजमानी देवी, अमित कुमार सोरेन, नीतू कुमारी, निक्की कुमारी, संगीता देवी ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम का संचालन विकास कुमार ने किया.

तेनुघाट महाविद्यालय में जिला स्तरीय कार्यशाला

बोकारो। तेनुघाट महाविद्यालय के सभागार में क्रिया एवं डब्लूजीजी के सहयोग से रूपायनी संस्था द्वारा जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसमें विश्व मानव अधिकार दिवस के अवसर पर मानव अधिकारों की आवश्यकता एवं उनका महत्त्व के बारे चर्चा की गयी. इतना ही नहीं मानव अधिकार सबके लिए एक सामान हैं, इस पर जोर देते हुए विकलांग एवं लबटीका समुदाय के व्यक्तियों के भी मानव अधिकार का सम्मान हो इसकी पैरोकारी की गयी. कार्यक्रम में उपस्थित जिला मानव अधिकार कार्यकर्त्ता एवं वरिष्ट अधिवक्ता पुष्पा हंस ने जेंडर आधारित हिंसा किस प्रकार से महिलाओं, किशोरियों एवं विकलांग व्यक्तियों के मानव अधिकारों का हनन करती है पर चर्चा की और हम कैसे जाने अनजाने इसे बढ़ावा देते हैं. कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० सुदामा तिवारी, प्रो० रावण मुर्मू, प्रो० के सी महतो, सहायक प्रो० संजीव कुमार महाराज, प्रो० धनन्जय रविदास, रूपायनी संस्था के सचिव सी ए कुमार एवं किशोरी समूह की किशोरियां काजल, अदिति मेघा केशवी आदि उपस्थित थे.

पाकुड़ के शिव-शीतला मंदिर से आभूषणों की चोरी

पाकुड़। जिला मुख्यालय के प्रसिद्ध और ऐतिहासिक शिव-शीतला मंदिर में बदमाशों ने मां शाकम्बरी की मूर्ति पर चढ़ाए गए लाखों रुपये के आभूषणों पर हाथ साफ किया है. श्रद्धालु आज सुबह जब पूजा करने पहुंचे तो मंदिर में चोरी की जानकारी हुई. मंदिर के द्वार का ताला टूटा हुआ था और मूर्ति पर चढ़ाए गए चांदी के मुकुट, त्रिशूल सहित अन्य आभूषण गायब थे. इसके बाद मामले की सूचना श्रद्धालुओं ने नगर थाना पुलिस ने दी. पुरोहित वृजभूषण मिश्रा ने कहा कि चोरी किए गए सामानों में सोने का टीका, नथिया, चांदी का प्लेट, चरण पादुका, आसन, मोर सहित अन्य आभूषण शामिल हैं. उन्होंने कहा कि मंदिर में फिलहाल पुलिस ने प्रवेश पर रोक लगा दी है और एफएसएल टीम की जांच के बाद ही श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी. नगर थाना प्रभारी हरिदेव प्रसाद ने पुष्टि की है कि कुछ आभूषण चोरी हुए हैं. हालांकि, अधिकतर जेवर कमेटी के पास सुरक्षित हैं. पुलिस ने एफएसएल टीम को सूचित कर दिया है और मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है.

मृत शिक्षक के परिजनों को दी 53 हजार की आर्थिक मदद

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के मधुकरपुर स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, बाजारटांड़ के सहायक शिक्षक सुधीर महतो के निधन पर उनकी बारहवीं श्राद्धकर्म पर कसमार प्रखंड के सरकारी शिक्षकों एवं सहायक शिक्षकों ने उनके घर जाकर परिजनों को 53 हजार रुपये की आर्थिक सहयोग राशि दी. इससे पूर्व भी तीन दिनों पूर्व सहायक शिक्षकों ने मृत शिक्षक के परिजनों को 31 हजार रुपये की आर्थिक सहयोग दी थी. मौके पर शिक्षक समाज के प्रखंड अध्यक्ष प्रहलादचंद महतो, प्रखंड कोषाध्यक्ष गोपी करमाली, सचिव विमल कुमार राय, मनीष जयसवाल, सहायक अध्यापक गणेश महतो, अर्जुन महतो, टेबुल राम महतो, काफिल अहमद, रविशंकर महतो, लक्ष्मण महतो, बलराम महतो, दिनेश महतो, दिलीप महतो, रथू राम महतो समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे. मालूम हो कि कसमार प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, बाजारटांड़ (मधुकरपुर) के सहायक शिक्षक सुधीर कुमार महतो उर्फ सुधीर मास्टर का निधन रांची के एक निजी अस्पताल में हो गया था. उन्हें सीने में दर्द की शिकायत थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए रांची ले जाया गया था, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हुआ था. बताया गया कि 2007 में बतौर पारा शिक्षक योगदान दिया था. वह सामाजिक कार्यों में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे एवं काफी व्यवहार कुशल थे. वे अपने पीछे पत्नी व तीन संतान छोड़ गये हैं.

अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर को पुलिस ने किया जब्त

गोड्डा। अवैध रूप से बालू की चोरी कर भाग रहे दो ट्रैक्टर को मुफ्फसिल पुलिस ने पकड़ कर थाना में जब्त कर लिया. बीते रात्रि मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सौर पचीसा के पास की गई कार्रवाई में यह खुलासा हुआ है. बालू के अवैध खनन काफी दिनों से जारी है. चुनाव के दौरान कुछ कमी आई थी लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद फिर इसमें तेजी पकड़ लिया. अवैध खनन पर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में अवैध बालू से लदा दोनों ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया. जबकि ड्राइवर मौके से गाड़ी छोड़कर भागने में सफल रहा. इस क्षेत्र में व्यापक पैमाने से बालू का अवैध खनन और परिवहन हो रहा था. इससे सटे पथरगामा के सनातन में भी बालू का अवैध खनन और परिवहन व्यापक पैमाने पर हो रहा है. यह इलाका सीमावर्ती बिहार से सटे होने के कारण झारखंड के नदी से बालू उठाकर पड़ोसी राज्य बिहार पहुंचा दिया जाता है. बिहार पहुंच कर यह बालू ऊंची कीमत में बिक जाता है. झारखंड में अवैध खनन का कारोबार काफी दिनों से फलफूल रहा है. सरकार की ओर से कड़ाई नहीं करने से कारोबारियों का मनोबल भी ऊंचा रहता है. कभी कभार स्थानीय थाना से कुछ आपसी सेटिंग नहीं हो पाने के बाद धर पकड़ की कार्रवाई की जाती है.

मृत शिक्षक के श्राद्ध कर्म में शामिल हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के मधुकरपुर निवासी नव प्राथमिक विद्यालय के सहायक शिक्षक स्वर्गीय सुधीर महतो के श्राद्धकर्म बारहवीं में मंगलवार को सूबे के मद्ध निषेध व पेयजल, स्वच्छता मंत्री योगेन्द्र प्रसाद शामिल हुए. उन्होंने मृत शिक्षक सुधीर महतो की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए कामना की, साथ ही शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में ढाढस बंधाते हुए संवेदना व्यक्त की. इस दौरान मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि स्वर्गीय सुधीर मास्टर व्यवहार कुशल व अनुभवी व्यक्ति थे. उनके निधन से गांव ने एक अनुभवी, कुशल और योग्य व्यक्ति व शिक्षक को खो दिया है. वह विद्यालय के अलावे बचे हुए समय में समाज में भी अपना दायित्व बखूबी निभाया करते थे. इस दौरान प्रखंड प्रमुख नियोति दे, झामुमो नेता सिकंदर कपरदार, सुभाष चन्द्र ठाकुर व अन्य लोग मौजूद थे.

अपर समाहर्ता ने सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड में चल रहे पल्स पोलियो अभियान के अंतिम दिन मंगलवार को बोकारो के अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी एवं अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार ने कसमार समेत आसपास के कई बूथों में पल्स पोलियो अभियान कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया. इस दौरान अपर समाहर्ता मो मुमताज ने कई बच्चों को पोलियोरोधी खुराक भी पिलाई. इसके बाद अपर समाहर्ता ने कसमार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण भी किया. जिसमें उन्होंने अस्पताल के लेबर रूम, स्टॉक रूम, फ्रीजर रूम का भी निरीक्षण करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ प्रफुल्ल महतो समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. मौके पर बंकिम चन्द्र महतो समेत अन्य कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे.

गोविंदपुर में आज चलेगा बुलडोजर, हटेगा अतिक्रमण

संवाददाता। गोविंदपुर

एनएचएआई के अधिकारियों ने मंगलवार को अमीन लेकर गोविंदपुर में जीटी रोड के दोनों ओर अपनी जमीन की मापी की और चिन्हित किया. अधिकारियों ने कहा कि बाजार क्षेत्र में डिमार्केशन का काम पूरा कर लिया गया है. अब बुधवार को अंचल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे जेसीबी के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू करेंगे . ऐसे प्रशासन की चेतावनी के बाद 75% अतिक्रमण हटा लिया गया है . शेष अतिक्रमण अंचल अधिकारी की देखरेख में हटाया जाएगा . अंचल अधिकारी ने कहा कि छोटे-मोटे दुकानदारों को माडा मैदान में प्रवेश कर दिया जाएगा . माडा मैदान के बाहर कोई भी दुकान नहीं लगेगी. माडा मैदान की साफ-सफाई भी करा दी जाएगी और सभी को पांच-पांच फीट की दुकान माडा ग्राउंड में दी जाएगी. उन्होंने कहा कि निरसा की ओर जाने वाली टेंपो और गाड़ियों का स्टैंड गोविंदपुर थाना के अपोजिट सर्विस लेन के बाद जीटी रोड की खाली जमीन पर लगेगा. इसी तरह धनबाद की ओर जाने वाली टेंपो का स्टैंड ठाकुरबाड़ी के पास सर्विस लेन से हटकर जीटी रोड की जमीन पर लगेगा . इसी तरह की व्यवस्था गोविंदपुर ऊपर बाजार में भी की जाएगी. अंचल अधिकारी ने भी जीटी रोड में अतिक्रमण का जायजा लिया और चेतावनी दी की जो भी अतिक्रमण रह गया है उसे बुधवार सुबह तक हर हाल में हटा ले अन्य था बुधवार 11:00 बजे से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया जाएगा और जेसीबी से सारा अतिक्रमण ध्वस्त कर दिया जाएगा.

गोविंदपुर में फिर लगा जाम

ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही से मंगलवार को गोविंदपुर जीटी रोड पर दिल्ली लेन में सड़क जाम लगा. बाद में ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह पहुंचे और उन्होंने खुद मोर्चा संभाला तथा जीटी रोड को जाम से मुक्त किया. सुरक्षा के लिए एनएचएआई ने फकीरी साहिबगंज चौक के दोनों रंबल स्ट्रिप लगा दिया है ताकि वाहनों की गति कम हो सके हैवी इंजीनियर एलजी सिंह ने बताया कि सुरक्षा के और उपाय किए जाएंगे इधर जीटी रोड सुभाष चौक के पास ट्रैफिक पुलिस ने 100 से अधिक वाहनों का चालान काटा नागरिकों ने इसकी शिकायत अंचलाधिकारी से की है अंचलाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि वह इस मामले में ट्रैफिक डीएसपी से बात करेंगे अंचलाधिकारी को नागरिकों ने बताया कि गोविंदपुर में अभी सर्विस लेन का काम हो रहा है और सारे क्रॉसिंग बंद कर दिए गए हैं इस स्थिति में लोग रॉन्ग साइड चलेंगे और कुछ दूरी पर ही रॉन्ग साइड चलने से चालान काटना अनुचित है नागरिकों ने शिकायत की है कि दो पहिया वालों को 8000 तक का चालान काट दिया गया है जो गलत है उन्होंने कहा कि इसका विरोध किया जाएगा उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस वाहन नियंत्रण की बजाय चालान काटने में व्यस्त रहती है इस स्थिति में ट्रैफिक पर कंट्रोल कैसे होगा यही कारण है कि बार-बार सड़क जाम लग जा रहा है अपर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था पीयूष कुमार सिन्हा के नेतृत्व में जिला स्तरीय टीम ने मंगलवार शाम को भी गोविंदपुर बाजार क्षेत्र में जीटी रोड का निरीक्षण किया तथा कार्य प्रगति की समीक्षा की. सिन्हा ने अंचल अधिकारी एवं एनएचएआई के अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए उन्होंने गोविंदपुर थाना के आगे वर्षों से खड़ी शेष गाड़ियों को भी बुधवार तक हटा लेने का निर्देश दिया तथा एनएचएआई से बाजार क्षेत्र में काम यथाशीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया. उन्होंने 20 दिसंबर तक गोविंदपुर के दोनों सर्विस लेन का काम हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया और इस कार्य में गोविंदपुर वासियों से सहयोग की अपील की.

जेंडर आधारित भेदभाव हिंसा के खिलाफ जुटान

संवाददाता। महुदा

विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं क्रिया द्वारा आयोजित जेंडर आधारित भेदभाव एवं हिंसा के खिलाफ 16 दिवसीय अभियान का समापन मंगलवार को ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय कंचनपुर में जिला स्तरीय सेमिनार में किया गया. सेमिनार का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, बाल कल्याण समिति धनबाद के अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी, प्रो. शंकर रवानी,जिप सदस्य आशा देवी, ट्रस्ट के अध्यक्ष पूनम वर्मा ने संयुक्त रूप से किया. धन्यवाद ज्ञापन ट्रस्ट की सचिव हलिमा एजाज ने किया. सेमिनार में दिव्यांग, एकल महिला, महिला मण्डल, किशोरी मण्डल के करीब 151 प्रतिनिधियों ने भाग लिया. सेमिनार में सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत संगीत प्रस्तुत कर सेमिनार को खुशनुमा बनाया गया. सेमिनार को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि आज के आधुनिक युग में भी लिंग आधारित भेद भाव किया जा रहा जो सभ्य समाज के शुभ संकेत नहीं है. आज लड़कों की तुलना में लड़कियां सभी क्षेत्रों में परचम लहरा रही है, झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कार्यक्रमों का परिणाम है कि आज धनबाद में बाल विवाह, बल यौन शोषण के मामले में काफी कमी आई है. अतिथि बाल कल्याण समिति धनबाद के अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने कहा कि ट्रस्ट का कार्य सराहनीय रहा है. हम सभी को मिलकर धनबाद जिला को बाल विवाह मुक्त जिला एवं राज्य का निर्माण करना है. वहीं ट्रस्ट की सचिव हलिमा एजाज ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश दुनिया में ऑनलाइन स्पेस में दृश्य -अदृश्य हिंसा में बढ़ोतरी हुई है. सोशल मीडिया नेटवर्क का उपयोग सावधानी पूर्वक करना है. ऑनलाइन स्पेस में सजग और सचेत रहकर ही बचा जा सकता है. ऑनलाइन हिंसा की शिकार ज्यादातर युवा महिलाएं एवं किशोरियां हो रही है. ऐसी स्थिति में अपने अपने अभिभावक, मुद्दे पर कार्य कर रहे स्वतंत्र संस्थाओं एवं स्थानीय थाना में सूचना देकर ऑनलाइन स्पेस में बढ़ती हिंसाओं पर अंकुश लगा सकते हैं. सेमिनार के अंत में संस्था 24 वर्ष पूरे होने की केक काटकर खुशी मनाई गई. सेमिनार में निबंध लेखन,चित्रांकन, एवं नृत्य प्रतियोगिता में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्रस्ट की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. सेमिनार को सफल बनाने में प्रो.शंकर रवानी, अध्यक्ष पूनम वर्मा, स कोषाध्यक्ष विनोद महतो, उमेश इस ऊषा, ममता रवानी नईमुद्दीन अंसारी,सीता कुमारी, नितेश कुमार वर्मा, रेखा महतो, मुमताज अंसारी, तिलकधारी रवानी, उमेश ऋषि, ममता रवानी, दीपा कुमारी,पुजा कुमारी, माला देवी, गुलनाज बानो, चंदा कुमारी, बेला कुमारी,बेबी प्रियंका, राधा कुमारी, योगेश्वर रवानी, कामेश्वर प्रसाद महतो,उषा देवी, उर्मिला देवी के साथ साथ दर्जनों किशोरियों एवं महिलाओं का सराहनीय योगदान रहा.

ब्रीफ खबरें

नेताजी समिति श्यामनगर ने गठन की कार्यकारिणी समिति

धनबाद। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस समिति भूली श्याम नगर जो कि रक्तदान शिविर लगाने के साथ साथ हर महीने के प्रत्येक रविवार को जरूरतमंदों के लिए भोजन बाटने का काम करते आ रही है. संस्था के श्री राकेश कांति विस्वास का कहना है की संस्था बीते पाँच सालों से सामाजिक कार्य करते आ रही है. अब इस समिति को एक प्रारूप तैयार करके सामाजिक सुरक्षा के साथ कार्य करने की तैयारी में जुटी हुई है संस्था प्रत्येक वर्ष 02 बार रक्तदान शिविर एवं पूरे साल हर जरूरतमंदों की सहायता के लिए हर पल तत्पर रहती है. समिति के गठन होने से संस्था को एक नई ऊर्जा के साथ साथ बल प्राप्त होगी जिससे संस्था किसी भी सामाजिक कार्य मे बढ़ चढ़कर हिस्सा ले सकेगी. नई समिति में श्री राजेन्द्र प्रसाद साव एवं गुरुदेव सिंह जी को संयोजक,राकेश कांति बिस्वास को अध्यक्ष, रमेश यादव एवं मिंटू साव को कार्यकारी अध्यक्ष,रिंकू साव एवं गणेश रवानी को उपाध्यक्ष, दिलबाग सिंह को सचिव, सहायक सचिव में शोमेश साव,दीपक रवानी,सूरज प्रसाद,गोपाल डें, संदीप साव को संयुक्त सचिव, गोपाल बैनर्जी को कोषाध्यक्ष, एवं मुन्ना साव को सहायक कोषाध्यक्ष चुना गया और साथ ही विश्वजीत मुखर्जी, सुजल साव, शुभम साव , रिंकल सिंह, प्रदीप बाउरी, सोनू कुमार एवं शिवा कुमार को संस्था के सक्रिय सदस्य मनोनीत किए गए.

पांच खस्सी की चोरी

महुदा। तेलमोचो मोड़ स्थित पानी टंकी के पास जवाईं कालोनी में सोमवार की देर रात अपरधियों ने सुरज कुमार मोदक के घर का एस्बेस्टस तोड़कर 5 खस्सी की चोरी कर ली. सुबह जब सुरज कुमार मोदक को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने स्थानिय मुखिया प्रतिनिधी शिबु महतो एवं महुदा थाना प्रभारी को जानकारी दी.सूचना पाकर महुदा थाना प्रभारी एवं मुखिया प्रतिनिधि शिबु महतो उक्त स्थल पर पहुंचे एवं सुरज कुमार से घटना की जानकारी ली. सुरज कुमार ने बताया कि संध्या 7 बजे अपना मीठ दुकान बंद कर पीछे अपने आवास में चले गये तथा 5 खस्सी बगल के कमरे में रखे थे. सुबह जब अपना दरवाजा खोलना चाहा तो बाहर से रस्सी से बंद कर दिया गया था.

पिंटू ने इम्तियाज पर कार्रवाई को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। धनबाद

धनबाद में विधानसभा चुनाव हार की समीक्षा बैठक के दौरान हुई कांग्रेसियों के बीच मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है. झरिया प्रखंड कांग्रेस के अध्यक्ष इम्तियाज और कांग्रेस एससी सेल के प्रदेश संयोजक पिंटू तूरी के बीच विवाद बढ़ गया है. मंगलवार को एससी समाज के लोगों के साथ पिंटू तूरी ने धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह को ज्ञापन सौपा और तत्काल झरिया प्रखंड अध्यक्ष इम्तियाज अली को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित करने की मांग की. पिंटू तुरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गांधीवादी पार्टी है. अपनी बात विरोध के रूप में रख सकते हैं पर हाथापाई करना कांग्रेस के कार्यकर्ता का काम नहीं है. अगर पार्टी इम्तियाज पर कोई एक्शन नहीं लेती है तो इसकी शिकायत राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से भी करेंगे. इधर संतोष सिंह ने कहा कि ज्ञापन को प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचाने का काम करेंगे और किसी भी हाल में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेंगे.

छात्राओं ने डीडीसी से की स्कूल से निकाल देने की शिकायत

■ जमुआटांड विद्यालय का मामला

संवाददाता। धनबाद

उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की शिकायतों को सुना. उदलबनी कांकोमठ से आई छात्राओं ने उप विकास आयुक्त को बताया कि वे बाघमारा प्रखंड के कतरास अंचल स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, जमुआटांड में पढ़ाई करती है. 2 दिसंबर को वहां के प्रभारी प्रधानाध्यापक और सहायक शिक्षक ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए स्कूल से निकाल दिया. इसके बाद दोनों ने छात्राओं का स्कूल आना भी बंद कर दिया. इस कारण उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है. जबकि परीक्षाएं भी नजदीक है. छात्राओं की शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उप विकास आयुक्त ने तत्काल जिला शिक्षा पदाधिकारी को फोन कर मामले की जांच करने का निर्देश दिया. इसके अलावा जनता दरबार में अवैध निर्माण कार्य रुकवाने, न्यायालय में मुकदमा लंबित होने के बावजूद जमीन पर जबरन जेसीबी चलाकर उसका नेचर बदलने, गुरुजी क्रेडिट कार्ड निर्गत कराने, जबरन चाहर दिवारी तोड़कर जमीन पर अवैध कब्जा करने, बीसीसीएल के सिजुआ क्षेत्र संख्या 5 अंतर्गत सेन्द्रा बांसजोड़ा साइडिंग में नियोजक द्वारा हाई पावर कमेटी के अनुसार वेतन का भुगतान नहीं करने सहित अन्य शिकायत प्राप्त हुई. उप विकास आयुक्त ने सभी शिकायतों का निवारण करने के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया.

बारिश से गिरा तापमान छाया घना कोहरा

धनबाद। जिले में मौसम ने फिर करवट बदली है. सोमवार को सुबह से ही बादल छाये रहे. सुबह सात बजे से बूंदाबांदी शुरू हो गयी फिर झमाझम बारिश होने लगी. ऐसे में जरूरी कार्य व ऑफिस जाने के लिए बिना तैयारी के घर से निकले लोग जगह-जगह पर रूक कर बारिश थमने का इंतजार करते दिखे. बारिश के दौरान चल रही हवा लोगों को ठिठुरन भरी ठंड का अहसास कराती रही है. अपराह्न दो बजे तक बारिश हुई है. फिर हल्की धूप भी खिली, लेकिन ठंड से लोगों को राहत नहीं मिली. मौसम विभाग की मानें तो सोमवार को अधिकतम तापमान में 7.7 डिग्री की गिरावट दर्ज की गयी है. रविवार को जहां अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री व न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री के करीब था. वहीं सोमवार को अधिकतम तापमान 15.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री के करीब रहा.

BEFORE : THE EXECUTIVE MAGISTRATE, BOKARO

AFFIDAVIT

I **Pintu kumar chaursiya** son of Suren chaursiya, resident of at H.NO.104, bhendra, Nawadih, Bokaro, Bhendra, Bokaro, jharkhand, do hereby solemnly affirm and declare on oath as under-

1. that my actual and correct name as per my Adhar card as Pintu kumar chaursiya son of Suren chaursiya, bearing adhar card no.7080 3781 3125, but my name has been mentioned in my Bank account as Pintu kr. chourasiya son of Suren prasad chourasiya, bearing account no.488510110001535 Bank of India Bhendra Branch.
2. that I want to mentioned my name Pintu kumar chaursiya son of suren chaursiya in place of Pintu kr. chourasiya son of Suren prasad chourasiya in my Bank account.
3. that I am swearing this affidavit to submit it before the competent authority for needful.

Affidavit No. 7320 Dt. 09.12.2024

आसनसोल

सड़क दुर्घटना में 3 की मौत

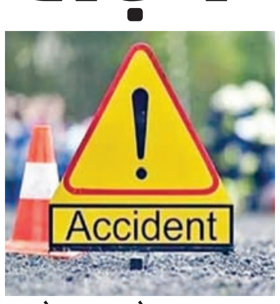

■ कोलकाता से कृष्णानगर जा रही लॉरी के पीछे पिकअप वैन ने मारी टक्कर

■ स्थानीय निवासियों का अनुमान है कि घने कोहरे के कारण हुआ हादसा

■ पुलिस ने दोनों वाहनों को किया जब्त, आगे की कार्रवाई में जुटी

संवाददाता। नदिया

नदिया जिले के शांतिपुर में मंगलवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 पर कोलकाता से कृष्णानगर जा रही लॉरी के पीछे एक पिकअप वैन ने टक्कर मार दी. पिकअप वैन में सवार तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई. शांतिपुर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को अपने कब्जे में ले लिया और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. स्थानीय निवासियों का अनुमान है कि हादसा घने कोहरे के कारण हुआ है. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब पांच बजे शांतिपुर बाबला बाइपास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 पर कोलकाता से कृष्णानगर जा रही एक लॉरी को एक छोटी चार पहिया पिकअप वैन ने पीछे से टक्कर मार दी. पिकअप वैन में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. दोनों गाड़ियां कोलकाता से कृष्णानगर जा रही थीं. पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है.

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

नदिया। रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई. घटना मंगलवार सुबह नदिया जिला अंतर्गत गोबिंदपुर कालीबाड़ी इलाके की है. मृतक का नाम शंकर रॉय (45) है. वे गोबिंदपुर विवेकानंद नगर के निवासी थे. रेलवे पुलिस और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, रोज की तरह मंगलवार सुबह करीब आठ बजे अप कृष्णानगर लोकल शांतिपुर स्टेशन से रवाना हुई. गोविंदपुर कालीबाड़ी से सटे रेलवे फाटक से शंकर राय बाइक से पार कर रहे थे. उसी समय ट्रेन आ गयी, जिसका उन्हें अंदाज़ा नहीं हुआ और बाइक ट्रेन के नीचे फंस गई. ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई. इस घटना से रेल यात्री और आम लोगों में दहशत का माहौल बन गया. घटना के बाद से कुछ देर के लिए ट्रेन रुक गई. सूचना पाकर शांतिपुर पुलिस एवं रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद कर लिया. ट्रेन के नीचे से बाइक भी निकाल लिया गया. स्थानीय लोगों का दावा है कि पूरे गोबिंदपुर में रेलवे लाइन पर कोई गार्डवॉल नहीं है. पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं. स्थानीय लोगों ने रेलवे अधिकारियों से जल्द से जल्द उन जगहों को गार्डवॉल से घेरने की मांग की है. वहीं, इस घटना के बाद से इलाके एवं मृतक के परिवार में शोक का माहौल है.

चोरी की 8 साइकिल के साथ चोर गिरफ्तार

सिलीगुड़ी। प्रधान नगर थाने की पुलिस ने आठ साइकिल के साथ एक चोर को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपित का नाम शिबू पाल है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, शहर में लगातार साइकिल चोरी की घटना की शिकायत मिल रही थी. इसी शिकायत के आधार पर साइकिल चोर की तलाश पुलिस कर रही थी. सोमवार रात गुप्त सूचना पर एक नंबर वार्ड के गेट बाजार इलाके में अभियान चलाकर आरोपित शिबू पाल को गिरफ्तार किया. आरोपित से पूछताछ के बाद पुलिस ने बीआरआई कॉलोनी स्थित जंगल से आठ साइकिल बरामद कर ली. पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपित शिबू पाल साइकिल चोरी कर जंगल में छुपा कर रखा था. ताकि समय होने पर उसे पार लगा सके. प्रधान नगर थाने की पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

कुष्ठ पल्ली के 60 परिवारों ने सीएम से लगाई मदद की गुहार

संवाददाता। बराकर

बराकर के वार्ड 68 रेल पार स्थित मद्रासी पाड़ा कुष्ठ पल्ली के 60 परिवार ने राज्य की मुख्य मंत्री को चिट्ठी देकर कुल्टी क्षेत्र में सरकारी जमीन मुहैया कराने की लगाई गुहार. मालूम हो कि विगत 50 वर्षों से बराकर रेल पार स्थित मद्रासी पाड़ा में कुष्ठ रोगियों के रैन बसेरा रहा जहां आहिस्ता आहिस्ता कुछ ओर गरीब दिहाड़ी लोग बसों वास करने लगे. जहां देखा जाय तो 80 प्रतिशत कुष्ठ रोगी के परिवार ओर 20 प्रतिशत गरीब दिहाड़ी लोग रहते है. जहां 60 परिवार के साथ 200 मतदाता है. रेलवे प्रशासन द्वारा रेल कोरिडोर को लेकर उक्त जमीन को 25 दिसंबर तक खाली करने का आदेश ओर फरमान सुनाय गया. जिसके बाद इन गरीब परिवार ने 18 नवंबर को अपनी गाथा आसनसोल डीएम ओर एसडीओ को लिखित आवेदन कर अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई. इस संदर्भ में कुल्टी भूमि विभाग के अधिकारी ने उक्त स्थल का जायजा लिया. जहां उन्होंने कुछ भी सहायता से साफ इनकार किया. इसके बाद इन लोगों की चिंता ओर बढ़ गई. जहां सोमवार 9 दिसंबर को इन सभी लोगों ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लिखित आवेदन कर अपने रैन बसेरे को उजड़ने से रोकने के लिए आवेदन कर गुहार लगाई. जहां इन कुष्ठ परिवार गरीब लोगों धनपति स्वामी, रबी साव, जेरोन भट, सरस्वती अंजली ने बताया कि हमलोगों को कुल्टी के किसी भी क्षेत्र में सरकार जमीन देकर हमे बचाने का कार्य करे. वरना हम सभी सड़क पर आजाएंगे.

दार्जिलिंग जिले में बांग्लादेशी मेहमानों के लिए होटल बंद

संवाददाता। कोलकाता

त्रिपुरा के बाद पश्चिम बंगाल में भी बांग्लादेशी नागरिकों को किसी भी होटल में जगह नहीं मिलेगी. सूबे के दार्जिलिंग जिले के होटलों ने बांग्लादेशी मेहमानों को ठहरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है. यह फैसला ग्रेटर सिलीगुड़ी होटेलियर वेलफेयर एसोसिएशन ने सर्वसम्मति से लिया है. यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है. एसोसिएशन के एक बयान में कहा गया है कि वर्तमान संवेदनशील माहौल को देखते हुए यह कदम उठाया गया है. बयान के अनुसार, जब तक स्थिति सुरक्षित और सम्मानजनक नहीं हो जाती, तब तक बांग्लादेशी नागरिकों को सदस्य होटलों में चेक-इन की अनुमति नहीं दी जाएगी. बयान में यह भी उल्लेख किया गया है कि प्रशासन द्वारा इस मामले पर कोई निर्देश आने पर एसोसिएशन उसका पूरी तरह पालन करेगी. एसोसिएशन के सचिव उज्ज्वल घोष ने कहा कि इस फैसले से पर्यटन सीजन में नुकसान हो सकता है, लेकिन राष्ट्रीय गौरव पहले आता है. उन्होंने कहा कि हम अपने राष्ट्रीय तिरंगे का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते. बांग्लादेश से भारत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं. पूर्वी हिमालयन ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने भी इस फैसले का समर्थन किया है. संगठन के एक पदाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय सम्मान सबसे पहले आता है. हम इसके लिए कुछ नुकसान सहने को तैयार हैं. यह दार्जिलिंग के होटल मालिकों का ऐसा पहला कदम नहीं है. इससे पहले मालदा जिले के होटल मालिकों ने भी बांग्लादेशी नागरिकों को अपने होटलों में ठहरने से रोकने का फैसला लिया था.

निखिल बंग शिक्षक संघ की वार्षिक समीक्षा बैठक

पुरुलिया। निखिल बंग शिक्षक संघ की पुरुलिया जिला शाखा के 10 वें त्रिवार्षिक सम्मेलन के बाद दूसरी वार्षिक समीक्षा बैठक प्राचीन प्राकृतिक सुंदरता के बीच पुरूलिया पहाड़ी की तलहटी में आयोजित की गई. एसोसिएशन के जिला सचिव एवं केंद्रीय समिति के कार्य एवं वित्त समिति के सदस्य ब्योमकेश दास ने एक वर्षीय कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का विधिवत उद्घाटन किया. बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने की. चर्चा में कुल चालीस प्रतिनिधियों ने भाग लिया. समीक्षा बैठक में मांग की गई कि सामान्य शिक्षा व्यवस्था को किसी भी कीमत पर संरक्षित किया जाए, प्रत्येक विद्यालय में योग्यता के आधार पर उचित छात्र-छात्रा के अनुपात में शिक्षक/शिक्षिकाओं की नियुक्ति की जाए, विद्यालयों को कंपोजिट ग्रांड एवं अन्य ग्रांड तत्काल दिया जाए. डी.ए. में बकाया भुगतान किया जाए.

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ निकाली गई विरोध रैली

संवाददाता। बराकर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आज आसनसोल रेलवे स्टेशन से बंगिय हिंदू जागरण की तरफ से एक विरोध रैली निकाली गई इस विरोध रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. जिन्होंने बांग्लादेश में हिन्दू संप्रदाय के लोगों पर हो रहे अत्याचार का तीव्र विरोध किया उन्होंने हाथों में बैनर और प्लैकॉर्ड थाम रखे थे. इनमें बांग्लादेश में इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण प्रभु को जेल से तुरंत रिहा करने की मांग लिखी हुई थी. इस मौके पर मौजूद लोगों ने बांग्लादेश में जिस तरह से मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार के नेतृत्व में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार हो रहा है उसकी कड़ी निंदा की और भारत सरकार से मांग की की अविलंब ऐसी व्यवस्था लें जिससे कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोका जा सके. इस बारे में जब हमने बंगिय हिंदू जागरण के अमित सरकार से बात की तो उन्होंने कहा कि एक समय था जब बांग्लादेश और आज का पश्चिम बंगाल एक हुआ करता था. उन्होंने कहा कि भारत के तमाम बुद्धिजीवी कवि साहित्यकार बड़े-बड़े वैज्ञानिक स्वतंत्रता सेनानी बांग्लादेश में जन्मे है जिन्होंने आजादी से पहले भारत की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर किए थे ऐसे बहुत से कवि साहित्यकार बुद्धिजीवी हैं जिन्होंने भारत आकर अपनी प्रतिभा को निखारा था. उन्होंने कहा कि एक समय बांग्लादेश में हिंदुओं की जितनी संख्या थी वह आज बहुत घट गई है यह चिंता का विषय है. उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है वह तुरंत बंद होना चाहिए और इसी के समर्थन में आज आसनसोल रेलवे स्टेशन परिसर से लेकर कोर्ट मोड तक रैली निकाली गई.

कोलकाता में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 19 गिरफ्तार

संवाददाता। बराकर

कोलकाता पुलिस ने शहर में एक बड़े फर्जी कॉल सेंटर रैकेट का पर्दाफाश किया है और इस मामले में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने सोमवार रात अचानक छापा मारकर यह कार्रवाई की. मंगलवार को पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह रैकेट लोगों को एक एंटी-मैलवेयर ऐप डाउनलोड करने का झांसा देकर ठगता था. जैसे ही पीड़ित इस ऐप को अपने डिवाइस पर इंस्टॉल करते थे, उनका सारा डेटा हैक कर लिया जाता था. इसके बाद पीड़ितों के बैंक खातों से भारी धनराशि गायब हो जाती थी. इस धोखाधड़ी की शिकायत एक पीड़ित ने पुलिस से की थी, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की. जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि यह फर्जी कॉल सेंटर दक्षिण कोलकाता के बालीगंज इलाके के एक फ्लैट से संचालित हो रहा था. इसके बाद पुलिस की एक टीम ने सोमवार रात फ्लैट पर छापा मारा और वहां से 19 लोगों को गिरफ्तार किया. छापेमारी के दौरान पुलिस ने कई लैपटॉप, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं. फ्लैट को सील कर दिया गया है. पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार लोग केवल कर्मचारी हो सकते हैं, जबकि इस रैकेट के असली मास्टरमाइंड अभी भी पर्दे के पीछे से इसे चला रहे हैं. अधिकारियों के अनुसार, इस रैकेट का शिकार न केवल भारत के लोग बने, बल्कि विदेशों में भी लोगों को ठगा गया. गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है ताकि रैकेट के असली सरगनाओं तक पहुंचा जा सके.

ऑस्ट्रेलिया में एक शख्स को मिला 4.6 अरब साल पुराना उल्कापिंड

ऑस्ट्रेलिया में एक शख्स की किस्मत उस समय खुल गई जब उसे यह पता चला कि जिस पत्थर को वह सोना समझकर रखे हुए है, वह दुर्लभ उल्कापिंड है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह उल्कापिंड सोने से भी ज्यादा कीमती है।

ऑस्ट्रेलिया में डेविड होल नामक शख्स ने सोना समझकर एक पत्थर को कई साल तक अपने घर में छिपाकर रखा। लाख प्रयास करने के बाद भी डेविड होल यह जान नहीं पाया कि आखिर इस पत्थर में सोना है या नहीं। डेविड बाद में उस पत्थर को लेकर ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न म्यूजियम पहुंचे। म्यूजियम वालों ने जब इस पत्थर को देखा तो उनकी आंखें फटी की फटी रह गईं। यह कोई आम पत्थर नहीं बल्कि अंतरिक्ष की यात्रा करके धरती पर पहुंचा उल्कापिंड था जो सोने से भी कीमती है। इसका वजन करीब 17 किलो है। डेविड को यह लाल और पीले रंग का भारी पत्थर साल 2015 में मेलबर्न के पास रीजनल पार्क में मिला था। 19वीं सदी में इस इलाके में कई सोने के पत्थर बहकर आए थे और इसी वजह से लोगों को सोना मिलने की उम्मीद रहती है। डेविड को भी लगा कि उन्हें सोने का पत्थर मिला है। उन्होंने सोने को पाने के लिए पत्थर को तोड़ने के कई प्रयास किए लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। इससे यह पत्थर कई साल तक रहस्य बना रहा।

4.6 अरब साल पुराना

इसके बाद डेविड होल हाल ही में मेलबर्न के म्यूजियम में इस पत्थर को लेकर गए। इस पत्थर को देखने के बाद म्यूजियम के भूविज्ञानी डेरमोट हेनरी ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को बताया कि मैंने कई ऐसे पत्थर देखे थे जिसे लोगों ने उल्कापिंड बताया था। हालांकि मुझे केवल दो ही असली उल्कापिंड मिले हैं। उन्होंने कहा कि ताजा पत्थर गढ़े हुए हैं और गड्ढेदार हैं। यह तब होता है जब वे धरती के वातावरण में प्रवेश करते हैं। हेनरी ने उल्कापिंड के महत्व के बारे में कहा कि ये उल्कापिंड अंतरिक्ष में खोज का सबसे सस्ता तरीका मुहैया कराते हैं। वे हमें समय के अंदर ले जाते हैं और सोलर सिस्टम की उम्र, उसके निर्माण और रसायनों के बारे में जानकारी देते हैं। कई उल्कापिंड तो हमारे ग्रह के गहरे आंतरिक हिस्से की झलक दिखाते हैं। कई उल्कापिंडों पर सितारों की धूल होती है जो हमारे सोलर सिस्टम से ज्यादा पुरानी होती है। उन्होंने अनुमान लगाया कि डेविड को मिला उल्कापिंड मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच स्थित ऐस्टरॉइड बेल्ट से आया हो सकता है। यह उल्कापिंड 4.6 अरब साल पुराना हो सकता है। यह 100 से 1 हजार साल पहले धरती पर गिरा था।

ये है दुनिया की अनोखी किताबें

किताबें मनुष्य के जीवन का सबसे अहम और जरूरी हिस्सा है जिसका इंसानी सभ्यता से सदियों पुराना नाता है। किताबों में वर्णित चीजों और ज्ञान से ही व्यक्ति को अपने इतिहास की जानकारी मिलती है और यही वर्षों से इंसानी सभ्यता के आगे बढ़ने की वजह रही है।

दुनिया में अनगिनत किताबें मौजूद हैं। इसमें धार्मिक से लेकर ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और अन्य विषयों की पुस्तक है, जिनसे मनुष्य सीखता समझता आया है। लेकिन इनमें से कुछ किताबें ऐसी हैं जो बहुत ही अजीबोगरीब है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही पुस्तकों की जानकारी देते हैं। दुनिया की इन अनोखी किताबों के बारे में जानकर आपको हैरानी जरूर होगी।

कोडेक्स लेस्टर

यह दुनिया की सबसे महंगी किताब है। आज के समय में अगर भारतीय रुपयों में इसकी कीमत की बात करें तो वह 200 करोड़ से ज्यादा है। 15 वीं शताब्दी में इस किताब को लियोनार्डो द विंची ने लिखा था। 1994 में बिल गेट्स ने इसे 3.08 करोड़ डॉलर में खरीदा था।

मिस मारपेल कलेक्शन

अगाथा क्रिस्टी की लिखी हुई मिस मारपेल दुनिया की सबसे मोटी किताब है। 8 किलोग्राम वजन किस किताब में 4032 पन्ने है।

शिकी नो कुसाबाना

यह दुनिया की सबसे छोटी किताब है जो महज 22 पन्नों की है और इसका आकार 0.74 बाय 0.75 है। इसे जापानी भाषा में लिखा गया है और पढ़ने के लिए ग्लासेस का इस्तेमाल करना होता है।

डायमंड सूत्रा

दुनिया की सबसे पहली और पुरानी प्रिंटेड किताब डायमंड सूत्रा है। बुद्ध और उनके शिष्यों के बीच में संवाद की व्याख्या करने वाली इस पुस्तक को 868 वीं ईस्वी में जापान में छपाई तकनीकी विकसित होने के बाद छापा गया था।

बाइबिल

दुनिया में अगर अब तक सबसे ज्यादा किसी किताब को पढ़ा गया है, तो वह ईसाई धर्म का ग्रंथ बाइबिल है। दुनिया भर में इस ग्रंथ की अलग-अलग भाषाओं में ढाई से लेकर 5 अरब प्रतियां मौजूद है।
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली किताब का रिकॉर्ड दिया है।

प्रकृति का अद्भुत नज़ारा है डेनमार्क का 'ब्लैक सन'

क्या हो जब हजारों पक्षी एक साथ झुंड बनाकर आसमान में उड़ रहे हों? ये नजारा देखने के लिए डेनमार्क में लोगों की भीड़ पड़ती है क्योंकि हज़ारों पक्षियों का एक साथ उड़ना किसी 'काले सूरज' जैसा प्रतीत होता है। जी हां, डेनमार्क का 'ब्लैक सन' इसलिए ही कहा जाता है क्योंकि यहां सूरज ढलने के समय एक साथ हजारों पक्षी उड़ान भरते हुए नज़र आते हैं। वे आसमान में अलग-अलग के फॉर्मेशन बनाते हुए दिखते हैं। इसके साथ ही कई बार वे सूरज को पूरी तरह से ढंक देते हैं। ये नज़ारे जुटलैंड में वैडन सी के बाद राइब आइलैंड में या टोंडर मार्शलैंड्स में देखने को मिलते हैं। मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है कि ये नज़ारा कितनी देर तक दिखेगा। वैसे आमतौर पर 20-30 मिनट ये अनोखा अनुभव लिया जा सकता है। मार्च से अप्रैल के बीच और सितंबर से अक्टूबर के बीच, दो बार यह अद्भुत दृश्य देख सकते हैं।

ये हैं दुनिया की सबसे महंगी डॉग ब्रीड्स

लोगों के बीच जब भी वफादारी की बात निकलती है तो हर किसी की जुबान पर सबसे पहले कुत्ते का नाम सामने आता है। आए भी क्यों ना क्योंकि इन्हें सदियों से सबसे वफादार जानवर के रूप में पहचाना जाता है। इंसान के इस सबसे करीबी दोस्त कि कई तरह की नस्लें दुनिया भर में मिलती है। लोग अपनी पसंद के अनुसार इन्हें अपने घर का सदस्य बनाना पसंद करते हैं।
दुनिया में अलग अलग किस्म की कई डॉग ब्रीड हैं, जिन्हें बहुत पसंद किया जाता है। यह सब अपनी अलग-अलग खासियतों के चलते पहचाने जाते हैं। कोई अपने लंबे तो कोई छोटे कद के लिए प्रसिद्ध है। तो कोई क्यूटनेस के चलते लोगों के बीच पहचाना जाता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे महंगी ब्रीड बारे में बताते हैं जिन्हें खरीदने के लिए बड़ी रकम खर्च करना होगी।

तिब्बतन मस्तिफ डॉग

तिब्बतन मस्तिफ तिब्बत में पाया जाने वाला एक डॉग है। इसके शरीर पर बाल काफी ज्यादा होते हैं और दूर से देखने पर यह बब्बर शेर की तरह नजर आता है। इसकी कीमत की बात की जाए तो वह लगभग 11 करोड़ रूपए है।

फराओ हाउंड

ये डॉग्स देखने में काफी मासूम लगते हैं। इस ब्रीड में मेल डॉग की हाइट फीमेल डॉग से ज्यादा लंबी होती है। इनकी आंखे और कान सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव होते हैं। इनकी कीमत 5 लाख रुपए है।

रॉटविलर

यह दुनिया भर में डॉग की सबसे फेमस प्रजाति है और इसे पुलिस में भी शामिल किया जाता है। यह प्रजाति कई देशों की पुलिस के साथ मिलकर अपराधियों को पकड़ने का काम कर रही है। इसे खरीदने के लिए पोने दो लाख खर्च करने होंगे।

जर्मन शेफर्ड

सबसे महंगे डॉग की इस लिस्ट में जर्मन शेफर्ड नस्ल भी शामिल है। जो देखने में तो खतरनाक लगते हैं लेकिन यह काफी फेंडली भी होते हैं।

अकिता

इस नस्ल के डॉग नॉर्थ जापान के पहाड़ों पर पाई जाने वाली बड़े डॉग्स की ब्रीड है। इनकी कीमत 32 हजार से शुरू होती है, जो 2 लाख तक जाती है।

चाउ चाउ

यह चीनी नस्ल का डॉग है जो देखने में बहुत सुंदर लगता है। इसका मुंह छोटा सा होता है, जो बालों के बीच छिप जाता है। इसे खरीदने के लिए आपको 2 लाख रुपए खर्च करने होंगे, जो इनकी शुरुआती कीमत है।

एस्किमो

ये कैनेडियन नस्ल का डॉग है। इनका मुंह थोड़ा लम्बा होता है और ये बच्चों के साथ काफी फ्रेंडली होते हैं। इनकी कीमत 4 लाख से शुरू होती है।

सालुकी

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस ब्रीड को सबसे पुराना बताया जाता गई। इन डॉग्स की हाइट काफी लंबी होती है और ये स्लिम होते हैं। इनका चेहरा और कान भी लंबे होते हैं। इस डॉग की शुरुआती कीमत भी लाखों रुपए है।

शानदार आर्किटेक्चर की मिसाल वियतनाम का काऊ वांग पुल

वियतनाम का काऊ वांग पुल जिसे लोग गोल्डन ब्रिज के नाम से भी जानते हैं. इसकी खूबसूरती से निगाहें हटाना बेहद मुश्किल काम है. एक झलक में ही लोग इस पुल के दीवाने हो रहे हैं. इस पुल का इस्तेमाल करने वालों को ऐसा महसूस होता है मानो वो भगवान की हाथों पर चल रहे हो. दरअसल ये पूरा ब्रिज दो हाथों पर टिका है. यही कारण है कि इसका नजारा पर्यटकों को अपनी ओर और भी ज्यादा आकर्षित करता है. हज़ारों की संख्या में सैलानी इसे देखने के लिए आ रहे हैं. साल 2018 जून में इस पुल का उद्घाटन किया गया था. ये ब्रिज बा ना हिल्स के ऊपर मौजूद है. ब्रिज के दोनों तरफ लोबेलिया क्राइसेंथेमम फूल भी लगाए गए हैं जो इसे प्राकृतिक रूप से आकर्षक को खूबसूरत बनाते हैं. वियतनाम का प्राकृतिक सौंदर्य सदा ही पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में पर्यटक यहां भ्रमण के लिए आते हैं। इन सबके बीच यहां एक मानव निर्मित ब्रिज अपनी खास शैली और विलक्षणता के चलते पयर्टकों के लिए जिज्ञासा और कौतुहलता का केंद्र बन गया है। पर्यटकों की विजिट लिस्ट में इसका नाम सबसे ऊपर है। जी हां, वियतनाम के इस मशहूर पुल को गोल्डन ब्रिज कहते हैं। स्थानीय लोगों के बीच यह काऊ वांग ब्रिज के नाम से भी मशहूर है। इस पुल की खूबी यह है कि पूरा ब्रिज दो बनावटी हाथों पर टिका हुआ है। इसे देखना रोमांचकारी है। यह ब्रिज वियतनाम के वास्तुकला व शिल्पकला का बेजोड़ नमूना है। यह दो बनावटी हाथों पर टिका हुआ है, जिससे इसे देखना रोमांचकारी हो जाता है।
यह ब्रिज डा नांग्स बाना हिल्स के ऊपर निर्मित है। इसकी खूबी यह है कि इतनी ऊंचाई पर निर्मित होने के बावजूद यह केवल दो हाथों के सहारे टिका है। समुद्र तल से 1400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस पुल का नजारा हैरान करने वाला है। दूर से देखने पर ऐसा प्रतीत होता है कि मानो एक सड़क सीधे आसमान से नीचे की ओर आ रही है और उसे दो हाथों ने थामा हुआ है। गोल्डन ब्रिज की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए इसके दोनों ओर लोबेलिया क्राइसेंथेमम प्रजाति के फूल लगाए गए हैं। रंग-बिरंगे फूलों से इसका आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है।

विशाल हाथों पर टिका

वियतनाम का नया ब्रिज पर्यटकों के बीच जिज्ञासा का विषय बन गया है इसे देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लग गई है। इंटरनेट पर भी इस ब्रिज की फोटो तेजी से वायरल हो रही है। गोल्डन रंग के इस ब्रिज को दो विशाल हाथों ने थाम रखा है। यह ब्रिज पैदल यात्रियों के लिए बनाया गया है। गोल्डन ब्रिज वियतनाम के बा-ना हिल्स पर समुद्र तल से 3,280 फीट की ऊंचाई पर बना है। इस ब्रिज पर रोज पर्यटकों की भीड़ देखी जा रही है। इसे दुनिया के सबसे बेमिसाल इंसानी स्ट्रक्चर्स में से एक कहा जा सकता है। इस ब्रिज का रंग सोने की तरह गोल्डन है। इसका डिजाइन एकदम अनोखा है। देखने में यह एक आम पुल की तरह है लेकिन इसे थामे विशाल हाथ इसे अलग ही लुक देते हैं। इसे बनाने वाले मुख्य डिजाइनर का कहना है कि हमने इन विशाल हाथों के जरिए दिखाया है कि पुल को भगवान ने अपने हाथों से थामा हुआ है।

पर्यटन के लिहाज से महत्वपूर्ण

20वीं सदी की शुरुआत में बा-ना हिल्स का इलाका फ्रांसीसी लोगों के लिए प्रमुख छुट्टियां बिताने का स्थान था। यहां पर अब भी कई फ्रेंच गांव और फ्रेंच गार्डन का प्रतिरुप है जिन्हे देखने पर्यटक आते हैं। यहां एक 5.8 किलोमीटर का केबल कार ट्रेक भी है जो कभी दुनिया का सबसे लंबा और ऊंचा केबल कार ट्रेक था। केबल कार से यात्रा करते हुए पर्यटकों को पुराने फ्रेंच गांव के अवशेष देखने को मिलते हैं।

दुनिया में कई जगह बने हैं अनोखे ब्रिज

शानदार आर्किटेक्चर की मिसाल पेश करते ऐसे अनोखे ब्रिज दुनिया के कई देशो में बने हैं। जैसे लंदन का फैन ब्रिज, चीन का लक्की नॉट ब्रिज और सिंगापुर का हेलिक्स ब्रिज अपने बेहतरीन आर्किटेक्चर के लिए ही जाने जाते हैं। इन ब्रिज का डिजाइन शानदार है और केवल इन्हे देखने ही दुनियाभर से पर्यटक आते हैं।

खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ी

अक्टूबर, 2024 में महंगाई दर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले 14 महीने का सबसे ऊंचा स्तर है, यह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की 4-6त्न की सीमा, जो अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षित मानी जाती है, के ऊपर है, जो चिंता का विषय है। खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं।

यह स्थिति ऐसे में है जब अधिकांश खाद्य पदार्थों की पैदावार कम नहीं हुई है। एक अनुमान के अनुसार वितरण की अव्यवस्था के कारण लगभग 20त्न गल्ला उन लोगों तक नहीं पहुंच पाता जिनको उसकी आवश्यकता है। फर्जी राशन कार्ड और राशन कार्ड के दुरुपयोग और काले बाजार में गल्ला बेचने की घटनाएं आम हैं। व्यापारियों और अमीर किसानों द्वारा गल्ले का स्टॉक बढ़ा कर कीमतों को प्रभावित करने पर सरकारी नियंत्रण कमजोर है। तेजी से बढ़ती आबादी के कारण खाद्य पदार्थों की मांग भी बढ़ रही है। इसमें संदेह नहीं किंतु कीमतें उससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही हैं। कुछ खाद्य पदाथरे की मांग-पूर्ति में बड़ा अंतर है, जिसके कारण उनकी कीमतों पर लगाम लगाना सरकार के लिए मुश्किल हो रहा है जैसे दालें, मौसमी सब्जियां, फल आदि। शाकाहारी लोगों की थालियां ही महंगी नहीं हुई हैं, वे लोग भी जो मांस, मछली, चिकन आदि का सेवन करते हैं, बढ़ती कीमतों से त्रस्त हैं। खाद्य पदार्थों के अतिरिक्त रोजमर्रा के उपयोग की चीजें-घी, तेल, साबुन, मसाले और किराने के अधिकांश सामान महंगे होते जा रहे हैं, जो लोगों की जेब पर भारी पड़ रहे हैं। कीमतों में वृद्धि के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यालय मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति सितम्बर, 2024 में बढ़ कर 5.4 9त्न हो गई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए मुद्रास्फीति दर क्रमशः 5.87त्न और 5.05त्न थी।अक्टूबर के आंकड़े और भी निराशाजनक थे, महंगाई दर 6.21त्नपर पहुंच गई, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यह 6.68त्न और शहरी क्षेत्रों के लिए 5.62त्न थी। शहर वालों की अपेक्षा गांव के लोगों पर महंगाई की मार अधिक देखी गई। रिजर्व बैंक ने महंगाई की इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए अल्पकालीन ऋण दर को बदलने से मना कर दिया और सरकार को सुनिश्चित करने को कहा कि मुद्रास्फीति मार्जिन को चार प्रतिशत पर लाने की कोशिश करे। गेहूं की कीमत पिछले कुछ वर्षो से लगातार तेजी से ऊपर जा रही हैं। 2010 में गेहूं की औसत कीमत 1100 रुपये प्रति क्विंटल थी जो 2015-16 में 1450 पर आ गई, अक्टूबर, 2024 में यह 2700 के ऊपर पहुंच गई।

सामान्य ज्ञान

प्रश्न 1: भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी 'बी साई प्रणीत' ने किस खेल से संन्यास लिया है?
उत्तर: बैडमिंटन।
प्रश्न 2: 'टाइगर वुड्स' को किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है?
उत्तर: बॉब जोन्स पुरस्कार (अमेरिकी गोल्फ एसोसिएशन)।
प्रश्न 3: दुनिया का पहला फ्लोटिंग थीम पार्क 'THE RIG' किस देश में बनाया जाएगा?
उत्तर: सऊदी अरब।
प्रश्न 4: 'इंदिराम्मा आवास योजना' किस राज्य सरकार द्वारा शुरू की जाएगी?
उत्तर: तेलंगाना।
प्रश्न 5: हंगरी के नए राष्ट्रपति कौन बने हैं?
उत्तर: तामस सुल्योक।
प्रश्न 6: भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने अपना कौन-सा स्थापना दिवस मनाया है?
उत्तर: 174वां स्थापना दिवस।
प्रश्न 7: भारत के पहले स्वदेशी 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' का शुभारंभ किस स्थान पर हुआ है?
उत्तर: तमिलनाडु के कलपक्कम में।
प्रश्न 8: महाराष्ट्र राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?
उत्तर: एस. चोकलिंगम।
प्रश्न 9: किस देश में पहली बार 'अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव' मनाया गया है?
उत्तर: श्रीलंका।

बैंकिंग, न्याय प्रणाली में भ्रष्टाचार से भारतीय अर्थ प्रणाली खतरे में

भारत में भ्रष्टाचार का व्यापक दायरा सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसी जटिल समस्या बन चुका है, जिसमें न्याय पाना भी असंभव सा हो गया है। जब भ्रष्टाचार न्यायपालिका और कार्यपालिका का हिस्सा बन जाए. सरकारी तंत्र के साथ-साथ न्यायिक संस्थाएं भी भ्रष्टाचार की चपेट में आ जाते हैं। बैंकिंग फ्रॉड इसी समस्या का चिंताजनक पहलू है. न्यायपालिका की अनदेखी और मिली भगत देश को आर्थिक नुकसान पहुंचा रही है. जनता का विश्वास भी न्यायपालिका और नियम कानून को लेकर कमजोर हुआ है।

बैंकिंग धोखाधड़ी का बढ़ता दायरा : बीते दस वर्षों (2014-2024) में भारत में 4.9 लाख से अधिक बैंकिंग फ्रॉड के मामले सामने आए हैं। इन मामलों में 5.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी राशि बैंकों से लूट ली गई है। महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्यों में बैंकिंग फ्रॉड और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की समस्या सबसे अधिक है. धोखाधड़ी के माध्यम से लाखों करोड़ रुपये की चपत बैंकों और जनता को नुकसान हुआ है. आंकड़ों में सबसे अधिक चिंताजनक बात यह है कि कोई भी व्यक्ति—चाहे वह आम नागरिक हो या प्रभावशाली राजनेता—इस संकट से अछूता नहीं रहा।

एफडी भी बैंकों में सुरक्षित नहीं : फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को भारतीय बैंकिंग प्रणाली में सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। हाल के वर्षों में एफडी से जुड़े घोटाले भी उजागर हुए हैं। 2014 में बीजेपी से जुड़े एक व्यक्ति की 5 करोड़ की एफडी के साथ बैंक अधिकारियों द्वारा फर्जीवाड़ा किया गया। बैंक अधिकारियों ने फर्जी खाते खोलकर इस राशि को ओवरड्राफ्ट में बदल दिया। शिकायतों और जांच के बावजूद 10 वर्षों में न तो पैसा वापस मिला, न ही दोषियों को सजा हुई। नाही जिसकी एफ़डी थी. एफ़डी की राशि पाने के लिए केंद्रीय मंत्रियों से लेकर हर स्तर पर प्रयास किए गए लेकिन 10 वर्ष बीत जाने के बाद भी न्याय नहीं मिला।

मुंबई हाईकोर्ट ने हाल ही में निजी बैंकों को जिम्मेदार मानने का आदेश दिया है. सार्वजनिक बैंकों के साथ ऐसी सख्ती रिजर्व बैंक केंद्र सरकार और न्यायालयों की भी देखने को नहीं मिलती है।

न्यायालयों की विफलता : धोखाधड़ी और बैंकिंग फ्राड के मामले में न्याय पाने की प्रक्रिया बड़ी निराशा जनक है। अदालतों में तारीख पर तारीख पड़ती हैं. कोई ठोस निर्णय अदालतों से नहीं मिलता है. ट्रायल कोर्ट हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की अन्य अच्छी सभी को चिंता में डाल रही है. लाखों करोड़ों रुपए के घोटाले के बाद भी न्यायपालिका की यह चुप्पी सभी को आश्चर्यचकित कर रही है. कई मामलों में तो न्यायपालिका की मिलीभगत भी देखने को मिलती है. जो तारीख पर तारीख में दबकर रह जाती है. जो न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के प्रभाव को दिखाती है.

दिल्ली हाईकोर्ट ने इस इस तरह की धोखाधड़ी की सुनवाई 16 बार बढ़ाई। यहां सवाल उठता है कि जब एक सत्ताधारी पार्टी से जुड़े व्यक्ति को बैंक और न्यायपालिका से न्याय नहीं मिल रहा है. केंद्रीय मंत्रियों तक पहुंच होने और उनके हस्तक्षेप करने के बाद जब न्याय नहीं मिल रहा है. तो आम नागरिक की स्थिति केसी होगी? इसे आसानी से समझा जा सकता है.

राजनीतिक और प्रशासनिक उदासीनता : भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामलों में सरकार, जांच एजेंसियों और प्रशासन की गंभीरता पर भी सवाल उठने लगे हैं। 2014 में मोदी सरकार के आते ही काले धन पर सख्त कार्रवाई के बड़े-बड़े दावे किए गए थे। पिछले दस वर्षों में यह जुमले बनकर रह गए हैं. पिछले 10 वर्षों में बैंकिंग फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. ब्लैक मनी के खिलाफ बनी एसआईटी, केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग की भूमिका भी निष्प्रभावी साबित हुई है। यह सारी जाँच एजेंसियां सरकार की दबाव में विपक्षी राजनीतिक दलों के ऊपर कार्रवाई कर रही हैं. लेकिन जो काम उनके जुम्मे है, वह नहीं कर रही हैं. जिसके कारण धोखाधड़ी और फ्रॉड के मामले दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ते चले जा रहे हैं. चिंताजनक बात यह है, सरकार, शासन, प्रशासन, अधिकारियों को बार-बार शिकायतें मिलने के बावजूद,जांच एजेंसियां और न्यायपालिका इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है।

डिजिटल युग और साइबर फ्रॉड : डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए सरकार और बैंकों द्वारा बड़े-बड़े दावे किए गए. जो दावे किए गए थे और जो सपने दिखाए गए थे. उसके बाद भी साइबर फ्रॉड के मामलों मैं लगातार वृद्धि हो रही है। इसमें आम जनता लुट रही है. किसी भी स्तर पर उनकी सुनवाई नहीं हो रही है. 2024 में 29,928 साइबर फ्रॉड के मामले सामने आए, जो एक वैश्विक रिकॉर्ड बन गया है। डिजिटल क्रांति के बावजूद, सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए आधारभूत संरचनाओं को लेकर रिजर्व बैंक सरकार और बैंक केवल दावे ही करते हैं। सुरक्षा किसी भी स्तर पर नहीं मिल रही है.सुरक्षा के नाम पर ग्राहकों से बैंकों द्वारा भारी शुल्क वसूल किया जा रहा है।

भ्रष्टाचार और प्रणाली का नेक्सस : भ्रष्टाचार केवल व्यक्तिगत स्तर पर सीमित नहीं रहा। भ्रष्टाचार एक संगठित कार्य प्रणाली का हिस्सा बन गया है.जिसमें बैंक के अधिकारी, प्रशासनिक तंत्र और न्याय पालिका भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शामिल है। डिजिटल इंडिया और ऑनलाइन लेनदेन के चक्कर में उपभोक्ताओं को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, न्याय पाने की प्रक्रिया भी लगभग असंभव हो गईं है।

क्या समाधान हो सकता है ?

1.सख्त निगरानी और जवाबदेहीः आरबीआई और अन्य नियामकों को बैंकिंग फ्रॉड के मामलों की सख्त निगरानी रखनी चाहिए। दोषी अधिकारियों और संस्थानों पर त्वरित सख्त कार्रवाई होनी चाहिए.

2 न्यायिक सुधारः अदालतों में लंबित मामलों को तेजी से निपटाने के लिए विशेष अदालतों का गठन कर निश्चित समय सीमा पर निपटारा किया जाना चाहिए।

3 . प्रशासनिक सुधारः भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के खिलाफ ठोस और निष्पक्ष कार्रवाई करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी है.

4.साइबर सुरक्षा में सुधारः डिजिटल बैंकिंग को सुरक्षित बनाने के लिए साइबर सुरक्षा के उपायों मैं त्वरित बदलाव सख्त नियम और कानून बनाना जरूरी है. बैंकिंग फ्रॉड के लिए ग्राहकों की सुरक्षा और नुकसान की भरपाई जैसे उपाय किए जाने चाहिए.भ्रष्टाचार और बैंकिंग फ्रॉड भारत के आर्थिक और सामाजिक ढांचे पर गहरा आघात हैं। इस संकट का समाधान केवल कड़े कानूनों और जवाबदेही तय करने से ही संभव है। जनता के विश्वास को बनाए रखने, न्याय प्रक्रिया को भी जवाब देह बनाने की जरूरत है।

सोहिल जैन

महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का संकेत

महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर (एलएफपीआर) महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और समग्र आर्थिक समावेशिता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। यह शोध पत्र 2017-18 से भारतीय राज्यों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एलएफपीआर में उल्लेखनीय पुनरुत्थान को उजागर करते हुए कठोर अर्थमितीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अनुभवजन्य विश्लेषण के लिए तीन व्यापक विषय हैंः (1) महिला एलएफपीआर में हालिया रुझान, (2) एलएफपीआर पर वैवाहिक स्थिति और मातृत्व-पितृत्व का प्रभाव, और (3) भारत के सभी क्षेत्रों और राज्यों में उम्र और लिंग के साथ एलएफपीआर में भिन्नता। इस अध्ययन में इस्तेमाल किया गया डेटा सभी उपलब्ध (2017-18 से 2022-2023) में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से लिया गया है। पीएलएफएस 2.5 मिलियन से अधिक व्यक्तियों के लिए विस्तृत रोजगार और जनसांख्यिकीय डेटा प्रदान करता है, जिससे राष्ट्रीय, राज्य और ग्रामीण/शहरी स्तरों पर रुझानों और विविधताओं का विश्लेषण संभव हो पाता है। एलएफपीआर की गणना 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की कुल आबादी के सापेक्ष नियोजित और बेरोजगार व्यक्तियों (काम की तलाश करने वाले या काम के लिए उपलब्ध) के प्रतिशत के रूप में की जाती है।परिणाम तीन खंडों में प्रस्तुत किए गए हैं। परिणामों का पहला सेट 2017-18 से 2022-23 तक महिला एलएफपीआर के रुझान को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्तर पर, ग्रामीण महिला एलएफपीआर 24.6% से बढ़कर 41.5% (₹ 69% वृद्धि) हो गई, जबकि शहरी एलएफपीआर मामूली रूप से 20.4% से बढ़कर 25.4% (₹ 25% वृद्धि) हो गई। महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय भिन्नताएं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, झारखंड (₹ 233% वृद्धि) और बिहार (₹ 6x वृद्धि) जैसे राज्यों में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है। पूर्वोत्तर राज्यों ने भी उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई (उदाहरण के लिए, नगालैंडः 15.7% से 71.1%) की वृद्धि। राष्ट्रीय स्तर पर, शहरी क्षेत्रों में कुल मिलाकर मामूली वृद्धि देखी गई।परिणामों का दूसरा सेट, आयु, वैवाहिक स्थिति और घरेलू संरचना, विशेष रूप से 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों की उपस्थिति के आधार पर महिला एलएफपीआर प्रस्तुत करता है। सामान्य रुझान दर्शाते हैं कि लगभग सभी राज्यों में महिला एलएफपीआर में वृद्धि हुई है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक वृद्धि देखी गई है। हमने यह भी पाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विवाहित महिलाओं ने अविवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक भागीदारी वृद्धि दिखाई है। राजस्थान और झारखंड जैसे राज्यों ने विशेष रूप से विवाहित महिलाओं के बीच महत्वपूर्ण वृद्धि दिखाई। हालांकि, महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और अंतरराज्यीय भिन्नताएं हैं। उत्तरी राज्यों में, पंजाब और हरियाणा में महिला एलएफपीआर कम रही। पूर्वी राज्यों में, ग्रामीण बिहार में देश में सबसे कम एलएफपीआर था, लेकिन हाल के वर्षों में इसमें महत्वपूर्ण सुधार हुआ है - विशेष रूप से ग्रामीण विवाहित महिलाओं के लिए। पूर्वोत्तर राज्यों में, ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश सबसे आगे हैं। पूर्वोत्तर के शहरी क्षेत्रों में विवाहित महिलाओं के बीच मध्यम वृद्धि देखी गई है, जबकि देश के अन्य हिस्सों में शहरी क्षेत्रों में विवाहित महिलाओं के लिए मामूली वृद्धि देखी गई है। पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में, एलएफपीआर में वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण महिलाओं के बीच केंद्रित है, जबकि शहरी क्षेत्रों में केवल मामूली वृद्धि देखी गई है। आंध्र प्रदेश में बच्चों वाली शहरी महिलाओं की एलएफपीआर में बड़ी गिरावट आई है।परिणामों का तीसरा सेट लिंग और आयु के आधार पर एलएफपीआर में अंतर प्रस्तुत करता है। इसमें पाया गया कि वैवाहिक स्थिति और बच्चों की उपस्थिति प्रत्येक श्रेणी के लिए कैसे अंतर लाती है। कुल मिलाकर परिणाम दर्शाते हैं कि महिला एलएफपीआर एक घंटी के आकार का वक्र बनाती है, जो 30-40 वर्ष की आयु में चरम पर होती है और उसके बाद तेजी से घट जाती है। दूसरी ओर, पुरुष एलएफपीआर 30-50 वर्ष की आयु से उच्च (₹ 100%) रहता है, उसके बाद धीरे-धीरे घटता है। महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए वैवाहिक स्थिति एलएफपीआर का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। विवाहित पुरुष लगातार राज्यों और आयु समूहों में उच्च एलएफपीआर प्रदर्शित करते हैं, जबकि विवाह महिला एलएफपीआर महत्वपूर्ण रूप से कम होता जाता है, खासकर शहरी क्षेत्रों में। 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों की उपस्थिति महिला एलएफपीआर को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, विशेष रूप से युवा महिलाओं (20-35 वर्ष) के लिए और शहरी क्षेत्रों में यह अधिक प्रबल रूप से प्रभावित करती है।भारत ने 2017-18 से 2022-23 तक विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एलएफपीआर में पर्याप्त वृद्धि देखी है। पिछले दस वर्षों में सरकार की कई योजनाएं हैं, विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को लक्षित करते हुए। इनमें मुद्रा ऋण, "ड्रोन दीदी" योजना और दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत जुटाए गए एसएचजी ग्रामीण महिलाओं के लिए कुछ प्रमुख पहलों के नाम हैं। ऐसी कई अन्य पहलें हैं जिन्हें पूरे भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण के साथ जोड़ा गया है। हमारा शोध पत्र इन पहलों के अंतिम परिणाम को भारत भर में और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला एलएफपीआर में संचयी और महत्वपूर्ण वृद्धि की पड़ताल करता है। हालांकि, इन कार्यक्रमों के प्रभावों का मूल्यांकन करने और भारत की महिला एलएफपीआर में लगातार अंतर-राज्यीय और ग्रामीण-शहरी असमानताओं का पता लगाने के लिए गहन शोध की आवश्यकता है।

डॉ. शमिका रवि (ईएसी-पीएम) डॉ. मुदित कपूर (आईएसआई, दिल्ली)

चिंतन-मनन

मन की तेज गति

नौका नदी के उस पार जा रही थी। अनेक व्यक्ति उस पर सवार थे। भार अधिक हो गया। नौका डगमगाने लगी। नाविक ने कहा - नौका डूब जाएगी। यदि सबको बचना है तो स्वयं को सुरक्षित रखते हुए अपना सारा सामान नदी में बहा दो, अन्यथा सामान के साथ-साथ प्राण भी जाएंगे। सबने अपने जीवन की सुरक्षा को महत्व देते हुए सामान नदी में डाल दिया। एक बनिये के पास तीन खाली डिब्बे और एक रूपयों से भरा डिब्बा था। उसने खाली डिब्बे पानी में डाल दिए। नाविक ने कहा - इस वजनी डिब्बे को डाल दो। बनिये ने रूपयों को ऍसे व्यर्थ बहाना उचित नहीं समझा। वह डिब्बे को साथ ले नदी में कूद पड़ा। नौका हल्की हो गई। पर वह बनिया उस डिब्बे के भार से दबकर डूब गया। यदि वह खाली डिब्बे के साथ कूदता तो संभव है बच जाता, पर भरे हुए डिब्बे ने उसे डुबो दिया। कहने का अर्थ यह है कि लोगों का भरे हुए पर अधिक विश्वास है, खाली पर नहीं। काम में लगे रहते हैं तो समझते हैं भरे हुए हैं, समय का उपयोग हो रहा है। जब खाली होते हैं तब समझते हैं, आज तो समय व्यर्थ खो रहे हैं। लोग खाली रहना नहीं जानते और खाली रहने के समय का उपयोग करना भी नहीं जानते। आदमी खाली कहां रह पाता है? जब उसके पास कोई काम नहीं होता, तब भी वह खाली नहीं है। उसके मन का चक्का इतनी तीव्र गति से घूमता है कि दुनिया की सारी स्मृतियां उस समय उभर आती हैं। मस्तिष्क विचारों से, संकल्प-विकल्पों से भर जाता है। कहां है खाली वह आदमी? उसका दिमाग भरा ही रहता है।

सूडोकु नवताल- 7276

★ ☆ ☆ ☆ ☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7275 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

आज का राशिफल

मेष राशिः
आज का दिन आपके लिए उत्तम है। भाई- बहनों से यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, वह भी दूर होगी। आपकी किसी पुरानी गलती के लिए आपको परिवार में वरिष्ठ से माफी मांगनी पड़ सकती है। आज आपकी कोई योजना समय से पूरी हो जायेंगी। परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। ऑफिस के काम को आज आप जल्द पूरा कर लेंगे। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बना सकते हैं। जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। आज बच्चों की जरूरतों को पूरा करने की आप कोशिश करेंगे।
शुभ रंग- काला
शुभ अंक- 1

वृष राशिः
आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी परिस्थितियां पहले से अनुकूल रहेंगी। व्यापारिक क्षेत्र में आपको मेहनत से आज अधिक लाभ होगा। आज आपको धन लाभ के अनेक अवसर प्राप्त होंगे। आज दोस्तों के साथ ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। ऑफिस का कोई महत्वपूर्ण कार्य करने में आज बिजी रहेंगे। ट्रांसफर के लिए परेशान लोगों को पसंदीदा जगह ट्रांसफर की खुशखबरी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में आपका मन लगेगा। किसी अनजान की हेल्प करके अपने आप को बेहतर फील महसूस करेंगे।
शुभ रंग- भूरा
शुभ अंक- 6

मिथुन राशि :
आज आपका दिन बढिया रहने वाला है। आज आप अपनी किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देने जाएंगे जिसमें आपको सेलेक्ट कर लिया जायेगा। कोई नया बिजनेस स्टार्ट करने से पहले किसी अनुभवी से सलाह लेंगे जिससे आपका बिजनेस अच्छे से चले। पुस्तकालय के कारोबारी नई ब्रांच खोलने का मन बना सकते हैं। दांपत्य जीवन में एक दूसरे को अच्छे से समझेंगे। आज अपने निर्णय में परिवार वालों की सलाह लेंगे। आज अपनी सेहत पर थोड़ा ध्यान जरूर देना होगा।
शुभ रंग- गुलाबी
शुभ अंक- 2

कर्क राशिः
आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। दांपत्य जीवन में खुशी का माहौल बनेगा। आज बच्चे घर के काम में माता की मदद करेंगें ,जिससे माता उनसे प्रसन्न रहेगी। धार्मिक कार्यों में आपके धन की व्ययता रहेगी। साथ ही किसी धार्मिक अनुष्ठान में जाने का मौका मिल सकता है। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज जरूरत से ज्यादा खर्चों पर रोक लगाना चाहिए। विद्यार्थी अपने पेंडिंग काम को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप फिट रहेंगे।
शुभ रंग- पिच
शुभ अंक- 9

सिंह राशिः
आज आर्थिक तौर पर आपकी स्थिति मजबूत रहेगी। आपके अपने व्यापार में लाभ के योग हैं। साथ में कोई साइड बिजनेस कर सकते हैं। जिससे लाभ होने की संभावना बनेगी। नौकरी पेशा लोगों के लिए नए अवसर मिलने की संभावना है। जिन लोगों को पॉलिटिक्स में मैं रूचि है, उन्हें बड़ा पद प्राप्त होने के योग हैं। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी। नए कार्य की शुरूआत करें सफलता मिलेगी। जीवन साथी को आप कोई नया कार्य शुरू करा सकते हैं। आप जीवन साथी के साथ परिवार की भलाई के लिए कार्य करते हुए नजर आएंगे और सदस्यों का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।
शुभ रंग- नीला
शुभ अंक- 6

कन्या राशिः
आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर ले ,अन्यथा आपका पैसा फंस सकता है। आपको किसी निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप किसी धार्मिक स्थान की यात्रा करेंगे। इस दौरान आप अपनी सेहत का ध्यान रखें। आपकी पदोन्नति या जॉब चेंज करने के लिए अवसर प्राप्त होंगे। आप नौकरी के मामलों में सोच-समझकर कोई निर्णय लें।
शुभ रंग- गुलाबी
शुभ अंक- 1

तुला राशिः
आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। आज कोई बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। आज संतान पक्ष से आपको सुखद अनुभूति होगी। इंजीनियरिंग के छात्रों को आगे बढने के मौके मिलेंगे। आज कोई महत्वपूर्ण प्रैक्टिकल को पूरा करने में छात्र व्यस्त रहेंगे। आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।
शुभ रंग- काला
शुभ अंक- 1

वृश्चिक राशिः
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। काफी दिनों बाद आज परिवार के साथ समय बिताएंगे। आज उनके प्रति लागाव बढेगा। आज रुके कार्यों में प्रगति होगी। आपके गृहस्थ जीवन में सुख शांति का माहौल बना रहेगा। डिप्लोमा कर रहे छात्रों को अपने सीनियर्स से महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए आप किसी अच्छी कंसलटेंट टीम से बातचीत करेंगे। लव मेट शाम को डिनर साथ में करेंगे,जिससे उनके बीच में और ज्यादा प्रेम बढ़ेगा।
शुभ रंग- गोल्डन
शुभ अंक- 7

धनु राशिः
आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है।आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। बड़े बुजुर्गों के पैर छुए, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा। आज कोई नई जिम्मेदारी आपको मिलेंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे। कला के क्षेत्र से जुडे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा।
शुभ रंग- गोल्डन
शुभ अंक- 8

मकर राशिः आज अकारण शुरू हुई बाधाएं पूरी तरह से समाप्त हो जाएंगी। आज आपको ननिहाल पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा ,जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप विदेश में व्यापार करने की योजना बनायेंगे। आपकी सोशल मीडिया पर किसी से बात हो सकती है जिससे आपको भविष्य में बहुत फायदा होगा। व्यायाम करने से ,डायबिटीज से संबंधित परेशानी खत्म होंगी। आप अपने आप को काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने काम को समय पर पूरा करने में सफल होंगे। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे।
शुभ रंग- सिल्वर
शुभ अंक- 9

कुंभ राशिः
आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपके रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में आपसी तालमेल बढेगा। आज किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे। छात्रों की पढाई में रूचि बढ़ेगी। आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। किसी से लिया ऋण आज वापस करेंगे। आज आपकी परेशानियां कम होंगी आपका मन हल्का होगा। लवमेट आज डिनर पर जाएंगे।
शुभ रंग- नारंगी
शुभ अंक- 6

मीन राशिः
आज आपका दिन पहले से ज्यादा फायदा दिलाने वाला रहेगा। किसी रिश्तेदार से चलती आ रही अन बन आज खत्म हो जायेंगी। आपको अधिक खाने-पीने से बचना चाहिए और सेहत का ध्यान रखना चाहिए। करोबार में बरकत होगी। आपकी आय के साधनों में वृद्धि होगी। आपके बिगड़े हुए कार्यों में सुधार होगा। सोची हुई योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत है।आप अपने भाई बहनों के साथ किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं अकस्मात आपके किसी अति प्रिय रिश्तेदार या मित्र से मुलाकात होगी।
शुभ रंग- हरा
शुभ अंक- 2

संक्षिप्त समाचार

फुलवारी शरीफ में हाइवा ने बच्चे को कुचला, मौत, स्कूल जाते समय हुआ हादसा

पटना। फुलवारी शरीफ में तेज रफ्तार हाइवा ने 10 साल के बच्चे को कुचल दिया। घटनास्थल पर ही बच्चे की मौत हो गई। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। पटना-खगौल मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। हादसे के बाद चालक और उप चालक गाड़ी छोड़कर भाग गए। मृतक की पहचान ग्वालटोली के मोहित कुमार(10) के तौर पर हुई है। मामले की सूचना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। लोगों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। सड़क जाम से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह के समय मोहित स्कूल जा रहा था। रोड क्रॉस करते समय तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस मार्ग पर बड़ी वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है। बार-बार आग्रह के बाद भी बड़ी वाहनों के परिचालन पर रोक नहीं लगाई गई तो इसी तरह दुर्घटना होती रहेगी।

बिहार के 24 जिलों में घने कोहरे का यलो अलर्ट, 4 डिग्री तक गिरेगा पारा, अररिया सबसे ठंडा

पटना। मौसम विभाग ने आज बिहार 24 जिलों में घने कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी, सुपौल, मधेपुरा, किशनगंज, अररिया, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, खगड़िया, बांका, जमुई और मुंगेर शामिल हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले एक हफ्ते के दौरान राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री तक गिरावट हो सकती है। बीते 24 घंटे के दौरान 9 डिग्री तापमान के साथ अररिया सबसे ठंडा जिला रहा। दूसरी ओर पटना में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सोमवार को भी यहां AQI 295 रहा। जबकि आरा का AQI लेवल 306 रिकॉर्ड किया गया। मौसम में परिवर्तन सोमवार से ही महसूस होने लगा था। ऐसा पछुआ और पुरवा हवा के मिलन से हो रहा है। राज्य में पश्चिमी विक्षोभ दस्तक देने वाला है। सोमवार को पटना समेत 15 जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा। कुछ जिलों में हल्की बारिश भी हुई। हालांकि दिन चढ़ने के बाद मौसम साफ हो गया। वहीं, बीते 24 घंटे के दौरान सोमवार को पटना का न्यूनतम तापमान 2 डिग्री लुढ़ककर 16.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक है। अधिकतम तापमान 24 डिग्री रहा, जो रविवार से 1.8 डिग्री कम है। पटना के न्यूनतम तापमान में आज 2 से 4 डिग्री की कमी देखी जा सकती है। इस बीच उत्तरी-पछुआ हवा चलनी की संभावना है। इससे ठंड बढ़ेगी। अगले दो-तीन दिनों में राज्य के दक्षिण-पूर्व और उत्तरी भागों में घना से लेकर मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहेगा। लेकिन मौसम शुष्क रहेगा।

भाकपा ने केंद्र सरकार के खिलाफ निकाला प्रतिरोध मार्च, सचिव विश्वनाथ बोले- फिर से देश हो जाएगा गुलाम

पटना। केंद्र सरकार के खिलाफ पटना में भाकपा ने प्रतिवाद मार्च निकाला। यह मार्च पटना के अदालतगंज से निकला, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए बुद्ध स्मृति पार्क के सामने तक पहुंचा। यहां सभा में तब्दील हो गया। इस दौरान सैकड़ों भाकपा के कार्यकर्ता मौजूद रहें। भा को संबोधित करते हुए भाकपा के पटना जिला सचिव विश्वनाथ ने कहा कि आज देश की संपतियों लूटी जा रही है। सरकारी खजाने लुटे जा रहें है। देश की जितनी भी प्राइवेट कंपनियां है, उनके हाथों में मोदी सरकार सरकारी संस्थान को सौंप रही है। उन्होंने आगे कहा कि अडानी ग्रुप द्वारा लगातार देश में कालाबाजारी की जा रही है। देश में दिन प्रतिदिन बेरोजगारी बढ़ रही है। लेकिन, मोदी सरकार आज चुप्पी साधे बैठी है। भाकपा नेता इंद्र कुमार ने कहा कि अंग्रेजों ने भी पहले देश में अपना व्यापार बढ़ाया था। फिर देश पर कब्जा कर लिया। वैसे ही आज भारत के अंदर प्राइवेट कंपनियां अपना हाथ बढ़ा रही है। सरकारी संस्थानों पर कब्जा करने लगी है। रेलवे का निजीकरण इसका उदाहरण है। अगर ऐसे ही प्राइवेट कंपनियों के हाथ में देश की संपत्तियां सौंपी जाएगी तो देश फिर से गुलाम हो जाएगा। इस मार्च में सैकड़ों भाकपा के नेताओं ने मोदी सरकार और अडानी के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया।

प्रधानाध्यापकों के लिए काउंसलिंग की डेट एक्सटेंड, 20 दिसंबर से शुरू होगी

पटना। बीपीएससी की ओर से आयोजित परीक्षा में पास प्रधानाध्यापकों की काउंसिलिंग की डेट बढ़ा दी गई है। अब 12 दिसंबर की जगह अब 20 दिसंबर से होगी। काउंसिलिंग दो दिन 20 और 21 दिसंबर को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक पांच स्लॉट में होगी। हर स्लॉट में प्रमाण पत्र का वेरिफिकेशन डेढ़ घंटे में किया जाएगा। काउंसिलिंग के दौरान अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र, प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, तीन फोटो लाना होगा। इस दौरान बीपीएससी में जमा प्रमाण पत्रों के साथ मिलान कराया जाएगा। जिससे मूल प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी मिल सके। बिहार लोक सेवा आयोग ने प्रधान शिक्षक और प्रधानाध्यापक के लिए आयोजित परीक्षा का रिजल्ट 1 नवंबर 2024 को जारी किया था। इस परीक्षा में 42918 अभ्यर्थी सफल हुए थे। इसमें 36947 अभ्यर्थी प्रधान शिक्षक और 5974 अभ्यर्थी प्रधानाध्यापक पद के लिए सफल हुए थे। प्रधान शिक्षकों की काउंसिलिंग पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक 9 दिसंबर से शुरू है। यह 13 दिसंबर तक चलनी थी, लेकिन इसमें एक बदलाव हुआ है। 13 दिसंबर को होने वाली प्रधान शिक्षकों की काउंसिलिंग 14 दिसंबर को होगी। 13 दिसंबर को बीपीएससी 70वीं की प्री-परीक्षा होगी। इसमें प्रधान शिक्षक के रूप में चयनित कई अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके साथ ही जिले के अधिकांश अधिकारी 70वीं प्री-परीक्षा के आयोजन में व्यस्त रहेंगे। इस कारण 13 दिसंबर की जगह काउंसिलिंग 14 दिसंबर को होगी।

बिहटा में पुलिस टीम पर हमला करने वाला गिरफ्तार, सरकारी पिस्टल भी ले लिया गया था, 4 लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी

पटना। पटना के बिहटा थानाक्षेत्र के आनंदपुर गांव में हुए पुलिस टीम पर हमला और सरकारी पिस्टल की छिनतई मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बिहटा के आनंदपुर गांव निवासी बृजेश कुमार उर्फ बाबा के रूप में हुई है। फिलहाल, इस मामले में पुलिस ने अभी तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम पर हुआ था हमलाः बिहटा थानाध्यक्ष राजकुमार पांडे ने बताया कि तीन महीने पहले बिहटा थानाक्षेत्र के आनंदपुर गांव में पुलिस पहुंची थी। रात में पुलिस टीम पर हमला किया गया था। साथ ही सरकारी पिस्टल छीना गया था। इस मामले में ही बृजेश कुमार उर्फ बाबा की पहचान हुई थी। फिलहाल इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस हमले में तीन से चार पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

महिला से 2 लाख की साइबर ठगी, 3 बार में खाते से निकले पैसे

एजेंसी, पटना।

पटना की रहने वाली एक महिला से साइबर ठगों ने 2 लाख की ठगी कर ली है। बैंक अधिकारी बन ठगों ने महिला को कॉल कर केवाईसी करने को कहा था। महिला राजी हो गई। ठगों ने महिला को झांसा दे कर ओटीपी ले लिया। फिर महिला के खाते से 2 लाख की ठगी कर ली। महिला ने 1930 पर कॉल करके साइबर थाना में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

खाता बंद करने की बात कही गई थीः पटना नेउरा थाना क्षेत्र की रहने वाली खुशबू साह से साइबर ठगों ने ठगी कर ली। खुशबू ने बताया कि 6 दिसंबर को मुझे 7585850602 से फोन आया। सामने वाले ने कहा कि मैं एक्सिक बैंक से बैंक मैनेजर बात कर रहा हूं।आपके बैंक अकाउंट का केवाईसी करना है, नहीं तो आपका खाता बंद कर दिया जाएगा। खुशबू ने कहा कि वो अपने गांव भागलपुर आई हुई है। तब ठगों ने कहा कि अगर आपको बैंक में आने में दिक्कत हो तो मैं यहां से प्रोसेस कर देता हूं।

तीन बार में अकाउंट से निकला पैसाः ठगों ने खुशबू से कहा कि केवाईसी करने के लिए हमने अप्लाई किया है। आपके मोबाइल पर एक ओटीपी गया है। या तो आप बैंक आ जाइए, नहीं तो फोन से ही बता दीजिए हम अपडेट कर देंगे। उसी समय मेरे मोबाइल पर एक ओटीपी आया। मैंने दे दिया। सामने वाले ने कहा कि 12 घंटे में आपका केवाईसी अपडेट हो जाएगा। शाम को मेरे मोबाइल पर तीन मैसेज आया। जिसमें 49999, 49999 और 1 लाख कटने का मैसेज आया। भागलपुर रहने की वजह से मैंने अगले दिन दस बजे बैंक में कॉल किया। तब ठगी का पता चला। जिसके तुरंत बाद मैंने साइबर थाना के टॉल फ्री नंबर 1930 पर इसकी शिकायत की। फरवरी में मेरे देवर की शादी होने वाली है। इसी लिए पैसा रखा हुआ था। अब समझ में नहीं आ रहा कि कैसा क्या होगा।

ठगों ने केवाईसी कराने के लिए किया कॉल, ओटीपी भेजा

थाना आकर केस दर्ज कराने को कहा गयाः पटना साइबर थाना के डीएसपी सह थानाध्यक्ष राघवेंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि खुशबू कुमारी के साथ साइबर ठगी हुई है। खुशबू ने 1930 पर इसकी शिकायत भी कर दी है। खुशबू को फिजिकली थाना पर आ कर केस दर्ज करने को कहा गया। इस मामले की शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि पैसा सीधे ऑनलाइन मार्केटिंग साइट पर भेज कर खरीदारी की गई है। वहीं, कुछ पैसा गेमिंग एप पर लगाया गया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

बैंक में गाली देने वाले ठेकेदार को थाने से छोड़ा

एजेंसी, पटना।

पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र में 6 दिसंबर को कैनरा बैंक में महिला बैंक मैनेजर पर हाथ उठाने का मामला सामने आया था। बैंक कर्मी को अपशब्द भी कहे गए थे। बैंक में इस पूरी घटना का वीडियो भी किसी सहकर्मी ने बना लिया था। महिला ने गांधी मैदान थाने में अपने साथ हुई घटना की जानकारी देते हुए शुक्रवार को मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी ठेकेदार को हिरासत में लिया था। पुलिस ने जानकारी दी कि ठेकेदार को जेल भेज दिया गया है। लेकिन, शुक्रवार की देर रात ही ठेकदार को छोड़ दिया गया। ठेकेदार राकेश कुमार ने सिविल खराब का आरोप महिला बैंक मैनेजर पर लगाते हुए अभद्र व्यवहार करते हुए धमकाने लगा। राकेश ने महिला से कहा था कि 'तुम मैनेजर बनती हो, मेरे घर में तुमसे ज्यादा बड़े-बड़े अधिकारी मेरे घर में हैं। तुम तेज बनती हो, तुमको असली मर्द से पाला पड़ा है। ठेकेदार ने महिला पर हाथ भी उठाया था।'

♦ पटना में केनरा बैंक की महिला कर्मी से बदतमीजी की थी, मोबाइल भी तोड़ा था

मोबाइल भी तोड़ दियाः गांधी मैदान के केनरा बैंक के ब्रांच में एक ठेकेदार राकेश लोन लेने पहुंचा था। बैंक में उसको पता चला कि उसका सिविल स्कोर खराब है।

इस वजह से उसको लोन नहीं मिल सकता। इसके बाद ठेकेदार राकेश गुस्सा हो गया। ठेकेदार ने महिला बैंक मैनेजर से सिविल ठीक करने का दबाव बनाने लगा। महिला बैंक मैनेजर ने कहा कि 'सिविल ठीक करना या खराब करना बैंक के हाथ में नहीं है।' इसके बाद ठेकेदार राकेश भड़क गया।

आरोपी ने बैंक में ही मैनेजर को गालियां देनी शुरू की। बाकी बैंक कर्मी उसको समझाते रहे। लेकिन, वह मानने को तैयार नहीं था।

पटना में युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला

प्रेम-प्रसंग में मर्डर की आशंका, दुकान से घर लौटते समय अपराधियों ने घेरकर मारा

एजेंसी, पटना।

पटना के मसौढ़ी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने सोमवार देर रात एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना चारमोहानी के पास की है। प्रेम-प्रसंग में हत्या की आशंका जताई जा रही है। मर्डर का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें 3 अपराधी युवक को घेरकर चाकू मारते हुए दिखाई दे रहे है। मृतक की पहचान मसौढ़ी बाजार निवासी सन्नी कुमार(19) के तौर पर हुई है। सन्नी श्रृंगार की दुकान में काम करता था। दुकान से घर लौटते समय घात लगाकर अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया।

प्रेम-प्रसंग के एंगल से जांचः मसौढ़ी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी नव वैभव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। हर एंगल से मामले की छानबीन की जा रही है। प्रेम-प्रसंग के एंगल से भी जांच की जा रही है।

10 दिन में 60 शिक्षकों ने ट्रांसफर के लिए आवेदन घर के नजदीक जाना चाहते हैं 50 हजार शिक्षक

एजेंसी, पटना।

बिहार के सरकारी विद्यालयों (प्रारंभिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक) में कार्यरत ऐसे शिक्षक, जो विशेष समस्या के कारण ट्रांसफर पोस्टिंग के लिए इच्छुक हैं। पिछले 10 दिन में 60,205 शिक्षकों ने ट्रांसफर के लिए आवेदन किया है। सबसे अधिक आवेदन घर के पास के स्कूल में जाने के लिए आया है। ये शिक्षक अपने मूल स्थान से 150 से 350 किलोमीटर दूर हैं। 50,293 शिक्षकों ने अपने घर के करीब 40 किमी के क्षेत्र में ट्रांसफर के लिए आवेदन किया है। अभी आवेदन करने की तिथि 15 दिसंबर तक निर्धारित है।

कैंसर पीड़ित 271 शिक्षकों का आवेदनः साथ ही कैंसर पीड़ित 271 शिक्षकों ने आवेदन दिया है। इसके साथ ही गंभीर बीमारी के लिए 790 ने, दिव्यांग और अन्य कारणों से 2454 शिक्षकों ने आवेदन दिया है। 481 ऐसे शिक्षकों ने ट्रांसफर के लिए आवेदन किया है, जिनके परिवार का सदस्य मानसिक रूप से बीमार है। इसके अलावा विधवा व परित्यक्त 416 और पति-पत्नी के आधार पर 5500 शिक्षकों ने आवेदन किया है।

आवेदन करने की तिथि 15 दिसंबर

पिछली बार 2 लाख शिक्षकों ने किया था आवेदनः दरअसल, इसके पहले 7 से 22 नवंबर लिए गये आवेदनों के दौरान करीब 2 लाख शिक्षकों ने ट्रांसफर के लिए आवेदन किया था। हालांकि, मामला हाईकोर्ट में चले जाने के बाद बिहार सरकार ने ट्रांसफर को स्थगित कर दिया था। अब नए सिरे से आवेदन लिए जा रहे है। जिसके तहत 60,205 शिक्षकों ने अब तक आवेदन किया है।

ट्रांसफर के लिए कौन कर सकते हैं आवेदनः सीएम नीतीश ने पहले ही ऐलान किया है कि नियोजित शिक्षक जिस जगह पर काम कर रहें हैं, वहीं काम करेंगे। नई जगह पोस्टिंग नहीं दी जाएगी। वहीं वैसे शिक्षक जो लंबे समय से अपने परिवार से दूर हैं या उनका स्वास्थ्य सही नहीं है। जिनके गांव घर किसी दूसरे जिले अनुमंडल में है, माता-पिता बच्चे या कोई अन्य सदस्य भी बीमारी से ग्रसित हैं। अगर किसी शिक्षक के पति या पत्नी भी सरकारी सेवा में हैं और वह किसी अन्य जिले में पोस्टेड हैं तो इन मापदन्डों के तहत आने वाले शिक्षक ट्रांसफर के लिए 15 दिसम्बर तक आवेदन कर सकते हैं।

प्रशांत किशोर ने नीतीश की यात्रा को किया चैलेंज

बोले- मुख्यमंत्री बिना सुरक्षा एक पंचायत की भी यात्रा नहीं कर सकते हैं

एजेंसी, पटना।

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने 15 दिसंबर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से शुरू की जा रही 'बिहार यात्रा' को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 'नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं न। उनको मैंने खुली चुनौती दे रखी है कि आप एक पंचायत में बिना सुरक्षा के पैदल चलकर दिखा दें। हम गांव में बिना किसी सुरक्षा के रहते हैं, वहीं सोते हैं, और हर जाति, हर वर्ग, हर समाज के लोगों से मिलते हैं। सभी ने हमारे प्रयास की सराहना की है। यह अलग बात है कि वे हमें वोट दें या न दें, लेकिन किसी ने यह नहीं कहा कि हमारा प्रयास गलत है।'

बिना सुरक्षा के नीतीश कुमार नहीं चल सकतेः उन्होंने आगे कहा कि मेरी पदयात्रा सच्चे अर्थों में जनता से जुड़ने का प्रयास है। हमने अपने घर-परिवार को छोड़कर यह पदयात्रा शुरू की है। इस यात्रा में कोई सुरक्षा, सिपाही या हवलदार नहीं है। गांव-गांव पैदल जाते हैं। मुझसे लोग मिल सकते हैं, बात कर सकते हैं, गाली दे सकते हैं या आशीर्वाद दे सकते हैं। यही असली फर्क है। मैंने पहले भी कहा था और आज भी कहता हूं कि नीतीश कुमार अपने सुरक्षा घेरों को हटाकर किसी एक पंचायत में पैदल चलकर दिखाएं। उनका इतना साहस नहीं है कि वे बिना सुरक्षा और दल-बल के एक पंचायत में भी चल सकें।

15 से 20 दिसंबर के बीच यात्रा पर निकलेंगे मुख्यमंत्रीः सीएम नीतीश कुमार 15 से 20 दिसंबर के बीच यात्रा पर निकल रहे हैं। इस यात्रा पर 225 करोड़ खर्च होंगे। यात्रा की शुरुआत पश्चिम चंपारण से करेंगे। इस दौरान महिलाओं से संवाद करेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि नीतीश कुमार फिर महिलाओं के लिए कुछ करने वाले हैं। शराबबंदी का फैसला भी उन्होंने महिलाओं की सलाह पर ही लिया था।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल मार्च तक शुरू

एजेंसी, पटना।

पटना में नए साल के मार्च महीने तक एक महत्वपूर्ण पुल कच्ची दरगाह बिदुपुर सिक्स लेन पुल का निर्माण पूरा होने की उम्मीद है। यह पुल पटना के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा होगी, जो उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार को जोड़ने में मदद करेगा।

दिसंबर तक का सीएम ने दिया था टारगेटः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्माण कंपनी से कम से कम राघोपुर तक आने-जाने के लिए पुल को दिसंबर महीने तक चालू कर देने का निर्देश दिया था। लेकिन, निर्माण कार्य में हो रही देरी के कारण इसे मार्च तक पूरा किया जा सकता है। यह पुल उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार को जोड़ने में मदद करेगा, और राघोपुर और दियारा के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा होगी। इस पुल के निर्माण से जेपी सेतु, गांधी सेतु, और राजेन्द्र सेतु पर से गाड़ियों का दबाव कम होगा।

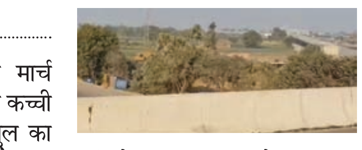

पटना शहर आना जरूरी नहींः इस पुल के शुरू हो जाने के बाद नालंदा, नवादा, मुंगेर यानी उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार के लोगों को आने-जाने का सबसे आसान रास्ता मिल जाएगा। नालंदा से उत्तर बिहार के किसी भी कोने में जाना है तो पटना शहर में घुसने की जरूरत नहीं है, सीधे आप इस सिक्स लेन पुल से जा सकते हैं, जिससे उनकी यात्रा की दूरी में काफी कमी आएगी। इस पुल की कनेक्टिविटी पटना बख्तियारपुर फोर लेन से दी गई है। यह नेपाल जाने का अंतराष्ट्रीय राज्यमार्ग भी होगा। हालांकि इसके शुरू हो जाने के बाद जेपी सेतु, गांधी सेतु, राजेन्द्र सेतु पर से गाड़ियों का दबाव काफी कम होगा।

बाढ़ में शादी समारोह में हर्ष फायरिंग, 4 राउंड चलाई गोली

एजेंसी, पटना।

पटना जिले के बाढ़ में शादी समारोह में हर्ष फायरिंग करने का वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो में एक युवक राइफल से धांय-धांय फायरिंग करते नजर आ रहा है। करीब 4 से 5 राउंड फायरिंग हुई है।

आरोपी की अभी तक नहीं हुई पहचानः हथियार लाइसेंसी है या अवैध इसकी पुष्टि नहीं हुई है। घटना सालिमपुर थाना क्षेत्र के अलीपुर गांव की है। आरोपी की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। ग्रामीणों की मानें तो 10 से 15 राउंड फायरिंग हुई है। जिससे लोग दहशत में है। जानकारी के मुताबिक वीडियो 9 दिसंबर देर रात की है। फायरिंग करने वाले शख्स की पहचान नहीं हो सकी है।

दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगेः बाढ़ एसडीपीओ-2 अभिषेक सिंह ने बताया कि शादी समारोह में हर्ष फायरिंग की सूचना मिली थी। अलीपुर गांव का मामला है। कार्यक्रम का फुटेज मंगाया गया है। जांच की जा रही है। जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अब लालू बोले- INDIA ब्लॉक का नेतृत्व ममता करें

एजेंसी, पटना।

INDIA ब्लॉक में नेतृत्व को लेकर विवाद छिड़ा है। अब RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने ममता बनर्जी का साथ दिया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता चुना जाना चाहिए। कांग्रेस के विरोध का कोई मतलब नहीं है। ममता को ही नेता बनाया जाना चाहिए।' इससे पहले लालू के बेटे और बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सहमति जता चुके हैं।

उधर, बिहार के कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी एक अखिल भारतीय पार्टी है। जो लोग इस तरह का दावा कर रहे हैं कि बिहार, यूपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वजूद नहीं है, वह पूरी तरह से बेतुका है। अगर आप सिर्फ एक राज्य में मजबूत हैं तो उसके आधार पर आप दूसरे दल पर सवाल खड़ा नहीं कर सकते। हर किसी की महत्वाकांक्षा होती है, लेकिन उसे कंट्रोल में रखना चाहिए।' वहीं, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और शरद पवार के बीच आज बैठक होनी है। इस दौरान भी इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर चर्चा हो सकती है।

जो लोग पूंजीपति की शादी में गए वही सवाल उठा रहे- कांग्रेस प्रभारीः खगड़िया में मीडिया से बात करते हुए बिहार कांग्रेस प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा, 'पिछले दिनों देश के एक बड़े पूंजीपति के घर में शादी हुई थी, तो जो-जो लोग उस शादी में गए थे, वही लोग उन पर सवाल उठा रहे हैं जो उस शादी में नहीं गए थे। गांधी परिवार को पूरे देश के लोग स्वीकार करते हैं।' बता दें कि मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में लालू परिवार और ममता बनर्जी ने शिरकत की थी।

कांग्रेस के विरोध का कोई मतलब नहीं, बंगाल CM बोली थीं- मैं अगुआई को तैयार

भ्रष्टाचारियों की जमात का चेहरा बदले तो भी फर्क नहीं पड़ता- बीजेपीः ममता बनर्जी को INDIA ब्लॉक का नेतृत्व देने को लेकर डिप्टी सीएम और भाजपा नेता विजय सिन्हा ने कहा कि भ्रष्टाचारियों की जमात का चेहरा बदल लें तो भी कोई अंतर नहीं पड़ता। देश को खोखला और बर्बाद करने वाला यह परिवारवादी, वंशवादी, भ्रष्टाचारी गठबंधन राष्ट्र का हित नहीं कर सकता। वहीं दिलीप जायसवाल ने कहा, 'इन लोगों में बहुत दिन से खिचड़ी पक रही थी।

राहुल गांधी के नेतृत्व को इन लोगों ने नकार दिया है। इन्हें लग रहा है कि राहुल गांधी के साथ नाव पर बैठने से, डूबने से, अच्छा है कोई एक नया दल बनाओ, नया गुट बनाओ।' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हरियाणा-महाराष्ट्र और उपचुनावों में INDIA ब्लॉक के खराब प्रदर्शन को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने INDIA गठबंधन बनाया। इसका नेतृत्व करने वाले इसे ठीक से नहीं चला सकते, तो मुझे मौका दें। मैं बंगाल से ही गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हूं।'

पांच महीने में हुई 5 बड़ी फजीहत

गौतम गंभीर की कोचिंग में नहीं दिख रहा स्वैग...

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड ओवल में खेला गया था. गुलाबी बॉल से खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम को 10 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी. मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को महज 19 रनों का टारगेट मिला था. भारतीय टीम की इस हार के चलते पांच मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है. दोनों टीमों के बीच तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर (शनिवार) से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेला जाना है.

गंभीर पर उठ रहे सवाल.. फाइनल की रेस में पिछड़ी टीम: एडिलेड टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर पर फैन्स सवाल उठा रहे हैं. गंभीर टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद टीम इंडिया के हेड कोच बने थे. उन्होंने राहुल द्रविड़ की जगह ली थी. हालांकि बतौर कोच गंभीर का प्रदर्शन खास नहीं रहा है. भारतीय टीम गंभीर की कोचिंग में वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में फाइनल की रेस में पिछड़ती नजर आ रही है. देखा जाए तो गंभीर की कोचिंग में लगभग पांच महीने में ही भारतीय टीम को 5 बड़ी फजीहत झेलनी पड़ी है...

1. ➲बतौर कोच गौतम गंभीर की भारतीय टीम के लिए पहली सीरीज श्रीलंका में थी. भारतीय टीम ने जुलाई 2024 में श्रीलंका दौरा किया था. उस दौरे पर भारतीय टीम ने टी20 सीरीज 3-0 से जीती थी, लेकिन वनडे सीरीज में उसे 0-2 से हार का सामना करना पड़ा.

27 साल बाद भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ कोई द्विपक्षीय वनडे सीरीज गंवाई. इससे पहले अगस्त 1997 में हारे थे.

2.➲ गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर पर चारों खाने चित हो गई. भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें भारतीय टीम पहली पारी में 46 रनों पर ही सिमट गई. टेस्ट इतिहास में अपने घर पर भारत का ये सबसे कम स्कोर रहा. भारतीय टीम को उस मुकाबले में 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी. 19 साल बाद भारतीय टीम एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टेस्ट मैच हारी.

3.➲ इसके बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों पुणे टेस्ट में 113 रनों से हार झेलनी पड़ी, जबकि वानखेड़े टेस्ट में भी उसे 25 रनों से पराजित होना पड़ा.

इसके चलते न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत का सफाया कर दिया. टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार भारतीय टीम को अपने घर पर तीन या उससे ज्यादा मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा. न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर पर भारत की ये पहली टेस्ट सीरीज हार रही.

4. ➲भारतीय टीम ने 12 साल बाद अपने घर पर टेस्ट सीरीज गंवाई. इससे पहले भारतीय टीम को दिसंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था.

उसके बाद भारत पहली बार अपने घर पर टेस्ट सीरीज हारा. न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज से पहले भारतीय टीम ने अपने घर पर लगातार 18 टेस्ट सीरीज जीती थी.

5. ➲अब गौतम गंभीर के अंडर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत ने अच्छी शुरुआत करते हुए पर्थ टेस्ट में 295 रनों से जीत हासिल की. हालांकि पिंक बॉल टेस्ट में भारतीय टीम की फजीहत हो गई. ये मुकाबला तीसरे दिन के पहले सेशन में ही खत्म हो गया. इस मुकाबले में 1031 गेंदें ही फेंकी गई. ये भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच सबसे छोटा टेस्ट मैच रहा, जिसमें नतीजा निकला.

गंभीर की कोचिंग में भारत का अब तक का प्रदर्शन:

- टी20 सीरीज वर्सेस श्रीलंका 3-0 से जीत
- वनडे सीरीज वर्सेस श्रीलंका 0-2 से हार
- टेस्ट सीरीज वर्सेस बांग्लादेश 2-0 से जीत
- टी20 सीरीज वर्सेस बांग्लादेश 3-0 से जीत
- टेस्ट सीरीज वर्सेस न्यूजीलैंड- 0-3 से हार
- टेस्ट सीरीज वर्सेस ऑस्ट्रेलिया- फिलहाल 1-1 से बराबर

बुमराह से बेहतर शमी?

एंडी रॉबर्ट्स ने बताया भारत का बेस्ट गेंदबाज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में अभी तक तो ये सवाल नहीं सुलगता दिखा है कि बुमराह और शमी में बेहतर कौन है? लेकिन, वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज रहे एंडी रॉबर्ट्स के सामने आए बयान के बाद अब ऐसा हो सकता है. 70 और 80 के दशक में वेस्टइंडीज की पेस अटैक की चौकड़ी का हिस्सा रहे एंडी रॉबर्ट्स ने शमी को भारत का बेस्ट गेंदबाज बताया है. उन्होंने कहा कि बुमराह विकेट लेते हैं मगर शमी बेस्ट हैं. कैरेबियाई ग्रेट ने शमी को जल्दी से ऑस्ट्रेलिया बुलाने की भी मांग की. उन्होंने कहा कि वो चाहते हैं कि बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के बाकी बचे मैचों में टीम इंडिया शमी के साथ खेले.

भारत का बेस्ट गेंदबाज शमी- एंडी रॉबर्ट्स

एंडी रॉबर्ट्स ने मिड डे से बातचीत में कहा कि शमी फिलहाल भारत के बेस्ट तेज गेंदबाज हैं. उन्होंने कहा कि बेशक वो बुमराह जितने विकेट नहीं लेते लेकिन शमी कम्पलीट पैकेज हैं. उनके परफॉर्मेन्स में कंसिस्टेंसी है. शमी गेंद को सीम और स्विंग दोनों कराने में सक्षम हैं. इसके अलावा वो अपनी गेंदबाजी में बुमराह जैसा कंट्रोल भी रखते हैं. ऐसे में एंडी रॉबर्ट को लगता है कि शमी को खेलना चाहिए.

घरेलू क्रिकेट खेल रहे शमी

शमी फिलहाल घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं, वो इंजरी के चलते लंबे वक्त से टीम इंडिया से बाहर हैं. फिलहाल उन्हें एनसीए से ग्रीन सिग्नल मिलने का इंतजार है, जिसके बाद ही शमी ऑस्ट्रेलिया जा सकेंगे. भारत को एडिलेड में खेले डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. उस हार के बाद 5 टेस्ट की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ खड़ी हुई है.

आईसीसी ने भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन के लिए सनी ढिल्लों पर लगाया 6 साल का प्रतिबंध

दुबई, एजेंसी। भ्रष्टाचार निरोधक न्यायाधिकरण द्वारा अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद एक फ्रेंचाइजी टीम के पूर्व सहायक कोच सनी ढिल्लों पर 6 साल के लिए सभी तरह के क्रिकेट से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को इसकी घोषणा की।

ढिल्लों उन 8 लोगों में शामिल थे जिन पर पिछले साल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। ये आरोप 2021 अबू धाबी टी10 क्रिकेट लीग और उस टूर्नामेंट में मैचों को भ्रष्ट करने के प्रयासों से संबंधित हैं, जिन्हें आईसीसी टूर्नामेंट के लिए ईसीबीकी संहिता के लिए नामित भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारी द्वारा बाधित किया गया था। पूरी सुनवाई और लिखित और मौखिक दलीलों के बाद न्यायाधिकरण ने ढिल्लों को दोषी पाया। प्रतिबंध 13 सितंबर, 2023 से लागू होगा, जब ढिल्लों को अनंतिम रूप से निलंबित किया गया था।

आईसीसी ने बैन की अमेरिका की टी-20 लीग

● सचिन तेंदुलकर भी हैं लीग का हिस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका बीते कुछ सालों से क्रिकेट की दुनिया अपनी जड़ें मजबूत करने में लगा है। चाहे वह टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी हासिल करना हो या फिर ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना। हालांकि उसकी इन कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। आईसीसी ने अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग को बैन कर दिया है। आईसीसी ने पत्र लिखकर अमेरिका क्रिकेट बोर्ड को यह बताया है कि वह इस लीग के आने वाले सीजन को मान्यता नहीं देंगे।

लीग में नहीं हुआ नियमों का पालन

खत में बताया गया है की लीग में प्लेइंग इलेवन के नियमों का पाल नहीं किया गया। हर टीम की प्लेइंग इलेवन में कम से कम सात अमेरिका खिलाड़ी होने चाहिए थे। लीग शुरू होने से पहले ही अधिकारियों को इसकी जानकारी थी। सिर्फ इतना ही नहीं लीग में विदेशी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए अमेरिका के इमिग्रेशन नियमों को भी तोड़ा गया है।

वीजा नियमों का भी हुआ उल्लंघन

अमेरिका में स्पोर्ट्स कैटेगरी के वीजा के लिए छह टीमों के लिए कम से कम दो लाख यूएस डॉलर लगते हैं। हालांकि कई खिलाड़ी स्पोर्ट्स वीजा पर लीग में हिस्सा लेने नहीं पहुंचे। पैसे बचाने के लिए लिए गए इस कदम ने भी लीग की मुश्किल बढ़ा दी है। भारत के महान बल्लेबाज दिग्गज सचिन तेंदुलकर का इस लीग के साथ खास कनेक्शन है। सचिन इस लीग के ओनरशिपग्रुप का हिस्सा हैं। उन्होंने खुद इसका ऐलान करते हुए कहा, 'क्रिकेट मेरे जीवन की सबसे बड़ा सफर रहा है और मैं अमेरिका में इस खेल के लिए ऐसे रोमांचक समय में नेशनल क्रिकेट लीग से जुडकर खुश हूं।'

एनसीएल ने क्रिकेट जगत के कई लीजेंड्स को अपने साथ जोड़ा है। इसमें सुनील गावस्कर, जहीर अब्बास, वसीम अकरम, दिलीप वेंगसकर, सर विवियन रिचर्ड्स, वेंकटेश प्रसाद, सनथ जयसूर्या, मोईन खान और ब्लेयर फ्रैंकलिन शामिल हैं। यह सभी दिग्गज किसी टीम के कोच या मेंटर की भूमिका निभाने वाले थे।

पूजा ने जूनियर राष्ट्रीय में ऊंची कूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया

भुवनेश्वर, एजेंसी। इस साल की शुरुआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा। हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा ने सोमवार को यहां कलिंगा स्टेडियम में 39वीं राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप के तीसरे दिन अपने अंडर-18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। 17 वर्षीय पूजा ने हेप्टाथलॉन प्रतियोगिता के दौरान ऊंची कूद में 1.85 मीटर की छलांग के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उनका 1.83 मीटर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड अगस्त में पेरू के लीमा में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान दर्ज किया गया था। इस साल की शुरुआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा। पुरुषों की अंडर-20 400 मीटर दौड़ में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही 2017 में अमोज जैकब द्वारा निर्धारित 46.59 सेकंड के मीट रिकॉर्ड में सुधार किया। जय ने 46.29 सेकंड का समय लिया। लड़कियों की अंडर-16 भाला फेंक में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और शीर्ष छह खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर किया। हरियाणा की मुस्कान 46.87 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। उन्होंने बड़े अंतर से इस साल शिवानी पटेल द्वारा बनाए गए 40.01 मीटर के पिछले अंडर-16 राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

एमएस धोनी ने अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान को पीछे छोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की लोकप्रियता संन्यास लेने के 5 साल बाद भी बेमिसाल है। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मैदान पर एमएस धोनी के सीमित समय ने उनकी ब्रांड वैल्यू को कम नहीं किया है।

मीडिया रिसर्च की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, 43 साल के एमएस धोनी ने अब ब्रांड एंडोर्समेंट के मामले में अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान समेत कई बॉलीवुड सुपरस्टार्स को पीछे छोड़ दिया है।

एमएस धोनी के पास 42 एंडोर्समेंट: रिपोर्ट के अनुसार, एमएस धोनी 2024 में सबसे अधिक ब्रांड एंडोर्समेंट पाने वाले भारतीय सेलिब्रिटी हैं। उनके पास कुल 42 एंडोर्समेंट हैं। अमिताभ बच्चन 41 एंडोर्समेंट के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं, जबकि शाहरुख खान 34 डील के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मीडिया रिसर्च यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका के नीलसन और यूके के कैंटर का एक संयुक्त उद्यम है।

हरभजन सिंह ने रोहित को नंबर 6 पर रखने का समर्थन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया की रणनीति पर अपने विचार साझा किए और विश्वास जताया कि कप्तान रोहित शर्मा एडिलेड में अपने खराब प्रदर्शन के बावजूद नंबर 6 पर बल्लेबाजी करना जारी रखेंगे, जहां भारत को 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

रोहित पर्थ में शुरुआती टेस्ट से चूक गए थे, हालांकि एडिलेड टेस्ट में वह प्रभाव छोड़ने के लिए संघर्ष करते रहे, उन्होंने नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए दोनों पारियों में सिर्फ 9 रन बनाए। हरभजन को लगता है कि कप्तान के फॉर्म को ध्यान में रखते हुए उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने की कोई जरूरत नहीं है। हरभजन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजी क्रम में कोई बदलाव होगा।

हमने कल चर्चा की कि शायद रोहित शर्मा को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिए। यहां तक कि (सुनील) गावस्कर साहब ने भी इसका सुझाव दिया था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि टीम प्रबंधन इस तरह से सोचेगा। रोहित अभी शानदार फॉर्म में नहीं हैं, तो आप उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर क्यों भेजेंगे? मुझे लगता है कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल को ओपनिंग जारी रखनी चाहिए, जबकि रोहित मध्य क्रम में बल्लेबाजी करें। बल्लेबाजी क्रम में निरंतरता की वकालत करते हुए हरभजन ने भारत के गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव की भविष्यवाणी की।

मेसी-रोनाल्डो और फैंस के लिए बुरी खबर

पुरुषों की फीफ-प्रो विश्व एकादश में नहीं बना पाए जगह

हूफडॉर्प (नीदरलैंड), एजेंसी। 37 साल के मेसी एमएलएस में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं जबकि 39 वर्षीय रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के लिए खेलते हैं। सर्वकालिक महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो सोमवार को वैश्विक खिलाड़ियों के संघ फीफप्रो द्वारा घोषित वर्ष की पुरुष विश्व टीम में जगह नहीं बना सके। 37 साल के मेसी एमएलएस में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं जबकि 39 वर्षीय रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के लिए खेलते हैं। अंतिम एकादश के मतदान के लिए चुने गये 26 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ मेसी और रोनाल्डो ही थे जो किसी यूरोपीय क्लब से नहीं जुड़े है। यह 2006 के बाद यह पहली बार है कि इस सूची में मेसी का चयन नहीं किया गया है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता के नाम 17 बार टीम में चुने जाने के बाद रिकॉर्ड है। रोनाल्डो को 15 बार चुना गया है लेकिन आखिरी बार 2021 में वह इस टीम में शामिल थे।

एरिना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरस्कार जीता

सेंट पीटर्सबर्ग (अमेरिका), एजेंसी।स्टार टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका को सोमवार को पहली बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी भी बनीं। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। पाउला बडोसा को साल में सर्वश्रेष्ठ वापसी करने वाली खिलाड़ी और लुलु सन को साल की सर्वश्रेष्ठ नयी खिलाड़ी चुना गया।

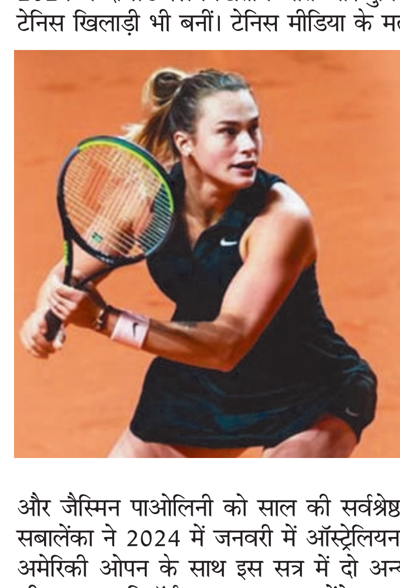

सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया। सबालेंका ने 2024 में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के साथ इस सत्र में दो अन्य खिताब जीते। उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 56-14 रहा। उन्होंने लगभग एक करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि जीती। उन्होंने अक्टूबर में ईगा स्वियातेक को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की।

भारत ने मलेशिया पर 5-0 से शानदार जीत दर्ज की

मस्कट, एजेंसी। पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ दीपिका ने हैट्रिक लगाई, जिससे भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने सोमवार को यहां महिला जूनियर एशिया कप के पूल ए में अपने दूसरे मैच में मलेशिया पर 5-0 की शानदार जीत के साथ अपनी जीत की लय जारी रखी। दीपिका ने 37वें, 39वें और 48वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई, जबकि वैष्णवी विट्ठल फाल्के (32') और कनिका सिवाच (38') ने स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज किया।

पहले हाफ में गोल रहित रहने के बाद भारत ने आखिरी दो क्वार्टर में लय हासिल की और टूर्नामेंट में अपनी मजबूत फॉर्म को बरकरार रखते हुए आसान जीत हासिल की। ??भारत ने खेल की जोरदार शुरुआत की और गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा, लेकिन गोल करने के कई मौके गंवाए। पहले क्वार्टर के अंत में उन्हें लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दीपिका के प्रयासों को मलेशिया की गोलकीपर नूर जैनल ने बचा लिया।

▼ ब्रीफ खबरें

चुटूपालू घाटी में ट्रेलर पलटा ड्राइवर-खलासी की मौत

रामगढ़। रामगढ़ थाना क्षेत्र के चुटूपालू घाटी में मंगलवार को सरिया लदा एक ट्रेलर खाई में जा गिरा. इस हादसे में ट्रेलर के ड्राइवर और खलासी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि मंगलवार के सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर रांची की ओर से आ रहा सरिया लदा ट्रेलर अनियंत्रित हो गया. घाटी में अनियंत्रित गाड़ी को ड्राइवर संभाल नहीं सका और वह खाई में जा गिरा. इस दुर्घटना में ड्राइवर और खलासी दोनों ही क्षतिग्रस्त टेलर के मलबे से दब गए, जिनसे उनकी मौत हो गई. क्रेन की सहायता से मलबे को हटाया गया और दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया. फिलहाल, ड्राइवर और खलासी की पहचान नहीं हो सकी है.

मनमोहन सिंह लाम्बा बने रेलवे उप-समिति के नए अध्यक्ष

रामगढ़। सरदार मनमोहन सिंह लाम्बा को रेलवे उप-समिति के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है. यह सम्मानित पद रेलवे क्षेत्र में वृद्धि और विकास के लिए महत्पूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के लिए मनोनीत किया जाता है . मनमोहन सिंह रामगढ़ के कई सामाजिक संस्थाओ के साथ मिलकर पूर्व से जिले के कल्याणकारी कार्यो में अपना योगदान देते आ रहे है. अध्यक्ष के रूप में मनोनीत होने के बाद उन्होंने कहा कि वो रेलवे बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, सरकारी एजेंसियों और नियामक निकायों के साथ रेलवे उद्योग और एफजेसीसीआई सदस्यों के हितों की वकालत करना जैसी कई कार्य करूंगा.

ट्रैफिक पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

मेदिनीनगर। यातायात पुलिस ने छहमुहान चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया. इस दौरान दोपहिया व सवारी वाहनों की जांच की गई. कई दोपहिया वाहन चालक बगैर हेलमेट, ट्रिपल लोड व बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाते पाए गए. पुलिस ने ऐसे 24 दोपहिया मोटरसाइकिल को जब्त कर जुर्माना के लिए पलामू व्यवहार न्यायालय भेज दिया है. वहीं, पकड़े गए एक कार को जुर्माना के लिए जिला परिवहन कार्यालय भेजा गया है. उन्होंने बताया कि आज कुल 39 हजार रुपया जुर्माना आया है.

सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा ने की बैठक

रामगढ़। भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला की बैठक जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता की अध्यक्षता में हाथमारा स्थित भाजपा जिला कार्यालय में संपन्न हुई. बैठक में सदस्यता अभियान को गति देने को लेकर जिला और मंडल में आयोजित होने वाले कार्यशाला पर चर्चा की गई. भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने कहा कि संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया को पूरा करने में सदस्यता अभियान की अहम भूमिका होती है. सदस्यता अभियान को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन जिला में 15 दिसंबर से 16 दिसंबर तक और मंडल स्तर पर 18 दिसंबर से 19 दिसंबर तक करने का निर्देश प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिया गया है. उन्होंने बताया कि भाजपा रामगढ़ जिला कार्यशाला का आयोजन 15 दिसंबर को होना तय हुआ.

सड़क बनना खत्म हुआ नहीं और उखड़ने भी लगी

नौ करोड़ की लागत से बन रही चौर-तुरी भाया खरीक-मरमदिरी सड़क

- कौलेश्वरी इंफ्राकान प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बना रही सड़क

संवाददाता। चतरा

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार इस कदर हावी है कि बनने के 10 दिनों बाद ही योजनाएं अपना अस्तित्व खोने लगी है. ताजा मामला खरीक-मरमदिरी सड़क निर्माण में देखने को मिला. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चौर-तुरी भाया खरीक-मरमदिरी तक 6.28 किलोमीटर सड़क का निर्माण कराया जा रहा है. सड़क निर्माण कार्य करीब नौ करोड़ रूपये की लागत से कौलेश्वरी इंफ्राकान प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के द्वारा किया जा रहा है. सड़क का निर्माण कार्य अभी पूरा हुआ भी नही है, लेकिन पिच से कबड़कर गिटी बाहर आ गया है. यूं कहे तो सड़क निर्माण कार्य जैसे ऐसे आगे बढ़ रहा है पीछे से उसी रफ्तार से टूटती जा रही है. नवनिर्मित सड़क पर गिट्टी बाहर निकलने से दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है. कहीं कहीं सड़क धंस कर गड्ढों में तब्दील होने लगी है.

सड़क की हालत देख खुद अंदाजा लगाया जा सकता है कि उक्त सड़क के निर्माण में किस हद तक मानक की अनदेखी की गई है. आस पड़ोस के लोगो ने सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने को लेकर कई बार आवाज उठाई. लेकिन क्रियान्वयन एजेंसी ग्रामीण विकास विभाग की ओर से सड़क मजबूत बनाने को लेकर किसी प्रकार का कोई ठोस कदम नही उठाया गया. जिसका खामियाजा राहगीरों व आस-पड़ोस के लोगों को भुगतना पड़ रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि संवेदक के साथ विभागीय अभियंताओं की टीम की मिलीभगत से घटिया निर्माण कराया जा रहा है. कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता और कनीय अभियंता से शिकायत किए जाने के बावजूद किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाती है. ग्रामीणो ने उपायुक्त रमेश घोलप से स्वतः मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच कराकर दोषी संवेदक के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग किया है.

क्या कहते हैं ग्रामीण

स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि पिच हुए दस दिन भी नही हुआ है. लेकिन पूरा पिच अभी ही कबड़ गया है. पैर से रगड़ देने पर नीचे का मोरम दिखने लगता है. संवेदक के आदमियों से मजबूत सड़क बनाने के लिए बोले जाने पर तानाशाही दिखाते हुए झूठे मुकदमे फसाने की धमकी दी जाती है. सामवेद के आदमियों द्वारा कही जाती है कि तुम्हारे बाप की जमीन है, जो तुम बोलोगे वही हम करेंगे. ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण को लेकर हम लोगों ने अपनी जमीन दी, लेकिन घटिया सड़क निर्माण कराया जा रहा है. इसकी जानकारी उपायुक्त को देकर जांच कराई जाएगी.

> ग्रामीणों के द्वारा किए गए शिकायत पर सड़क का जांच किया गया है. संवेदक को दोबारा पिच करने को कहा गया है. जबतक पिच सही से नहीं होगा तबतक भुगतान नहीं होगा.
>
> **कार्यपालक अभियंता**
> **ग्रामीण विकास विभाग**

पीएलएफआइ के दो नक्सली गिरफ्तार

खूंटी। प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआइ के दो सक्रिय नक्सलियों को पुलिस ने कर्रा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया. पकड़े गये नक्सलियों में पलसा कर्रा निवासी संदीप प्रमाणिक और रांची के इटकी थाना क्षेत्र के रानीडीह निवासी धनेश्वर महली शामिल है. इनके पास से पुलिस ने 72 हजार 500 रुपये नकद, एक स्कॉर्पियो और पांच मोबाइल फोन बरामद किये हैं. कर्रा थाना में मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया कि गत दो दिसंबर को कर्रा थाना क्षेत्र के चंदापारा रेलवे क्रासिंग के अंडरपास पुलिया निर्माण स्थल पर पीएलएफआइ के नक्सलियों ने आगजनी की थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर एसडीपीओ तोरपा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. पुलिस टीम ने सोमवार को कर्रा थाना के पलसा गांव में छापेमारी कर कुख्यात नक्सली संदीप प्रमाणिक को गिरफ्तार कर लिया. इसके निशानदेही पर ग्राम पलसा से ही एक अन्य नक्सली धनेश्वर महली उर्फ दाने उर्फ धनंजय को पकड़ा गया. उसके पास से पीएलएफआइ संगठन का पर्चा, लेवी के 72,500 रुपये नकद , एक स्कॉर्पियो, आठ जिंदा कारतूस और मोबाइल बरामद किये गये. एसडीपीओ ने बताया कि छापेमारी टीम में तोरपा के पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय, कर्रा थाना प्रभारी मनीष कुमार, जरियागढ़ थाना प्रभारी राजू कुमार, अवर निरीक्षक दीपक कांत सहित सशस्त्र बल शामिल थे.

गांव के पुजारी की मौत के बाद ग्रामीणों में आक्रोश

हजारीबाग। जिला के केरेडारी प्रखंड के तारहेसा गांव में ग्रामीण देवता और मंदिर में पूजा-अर्चना करने वाले पुजारी नाया होरिल गंझू की मौत अचानक मंगलवार सुबह हो गई. इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है. ग्रामीणों का कहना है कि वे कई दिनों से एनटीपीसी और बीजीआर कंपनी से मांग कर रहे थे कि गांव के मंदिर क्षेत्र में डोजरिंग न की जाए और वहां का रास्ता सुरक्षित रखा जाए. उनकी मांगों को लगातार नजरअंदाज किया गया, जिससे ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा. इसके अलावा, गांव में बढ़ते प्रदूषण को लेकर भी ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं. प्रदूषण के कारण गांव में विभिन्न बीमारियां फैल रही हैं, लेकिन कंपनी इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही है. घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने कंपनी का काम पूरी तरह से बंद करा दिया है और अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं.

सहकारिता विभाग समिति की बैठक संपन्न

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला सहकारिता विकास समिति डीसीडीसी की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित हुई. बैठक में नौ बिंदुओं पर चर्चा की गई और निर्देश दिया गया. यहां पर लैंप्स और पैक्स के कंम्प्युटराइजेशन का केंद्र प्रायोजित योजना की समीक्षा में चयनित लैंप्स का गो-लाईव करने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई. सभी पंचायतों में लैंप्स कार्यालय-सह-गोदाम के स्थिति की चर्चा की गई जिसमें 66 पंचायतों में से 38 पंचायतों में लैंप्स का अपना कार्यालय-सह-गोदाम उपलब्ध पाया गया. शेष जो भी छूटे हुए हैं उन्हें अंचल अधिकारी से संपर्क कर भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया.

देवम इंस्टीच्यूट देगा 14 वर्षीय अनुष्ठान को निःशुल्क शिक्षा

मेदिनीनगर। देवम का अर्थ है ईश्वर और ईश्वर किसी के साथ भेद नहीं करते. हमारा देश ऋषि परंपरा का रहा है जहां गुरुकुलीय व्यवस्था थी. वहां कृष्ण-सुदामा एक साथ पढ़े. हम ऐसी शिक्षा व्यवस्था पर गर्व करते हैं और पलामूवासियों को भी गर्व करना चाहिए कि उसी गुरुकुलीय परंपरा का वाहक है देवम इंस्टीट्यूट. उक्त बातें संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने कही. उन्होंने कहा कि वैसे बच्चे जिनके सिर से माता -पिता का साया उठ गया है उनके लिए देवम इंस्टीट्यूट मसीहा बनकर उभरा है और आज वैसे ही एक चौदह वर्षीय बच्चा अनुष्ठान कुमार का देवम इंस्टीट्यूट ने निःशुल्क शिक्षा का बीड़ा उठाया है. उन्होंने इस कार्य के लिए प्रबंध निदेशक आ एन सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर यूएस चौबे, प्रवीण दुबे, मनीष पाठक, रजनीकांत पांडेय को इस सामाजिक रचनात्मक कार्य के लिए बधाई दी है.

भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य पहुंचे चतरा

पशु तस्करों के खिलाफ करें सख्त कार्रवाई : श्रीराम रघुवंशी

संवाददाता। चतरा

जिला मुख्यालय चतरा में सोमवार को सदस्य, भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड, भारत सरकार के श्रीराम रघुवंशी का आगमन हुआ. जिला परिसदन भवन में इनके आगमन पर जिले के उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने पौधा भेंट कर स्वागत किया. तत्पश्चात उन्होंने समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिले के सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की.

बैठक में गौशाला के संचालन, गौवंश के उपचार, देखरेख, सड़क पर बैठे गौवंश के लिए क्या उचित कदम उठाए जाए, इसपर विस्तृत चर्चा की गई. साथ ही उन्होंने पशुओं की हो रही तस्करी को लेकर पशु तस्करों के विरुद्ध अभियान चला कर सख्त कार्रवाई करने की बात कही. आगे उन्होंने पशुपालन पदाधिकारी जमाल उद्दीन को निर्देशित करते हुए कहा केंद्र सरकार द्वारा पशुओं के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही है, इसका लाभ पात्रता अनुसार शत प्रतिशत लाभुकों को मिले यह सुनिश्चित करें. वहीं चतरा जिले में संचालित गौशाला के पंजीकरण एवं अन्य कई बिंदुओं की क्रम वार जानकारी लेते हुए गौशाला के प्रतिनिधि व पशुपालन पदाधिकारी को कई महत्वपूर्ण बातें बताते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए.

डीडीएम नाबार्ड से जिले में पशुपालन के लिए कुछ एफपीओ बनाने पर भी विस्तृत चर्चा की गई. बैठक के पश्चात श्री राम रघुवंशी ने जिले में संचलित एक मात्र गौशाला का भी भ्रमण किया. साथ ही गौ शाला संचालन को पशु कल्याण बोर्ड के माध्यम से लाभ लेने के लिए जानकारी दी.

उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला परिवहन पदाधिकारी इंद्र कुमार, पेय जल एवं स्वच्छता प्रमंडल चतरा के कार्यपालक अभियंता मनोज कुमार मुंडारी, समेत अन्य सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

शादी में जा रही बस दुर्घटना ग्रस्त, 12 लोग घायल

हजारीबाग। बिहार के सारण जिला के दिघवारा से रांची आ रही विक्रम नामक बस चरही घाटी के हत्यारी मोड़ के पास हादसे का शिकार हो गई. इसमें 12 लोग घायल हो गए, जिसमें चार की स्थिति गंभीर बनी हुई है. हादसा मंगलवार सुबह की है. मिली जानकारी के अनुसार हादसे के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद कुछ लोगों को रिम्स रांची रेफर कर दिया गया है. अब तक मिली जानकारी के अनुसार सारण के दिघवारा के रहने वाले कामाख्या सिंह अपनी बेटी को लेकर शादी के लिए रांची जा रहे थे. शादी आज मंगलवार को ही होनी थी. बस में लगभग 60 लोग सवार थे. बताया जा रहा है कि बस चरही के हत्यारी मोड़ के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिसके कारण घटना घट गई. घायलों को मेडिकल कॉलेज हजारीबाग ले जाया गया. जबकि कई और घायलों को रिम्स भेजा गया है.

विधायक जयराम महतो से मिले जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार मेहता

संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के पलामू जिलाध्यक्ष दिलीप मेहता ने अपने साथियों के साथ मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी से नवनिर्वाचित विधायक टाइगर जयराम महतो से मिलकर उन्हें बधाई दी. मौके पर जिलाध्यक्ष दिलीप मेहता व पार्टी के प्रमंडलीय सचिव सोनू पटेल आदि ने जयराम महतो को संविधान का बुक देकर सम्मानित किया. साथ ही उनसे पलामू आने के लिए आमंत्रित किया. दिलीप मेहता ने कहा कि टाइगर जयराम के विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए युवाओं के बड़ी आबादी हमसे जुड़ने के लिए लालायित है. वही बोस सेना के संचालक सह युवा समाजसेवी अरविंद बोस जो हुसैनाबाद विधानसभा से आते हैं, उन्होंने बताया कि आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनाव में मोर्चा की लोकप्रियता और सही दिशा में संघर्ष का सिलसिला जारी रहा तो जनता तीसरे विकल्प के तौर पर चुन सकती है. देवरी खुर्द मुखिया प्रतिनिधि उपेंद्र मेहता, राजेश कुशवाहा व गढ़वा प्रभारी विकाश पासवान ने बताया कि टाइगर जयराम महतो का बेबाक अंदाज जनता को पसंद है और भविष्य में हमलोग उनसे जुड़कर पलामू व गढ़वा जिला को मजबूती प्रदान करेंगे. मौके पर रमेश मेहता, युवा समाजसेवी मणिकांत वर्मा, मनु वर्मा, आलोक वर्मा, शिवशंकर सिंह, विकास पासवान, ललन यादव, प्रेमशंकर मेहता, रामकुमार पासवान आदि उपस्थित थे.

व्यापार-वाणिज्य

भारत पांच साल में बनेगा दुनिया का नंबर वन ऑटोमोबाइल उद्योग : नितिन गडकरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि भारत पांच साल के भीतर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का नंबर वन ऑटोमोबाइल उद्योग बन सकता है.

गडकरी ने नई दिल्ली में अमेजन संभव शिखर सम्मेलन 2024 को संबोधित करते हुए यह बात कही. गडकरी ने भारत के बढ़ते ऑटोमोबाइल उद्योग और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र पर प्रकाश डाला. मंत्री ने देश की खूबियों के बारे में विस्तार से उल्लेख कर कहा कि भारत में सबसे ज्यादा युवा और इंजीनियरिंग प्रतिभा है.

उन्होंने कहा कि मेरी हमेशा से राय रही है कि नवाचार, उद्यमिता, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान योजना और सफल अभ्यास, जिसे हम ज्ञान कहते हैं, भविष्य में ज्ञान को धन में बदलना सबसे महत्वपूर्ण बात है.

गडकरी ने कहा कि भारत का लॉजिस्टिक्स क्षेत्र उल्लेखनीय वृद्धि देख रहा है, जिससे महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं. हम इस क्षेत्र को ग्रीन हाइड्रोजन, बायो-इथेनॉल और बायो-मेथनॉल जैसे टिकाऊ समाधानों के साथ-साथ मजबूत अपशिष्ट प्रबंधन पहलों के साथ बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. पिछले दशक में निर्यात में उछाल के साथ हम अपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने को साकार करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं.

दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ शेयर बाजार

- निवेशकों को 30 हजार करोड़ का मुनाफा

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ. आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी. बाजार खुलने के बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिशें शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.006 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज की कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में स्मॉल और मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 30 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.63 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया. जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.33 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 30 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ.

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है. सोना आज 160 रुपये से लेकर 170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है. इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,930 रुपये से लेकर 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये से लेकर 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है. चांदी के भाव में भी आज मामूली तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत बढ़ कर 92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है.

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में भाषा उत्सव (फिएस्टा) का आयोजन

संवाददाता। मेदिनीनगर

स्थानीय ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में आज भाषा उत्सव (फिएस्टा) का आयोजन किया गया. भाषा उत्सव पखवाड़ा को लेकर विद्यालय सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने कहा कि भारतीय भाषा उत्सव, एक बहु-भाषाविद स्वतंत्रता सेनानी कवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती के मौके पर मनाया जाता है.

भारत में बोली जाने वाली भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए 11 दिसंबर 2022 को स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर भारतीय भाषा दिवस मनाया गया.

राष्ट्र की समृद्धि सांस्कृतिक एकता को पोषित करने के लिए समाज के छात्रों एवं युवाओं के मध्य भाषा सद्भाव को बढ़ावा देना है.

इसके तहत आज विद्यालय में फिएस्टा का आयोजन किया गया. कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों के द्वारा अलग-अलग प्रदेश के व्यंजनों का प्रस्तुतिकरण किया गया. भारत के उत्तर-दक्षिण-पूर्व व पश्चिमी सभ्यता की झलक स्पष्ट रुप से दिखाई दे रही थी.

विभिन्न संस्कृतियों के साथ खान-पान व पोषाक दर्शनीय था.

खान-पान में-लिट्टी चोखा (बिहार), धुसका, बड़ा. (झारखंड), बड़ापॉव (महाराष्ट्र), मक्के की रोटी, सरसों का साग और लस्सी (पंजाब), पोहा चूड़ा, रसगुल्ले (कोलकाता), इडली-डोसा (दक्षिण भारत) का प्रदर्शन किया गया. व्यंजनों की विशेषताओं को क्षेत्रीय भाषा में बच्चों के द्वारा चार्ट पर अंकित की गई थी. मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिका उपस्थित थे.

छात्रों के अभिभावकों को दी अपार कार्ड की जानकारी

लातेहार। शहर के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में दो दिवस अपार दिवस के पहले दिन छात्रों के अभिभावकों को अपार कार्ड की जानकारी दी गयी. प्राचार्य शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हर छात्र को डिजिटल पहचान दिलाने के लिए अपार आईडी कार्ड बनाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि अपार आईडी में छात्र की पूरी पढ़ाई-लिखाई का डिटेल होगा. इस आईडी कार्ड में छात्रों के लिंग, जन्मतिथि, अभिभावकों का पता और फोटो के अलावा उनकी शैक्षणिक योग्यता आदि का डिटेल रहेगा. उन्होंने बताया कि इसके अलावा इसमें मार्कशीट, सर्टिफिकेट, डिग्री-डिप्लोमा प्रमाण पत्र, कैरेक्टर सर्टिफिकेट, स्कूल ट्रांसफर सर्टिफिकेट सहित अन्य दस्तावेज जैसे डेटा भी शामिल होगें. उन्होंने आगे कहा कि योजना के अनुसार भारत सरकार की ओर से प्रत्येक छात्रों को 12 अंकों का एक यूनिक नंबर जारी किया जाएगा. इस अपार आईडी में छात्रों की पढ़ाई से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी उपलब्ध रहेगी. इसमें मासिक, त्रैमासिक, अर्द्ध वार्षिक और वार्षिक परीक्षाओं के परिणाम व पीटीएम उपस्थिति सहित अन्य जानकारी भी रहेगी.

शक्तिकांत दास ने कार्यकाल के अंतिम दिन सहयोगियों का जताया आभार, कहा-

राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय पिछले 6 वर्षों में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर

एजेंसी। मुंबई/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कार्यकाल के अंतिम दिन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अपने सहयोगियों के प्रति आभार जताया. उन्होंने केंद्रीय बैंक का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि पिछले छह साल में राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर रहा.

केंद्र सरकार ने गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह संजय मल्होत्रा को अगला गवर्नर नियुक्त किया है. मल्होत्रा 11 दिसंबर को पदभार संभालेंगे. शक्तिकांत दास 12 दिसंबर, 2018 को आरबीआई के गवर्नर बनाए गए थे. बाद में तीन साल के लिए उनके कार्यकाल में विस्तार किया गया था. दास ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अपने अनुभवों को साझा करने के साथ सभी का धन्यवाद किया. उन्होंने केंद्रीय बैंक का नेतृत्व करने का अवसर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया.

उन्होंने कहा कि पिछले छह साल में राजकोषीय-मौद्रिक समन्वय अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर रहा. उन्होंने सरकार, हितधारकों और अपने सहयोगियों को कार्यकाल के दौरान समर्थन और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया.

शक्तिकांत दास ने अपने संबोधन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को उनके निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया.

ब्रीफ खबरें

ईडी ने अभिनेत्री गहना वशिष्ठ से पूछताछ की

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉलीवुड अभिनेत्री गहना वशिष्ठ से हॉटशॉट ऐप से जुड़े मामले में पूछताछ की है. ये ऐप कथित रूप से अश्लील सामग्री अपलोड करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था. गहना वशिष्ठ ने बताया कि ईडी ने सबसे पूछा कि उन्होंने हॉटशॉट के लिए कौन-कौन सी फिल्में बनाई हैं और इसके बदले उन्हें कितने पैसे मिले. गहना ने बताया कि उन्हें हॉटशॉट ऐप के जरिए जो पेमेंट्स मिलती थीं, वह ब्रिटिश पाउंड में होती थी, जिसे बाद में भारतीय रुपये में बदला जाता था. उन्होंने इस दौरान यह भी साफ किया कि उनका संपर्क उमेश कामत के जरिए था और उनका कोई सीधा संपर्क राज कुंद्रा से नहीं था. गहना ने बताया कि उन्हें हमेशा से

आईटीआर फाइल करने में पुरुष ही नहीं महिलाएं भी आ रहीं आगे

नई दिल्ली। देश में इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने में महिलाओं आगे आ रही हैं. वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक कई राज्यों में हर साल महिलाओं की संख्या बढ़ रही है. इनमें काम के बेहतर अवसर मिलना, भागीदारी बढ़ना, काम के प्रति स्वतंत्रता मिलना आदि अवसर को इसकी वजह माना जा रहा है. मीडिया रिपोर्ट में राज्यों के मुताबिक रिटर्न फाइल करने में महाराष्ट्र की महिलाएं आगे हैं. असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए महाराष्ट्र की 36.8 लाख महिलाओं ने इनकम टैक्स रिटर्न भरा.

चंडीगढ़ में जन्मीं हरमीत ढिल्लों को ट्रंप की टीम में मिली बड़ी जिम्मेदारी

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी टीम को मजबूत कर रहे हैं और काम के लोगों को शामिल कर रहे हैं. इसमें ट्रंप भारतीय मूल के लोगों को ज्यादा महत्व देते नजर आ रहे हैं. उनकी टीम में एक और भारतीय की एंट्री हो गई है. ट्रंप ने भारतीय मूल की हरमीत ढिल्लों को कानून विभाग में नागरिक अधिकारों के लिए असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल चुना है. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने हरमीत ढिल्लों को यह जिम्मेदारी देते हुए उनकी जमकर तारीफ भी की है. इससे पहले ट्रंप डॉ जय भट्टाचार्य, विवेक रामास्वामी और काश पटेल को अपने कैबिनेट में हिस्सा बनाने की घोषणा कर चुके हैं.

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की विदाई की इनसाइड स्टोरी

महंगाई से निपटने को लेकर सरकार और गवर्नर के काम के तरीकों में देखने को मिला था मनमुटाव

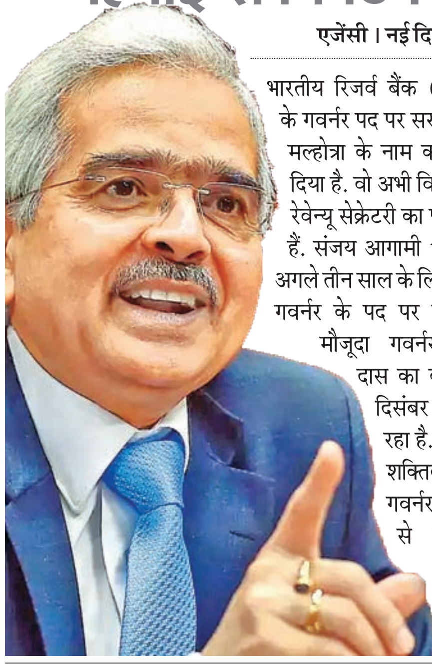

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर पद पर सरकार ने संजय मल्होत्रा के नाम का ऐलान कर दिया है. वो अभी वित्त मंत्रालय में रेवेन्यू सेक्रेटरी का पद संभाल रहे हैं. संजय आगामी 11 दिसंबर से अगले तीन साल के लिए आरबीआई गवर्नर के पद पर काबिज होंगे. मौजूदा गवर्नर शक्तिकांत दास का कार्यकाल 10 दिसंबर को समाप्त हो रहा है.

शक्तिकांत दास के गवर्नर रहते सरकार से रिश्ते काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे. महंगाई से निपटने को लेकर सरकार और बतौर आरबीआई गवर्नर उनके काम के तरीकों में मनमुटाव देखने को मिला. हालांकि दास अकेले ऐसे गवर्नर नहीं, उनसे पहले चार और गवर्नरों को भी इसी तरह के हालात का सामना करना पड़ा था. शक्तिकांत दास से सरकार के उतार-चढ़ाव भरे रिश्तों की खास वजह महंगाई से निपटने के तरीकों को लेकर थी. जिसपर काफी विवाद भी हुआ था. महंगाई काबू में लाने के लिए सरकार का तर्क था कि केंद्रीय बैंक को प्रमुख नीतिगत दरों में कटौती करना चाहिए. सरकार का मानना था कि रेपो रेट कम करने से धीमी अर्थव्यवस्था को बूस्ट मिलेगा. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योगों को बढ़ावा देने और क्षमता निर्माण के लिए "सस्ते बैंक ब्याज दरों" की वकालत की.

वहीं, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी आरबीआई से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दरों में कटौती करने और मौद्रिक नीति पर निर्णय लेते समय खाद्य कीमतों पर विचार करने का आग्रह किया. हालांकि, सरकार की इच्छा के उलट आरबीआई ने रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर ही बरकरार रखा. वैसे सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के बीच यह तनातनी कोई नई या असामान्य बात नहीं है. इन दोनों पक्षों के बीच कई वर्षों से इस तरह का टकराव चल रहा है. कारण है- गवर्नर केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता और स्वतंत्रता की रक्षा करने की कोशिश करते रहे हैं.

वाईवी रेड्डी को बिना शर्त मांगनी पड़ी माफी

रेड्डी 2003 से 2008 तक आरबीआई गवर्नर रहे. रेड्डी तत्कालीन वित्त मंत्री पी चिदंबरम के साथ उलझ गए थे और नौबत यहां तक आ गई थी कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा हस्तक्षेप करने पर रेड्डी को मंत्री से "बिना शर्त माफी" भी मांगनी पड़ी थी. रेड्डी ने अपने कार्यकाल के दौरान दो बार पद छोड़ने पर विचार किया था. उन्होंने कहा था कि सरकार के पास आरबीआई गवर्नर को निर्देश देने की शक्ति है. लेकिन, बावजूद इसके आरबीआई के संबंध में निर्देश जारी करने से पहले गवर्नर से परामर्श करना आवश्यक है. रेड्डी और चिदंबरम के बीच असहमति वित्तीय बाजारों के विकास से संबंधित थी. चिदंबरम एकीकृत तरीके से बॉन्ड करेंसी डेरिवेटिव्स विकास चाहते थे. जबकि, रेड्डी का मानना था कि वित्तीय क्षेत्र में सुधार के लिए अन्य प्राथमिकताएं भी हैं. रेड्डी ने फरवरी 2008 में किसानों को दिए गए 60000 करोड़ रुपये के ऋण माफ करने के प्रस्ताव का विरोध किया था.

सरकार की चीयरलीडर नहीं है आरबीआई

दूसरे केस में आरबीआई गवर्नर रहे डी सुब्बाराव ने अपनी किताब में लिखा है कि वे 'इस मांग से हमेशा असहज और परेशान रहते थे कि आरबीआई को सरकार का चीयरलीडर बनना चाहिए.' सुब्बाराव 2008-2013 के दौरान आरबीआई गवर्नर थे. यह वो वक्त था, जब वैश्विक वित्तीय संकट ने देश की वित्तीय प्रणाली को हिलाकर रख दिया था. सुब्बाराव ने अपनी किताब 'जस्ट ए मर्सेनरी? नोट्स फ्रॉम माई लाइफ एंड करियर' में लिखा है, "उस दौरान वित्त मंत्री रहे चिदंबरम और प्रणब मुखर्जी दोनों ही आरबीआई के मुद्रास्फीति विरोधी रुख से परेशान थे, क्योंकि उनका मानना था कि इससे विकास में बाधा आ रही है." सुब्बाराव लिखते हैं, "आरबीआई के नीतिगत रुख को लेकर चिदंबरम और मुखर्जी दोनों से मेरी बहस हुई. उन्होंने कहा कि चिदंबरम आमतौर पर एक वकील की तरह अपना मामला पेश करते थे, जबकि मुखर्जी एक आदर्श राजनीतिज्ञ."

असद के सत्ता से हटते ही सीरिया में घुसा इजरायल

इजरायल का गोलन हाइट्स पर कब्जा, मुस्लिम देशों में बवाल

एजेंसी। नई दिल्ली

इजरायल और सीरिया के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है. 50 साल बाद इजरायली सेना ने सीरिया के अंदर घुसपैठ की है और गोलान हाइट्स पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है. इजरायली टैंक अब सीरिया की राजधानी दमिश्क के नजदीक देखे जा रहे हैं.

इस कदम ने पूरे मुस्लिम विश्व को भड़का दिया है, और सऊदी अरब, कतर, और इराक जैसे देशों ने इजरायल की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है. इजरायल का यह कदम मध्य पूर्व में बढ़े तनाव का कारण बन सकता है. मुस्लिम देश इस कार्रवाई के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं. कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर हालात और बिगड़ सकते हैं.

सीरिया के सैन्य ठिकानों और रासायनिक हथियार फैक्ट्रियों पर हमले ईरान और रूस के प्रभाव वाले सीरिया में अलकायदा से जुड़े सुन्नी विद्रोही गुट एचटीएस ने नियंत्रण स्थापित कर लिया है. सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद रूस भाग गए हैं. इस बीच, अमेरिकी बॉम्बर्स ने इजरायल के साथ मिलकर सीरिया के सैन्य ठिकानों और रासायनिक हथियारों की फैक्ट्रियों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए हैं, जिससे वे पूरी तरह नष्ट हो गए. अमेरिका और इजरायल को आशंका थी कि ये हथियार विद्रोहियों के हाथ लग सकते हैं. इजरायली सेना ने भी जमीन पर कार्रवाई करते हुए पहली बार 1974 की संधि के बाद सीरिया में प्रवेश किया है. उन्होंने गोलान हाइट्स के पास 10 किलोमीटर अंदर सीरियाई क्षेत्र में कब्जा कर एक बफर जोन बना लिया है. इजरायल का कहना है कि यह कदम अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए अस्थायी रूप से उठाया गया है. रविवार को इजरायली सेना ने गोलान हाइट्स के क्षेत्र में एक बफर जोन स्थापित किया है.इस घटनाक्रम से असद शासन और ईरान के प्रभाव का अंत हो गया है. इससे इजरायल को एक रणनीतिक लाभ मिला है, क्योंकि अब ईरान सीरिया के रास्ते लेबनान में हिजबुल्लाह को हथियार नहीं भेज सकेगा.

50 साल बाद गोलान हाइट्स को सीरिया से अलग किया इजरायली सेना ने 50 साल बाद गोलान हाइट्स को सीरिया से अलग कर दिया. इसके बाद मुस्लिम देशों ने सऊदी अरब, कतर और इराक ने इस कदम को "खतरनाक" बताते हुए इसकी निंदा की है. बता दें कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भाग जाने के बाद तुर्की समर्थित विद्रोहियों ने देश के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया. इजरायली सेना ने गोलान हाइट्स पर कब्जा करने के साथ-साथ सीरिया की राजधानी दमिश्क के करीब तक अपने टैंक तैनात कर दिए हैं. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे "रणनीतिक सुरक्षा कदम" बताया और गोलान हाइट्स को "अनंत काल तक इजरायल के नियंत्रण में रहने वाला क्षेत्र" घोषित किया.

हाथरस : ट्रक ने मैजिक को मारी टक्कर

7 लोगों की मौत, 13 घायल

एजेंसी। हाथरस

यूपी के हाथरस जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ है. यहां एक बेकाबू ट्रक ने सवारियों से भरी टाटा मैजिक में जोरदार टक्कर मार दी. वहीं हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई. स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को बाहर निकाला. इस सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 13 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं. मृतकों में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं. बताया जा रहा है कि टाटा मैजिक में सवार सभी लोग हाथरस के गांव कुमराई से एटा के गांव नगला इमलिया जा रहे थे. इसी बीच थाना कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के सलेमपुर के पास ये हादसा हो गया.

घायलों का किया जा रहा इलाज

हाथरस के जिलाधिकारी आशीष कुमार ने भी सूचना मिलने के बाद मामले की संज्ञान लिया है. उन्होंने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चंदपा गांव के पास एक पिकअप और कुरियर वाले टैंकर के बीच टक्कर हुई है. इस हादसे में अभी तक 7 लोगों की मौत हुई है. मृतकों में तीन महिलाएं, तीन पुरुष और एक बच्चा है. वहीं घायलों में 6 लोगों को रेफर किया गया है, जबकि 7 लोगों का यहीं जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है. घटना संज्ञान में आने के बाद ट्रैफिक को चालू कराया गया है. इसके अलावा मृतकों के शवों को भी अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा गया है, जबकि घायलों का भी इलाज कराया जा रहा है.

सीएम योगी ने जताया दुख

वहीं हादसे के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट कर दुख व्यक्त किया है. सीएम योगी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा है, 'जनपद हाथरस में मथुरा-कासगंज हाइवे पर सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है. मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं. जिला प्रशासन के अधिकारियों को राहत कार्यों को तेजी से संचालित करने एवं घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं. प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें.'

उमर अब्दुल्ला ने दिया बड़ा बयान, कहा

रोहिंग्या शरणार्थियों को भूख से मरने के लिए नहीं छोड़ सकते

एजेंसी। जम्मू

जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का रोहिंग्या, बांग्लादेशी को लेकर बड़ा बयान सामने आया है. जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रोहिंग्या शरणार्थियों के मुद्दे को मानवीय संकट बताया है. रोहिंग्या, बांग्लादेशी को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए नजर आए.

इस दौरान उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में स्पष्ट नीति अपनानी चाहिए. अगर केंद्र सरकार रोहिंग्या बांग्लादेशी शरणार्थियों को वापस भेज सकते हैं तो वापस भेज दें, लेकिन अगर यह संभव नहीं है तो हम उन्हें भूख और ठंड से मरने के लिए नहीं छोड़ सकते.' यह बातें उमर अब्दुल्ला ने आज चैंबर आफ कामर्स इंडस्ट्रीज के एक समारोह के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कही है.

दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन एआईएमआईएम में शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) भी उतरेगी. मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम ने दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को उम्मीदवार बनाया है. ताहिर हुसैन की पत्नी शमा और बेटा शादाब आज (10 दिसंबर) असदुद्दीन ओवैसी से मिलने उनके आवास पहुंचे.

जेल में बंद हैं ताहिर हुसैन

बता दें ताहिर हुसैन फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों के आरोपी है. वह आम आदमी पार्टी से निगम पार्षद का चुनाव जीत चुके हैं. हालांकि, दंगों में नाम आने के बाद पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया था. हाल ही में ताहिर हुसैन को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत मिली थी. अदालत ने दिल्ली दंगों के सिलसिले में ताहिर हुसैन के खिलाफ एक प्राथमिकी रद्द कर दी थी.

इस मुलाकात के दौरान एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील भी मौजूद थे. इस मुलाकात के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर एक तस्वीर पोस्ट कर लिखा, "ताहिर हुसैन एआईएमआईएम में शामिल हो गए हैं और आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र से हमारे उम्मीदवार होंगे.

संसद में जयंत चौधरी ने बताई सरकार की कामयाबी

ग्रामीण भारत में महिलाओं की साक्षरता दर बढ़ी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में काफी लंबे समय से महिलाओं को पढ़ाने को लेकर मुहिम चलाई जा रही है और शिक्षा के महत्व को बताया गया है. इसी की वजह है कि अब वो बदलाव नजर आ रहा है, जिसके ख्वाब सालों पहले शायद सावित्री बाई फुले ने देखे थे.

अब महिलाएं शिक्षा के महत्व को समझ रही हैं, जिसकी बदलती रोशनी के प्रकाश से पूरा भारत रोशन हो रहा है. हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई है जो बताती है कि ग्रामीण भारत में साक्षरता दर बढ़ा है. पिछले कुछ दशकों में इसमें उछाल आया है. साल 2011 में साक्षरता दर 7 साल और उससे बड़ी उम्र की लड़कियों के लिए 67.77 प्रतिशत था जोकि अब बढ़ कर साल 2023-24 में 77.5 प्रतिशत दर्ज किया गया है. एक समय में महिलाओं का साक्षरता दर 14.5 प्रतिशत दर्ज किया गया था, जोकि फिर धीरे-धीरे 57.93% से 70.4% तक बढ़ गया है. पुरुषों में भी साक्षरता दर बढ़ा है जोकि 77.15% से 84.7% तक इजाफा हुआ है.

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में सोमवार को सरकार प्रयासों पर बात करते हुए ये आंकड़े शेयर किए. जयंत चौधरी ने कहा, साक्षरता दर को बढ़ाने के लिए खास कर बालिग लोगों के बीच ग्रामीण साक्षरता दर को बढ़ाने के लिए सरकार कई तरह की स्कीम चला रही है. जैसे, समग्र शिक्षा अभियान, साक्षर भारत, पढ़ना लिखना अभियान और उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं.

जयंत चौधरी ने इन स्कीम की कामयाबी बताते हुए कहा, इन स्कीम ने पॉजीटिव रिजल्ट सामने रखे हैं. खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता दर को बढ़ाया है. जयंत चौधरी ने कहा, नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (एनआईएलपी) ने साक्षरता दर को बढ़ाने में अहम रोल निभाया है. अप्रैल 2022 में इस स्कीम को लॉन्च किया गया था और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत, कार्यक्रम 15 साल से ज्यादा के लोगों को खास कर फोकस करता है.

जयंत चौधरी ने लोकसभा में कहा, उल्लास स्कीम के तहत, हमने सफलतापूर्वक 2 करोड़ से अधिक लोगों को पंजीकृत किया है. साथ ही 1 करोड़ से अधीक लोग फाउंडेशनल लिटरेसी और संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षण के तहत पहले से ही जुड़े हुए हैं. उन्होंने आगे बताया यह स्कीम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से चलाई जाती है. साथ ही मोबाइल एप की मदद से भी सीखना का ऑप्शन है जिस पर 26 भाषाएं उपलब्ध है.

विवाद

कर्नाटक पुलिस ने शिवसेना प्रतिनिधियों को बेलगावी में प्रवेश करने से रोका

कांग्रेस-शिवसेना उद्धव गुट आमने सामने, कर्नाटक में भारी बवाल

एजेंसी। नई दिल्ली

कर्नाटक पुलिस ने सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) के प्रतिनिधियों को महाराष्ट्र की सीमा पर वार्षिक मराठी सम्मेलन में भाग लेने के लिए बेलगावी में प्रवेश करने से रोक दिया. इसके बाद इस मामले पर राजनीतिक संग्राम तेज हो गया और महायुति गठबंधन की 2 बड़ी पार्टी कांग्रेस और शिवसेना उद्धव गुट आमने सामने आ गए. कर्नाटक सरकार ने इस साल बेलगावी में महाराष्ट्र एकीकरण समिति के मराठी सम्मेलन पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो कर्नाटक विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के साथ हुआ था. इसने महाराष्ट्र के राजनेताओं को भी इस कार्यक्रम में शामिल होने से रोक दिया. हर साल की तरह, समिति ने इस साल भी शिवसेना अध्यक्ष एकनाथ शिंदे, एनसीपी प्रमुख अजीत पवार, एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और भाजपा के राज्य प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले जैसे महाराष्ट्र के प्रमुख राजनेताओं को आमंत्रित किया था. उद्धव गुट ने समिति के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया और कोल्हापुर से उसके प्रतिनिधियों ने अंतर-राज्यीय सीमा पर महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों तरफ से भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच बेलगावी की ओर मार्च शुरू किया. जैसे ही प्रतिनिधिमंडल सीमा पर पहुंचा, कर्नाटक पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया. महाराष्ट्र पुलिस ने पुणे-बेंगलुरु एनएच 48 पर सड़क जाम करने के लिए सेना (यूबीटी) के प्रतिनिधियों को हिरासत में लिया और उन्हें वापस कागल ले आई. कम से कम 50 महाराष्ट्र एकीकरण समिति के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया.

हाल के दिनों में बढ़ा विवाद

दोनों राज्यों में चुनाव के दौरान यह मुद्दा अक्सर राजनीतिक दलों द्वारा उछाला जाता है और इससे तनाव बढ़ जाता है. राजनीतिक दलों की अपनी ओर जनता को करने की लालसा होती है लेकिन वह यह भूल जाते हैं कि यदि तनाव बढ़ेगा तो यह दोनों राज्यों के लोगों के लिए नुकसान दायक होगा. बेलगाव में मराठी और कन्नड़ दोनों भाषाओं के बोलने वाले लोग हैं, जिससे भाषाई तनाव भी बढ़ता है. दोनों समुदायों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को लेकर भी तनाव रहता है.

ये है बेलगाव विवाद

बेलगाव विवाद भारत के दो राज्यों, महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच एक लंबे समय से चली आ रही सीमा विवाद है. यह विवाद मुख्य रूप से बेलगाव जिले को लेकर है, जो वर्तमान में कर्नाटक राज्य का हिस्सा है. साल 1956 में जब भारत में राज्यों का पुनर्गठन भाषाई आधार पर किया गया, तो बेलगाव जिला कर्नाटक राज्य को आवंटित किया गया था. महाराष्ट्र का तर्क है कि बेलगाव जिले में मराठी भाषी लोगों की बहुलता है और इसलिए यह क्षेत्र भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से महाराष्ट्र का हिस्सा होना चाहिए. वहीं कर्नाटक का कहना है कि बेलगाव सदियों से कर्नाटक का हिस्सा रहा है और यहां की संस्कृति कन्नड़ संस्कृति से अधिक जुड़ी हुई है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, मैसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड के लिए के.जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित. संपादक **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक **संजय सिंह***. फोन नंबर 0651-2961734 आरएनआई नंबर JHAHIN/2023/84487(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)